हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

खेल

क्या भारत की टी 20 टीम में राहुल की होगी वापसी, 493 विकेट वाले पूर्व खिलाड़ी...

देश

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच सब ठीक नहीं?

शुक्ल पक्ष, उत्तराषाढ़ा, विक्रम संवत् 2082
• औरंगाबाद • शुक्रवार • 08 अगस्त 2025 • वर्ष 27 • अंक 238 • पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 94,000	₹ 1,17,000

आज का इतिहास

1942 : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने बम्बई (अब मुंबई) सत्र में 'भारत छोड़ो प्रस्ताव' पारित किया।

1942 : मोहनदास के गांधी के एक भाषण के बाद, ऑल इंडियाकांग्रेस कमेटी ने भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित किया, जिसमें यूनाइटेड किंगडम से भारत की स्वतंत्र स्वतंत्रता की मांग की गई थी।

भारत पर ट्रम्प का 50% टैरिफ, 25% हुआ लागू, ज्वेलरी-टेक्सटाइल जैसे सेक्टर को ज्यादा नुकसान

कपड़े-जूते के कारोबार पर असर

- ट्रप 50% टैरिफ का असर देश के कपड़े और जूतों के कारोबार पर देखने को मिलेगा, क्योंकि टेक्सटाइल का बड़ी मात्रा में एक्सपोर्ट किया जाता है और अमेरिका में भारतीय कपड़ा और फुटवियर का सबसे बड़ा आयातक देश है। 25 की जगह 50 फीसदी का टैरिफ लागू होने से अमेरिकी बाजार में ये प्रोडक्ट्स और भी ज़्यादा महंगे हो जाएंगे।

नई दिल्ली (ए.)। भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों पर आज यानी, गुरूवार से 25% टैरिफ लागू हो गया है। वहीं 25% एक्स्ट्रा टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। अभी भारतीय सामानों पर करीब 10% टैरिफ लगता था। नए टैरिफ लगने से भारतीय सामान अमेरिकी बाजार में महंगे हो जाएंगे। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव यानी, जीटीआरआई के फाउंडर अजय श्रीवास्तव ने कहा टैरिफ के कारण अमेरिका को होने वाले निर्यात में 40-50% की कमी आस सकती है। हालांकि, भारत के एक्सपोर्टर्स ने कहा कि माल बेचने के किए उनके पास अमेरिका के अलावा दुनिया भर के बाजार हैं। ज्वैलरी जैसे कई सेक्टर्स में भारत का अमेरिका को निर्यात टैरिफ कम होने की वजह ज्यादा है। अब एक्सपोर्टर्स दुनिया के बाकी बाजारों में हिस्सेदारी बढ़ा सकते हैं।

वहीं ऑटो सेक्टर भी बहुत प्रभावित हो सकता है। दरअसल, भारत की ओर से अमेरिका को बड़ी मात्रा में ऑटो पार्ट्स एक्सपोर्ट किए जाते रहे हैं और पहले से ही स्टील और एल्यूमीनियम पर 25 फीसदी टैरिफ है।

भारत किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा : पीएम

डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर लगाया गया 25 फीसद टैरिफ आज यानी 7 अगस्त 2025 से लागू हो गया है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप और अमेरिका का नाम लिए बगैर कहा कि भारत किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। ट्रंप की ओर से की गई घोषणा के अनुसार, 25 फीसद टैरिफ की दूसरी किस्त 27 अगस्त से लागू होना है।

दुनिया पर मंदी आने का खतरा बढ़ा

डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ नीति के कारण दुनिया में मंदी आने का खतरा बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और आर्थिक विशेषज्ञों ने इस पर चेतावनी दी है कि अगर टैरिफ वॉर आगे बढ़ा तो वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी हो सकती है। आईएमएफ ने 22 अप्रैल को प्रकाशित रिपोर्ट में कहा कि अगर अमेरिका और अन्य देश टैरिफ वॉर में उलझते हैं, तो वैश्विक विकास दर 2025 में 3.3% से घटकर 3.0% हो सकती है। ऑर्गनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) ने 3 जून को अपनी रिपोर्ट में कहा कि ट्रम्प के टैरिफ से जुड़े फैसलों का असर न सिर्फ अमेरिका, बल्कि यूरोप और एशिया की अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़ेगा। इससे मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट्स में कमी आ सकती है, जिसके चलते पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था में एक साथ सिंक्रोनाइज्ड स्लोडाउन (मंदी) का खतरा पैदा हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक मंदी का असर सबसे ज्यादा अमेरिका और फिर चीन, भारत, कनाडा, इटली और आयरलैंड पर

आज और कल अगस्त को संग्रहालय से संबंधित विषयों पर होंगे सेमिनार, 10 और 11 अगस्त को सांस्कृतिक कार्यक्रम का होगा आयोजन

सीएम ने किया बिहार म्यूजियम बिनाले का उद्घाटन

- कार्यक्रम में दस देशों के संग्रहालयों और संस्थानों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें भारत के अलावा इंडोनेशिया, श्रीलंका, कजाखिस्तान, इथियोपिया, मैक्सिको, अर्जेंटीना, इक्वाडोर, पेरू और वेनेजुएला शामिल रहे।

निज संवाददाता | पटना

दस देशों की प्रदर्शनी के साथ गुरुवार को बिहार संग्रहालय बिनाले शुरू हो गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार संग्रहालय बिनाले-2025 के प्रतीक चिह्न का अनावरण किया। साथ ही विभिन्न देशों द्वारा लगायी गयी अस्थाई प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया। इसके बाद त्योहार और प्रदर्शन, प्रतीकवाद और उत्सव, दीक्षा समारोह, खुदाई में चिरांद, सौंदर्य और सौंदर्य शास्त्र, स्वास्थ्य और कल्याण आदि विषयों पर आधारित थाईलैंड, इंडोनेशिया, जाम्बिया, मैक्सिको, कोरिया, श्रीलंका सहित अन्य देशों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। दरअसल, भारत समेत दस देशों के संग्रहालय तथा विद्वान इसमें शिरकत कर रहे हैं। भागीदार देशों में इंडोनेशिया, श्रीलंका, कजाखिस्तान, इथियोपिया, मैक्सिको, अर्जेंटीना, इक्वाडोर, पेरू और वेनेजुएला के साथ ही भारत के चार प्रमुख संस्थान नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र और मेहरानगढ़ म्यूजियम, आईसीएआर शामिल हैं।

उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने बिहार संग्रहालय के बहुद्देशीय सभागार में इंडोनेशिया, इथोपिया आदि देशों की संस्कृति, इतिहास और प्राकृतिक सुंदरता पर आधारित लगायी गयी प्रदर्शनी को देखा। इस दौरान इथोपिया, इंडोनेशिया, श्रीलंका, मैक्सिको, अर्जेंटिना और पेरू से आये एम्बेसडर्स के साथ मुख्यमंत्री ने महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की और सामूहिक तस्वीर खिंचवाई। बिहार संग्रहालय परिसर स्थित मुक्ताकाश प्रेक्षास्थल में होने वाले सांध्यकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों का भी मुख्यमंत्री ने जायजा लिया। वहां उपस्थित लोगों ने हाथ हिलाकर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने बिनाले में भाग ले रहे कलाकारों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्द्धन किया। इसके पहले कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री मोतीलाल प्रसाद ने मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, कला, विधान परिषद के उप सभापति प्रो. रामवचन राय, विधान पार्षद संजय गांधी, बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव प्रणव कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, सीएम के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के प्रमंडलीय आयुक्त डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम, एसएसपी कार्तिकेय के. शर्मा उपस्थित थे।

नीतीश सरकार का बहनों को रक्षाबंधन गिफ्ट

रक्षाबंधन पर महिलाओं को मिलेगा मुफ्त बस यात्रा की सुविधा

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं और लड़कियों को खास सौगात दी है। 9 अगस्त को राज्य की चुनिंदा सरकारी बसों में वे मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) की सिटी बसों और पिंक बसों में लागू की जाएगी। सरकार का यह फैसला रक्षाबंधन के दिन बहनों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जिससे वे अपने भाइयों से मिलने बिना किसी आर्थिक बोझ के आ-जा सकें। बीएसआरटीसी के अनुसार, इस सुविधा का लाभ केवल महिलाओं और लड़कियों को मिलेगा। पुरुष यात्रियों के लिए टिकट की अनिवार्यता बनी रहेगी। पिंक बसें जो विशेष तौर पर महिला यात्रियों के लिए ही चलती हैं, उसमें भी इस दिन कोई किराया नहीं लिया जाएगा। सिटी बसों में भी महिलाएं पूरे दिन मुफ्त सफर कर सकेंगी।

सरकार के इस फैसले का व्यापक रूप से स्वागत किया जा रहा है। लोग इसे महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समरसता की दिशा में एक सकारात्मक पहल मान रहे हैं। वहीं, परिवहन विभाग ने भी सभी संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि 9 अगस्त को महिलाओं को बिना किसी असुविधा के यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। यह पहली बार है जब बिहार सरकार ने रक्षाबंधन जैसे पारिवारिक पर्व पर इस तरह की सुविधा दी है। इससे न केवल भाई-बहन के रिश्ते को मजबूती मिलेगी।

न्यूज बाइट्स

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए कार्यक्रम अधिसूचित

नई दिल्ली (ए.)। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना गुरुवार को जारी की। आयोग चुनाव कार्यक्रम पहले ही घोषित कर चुका है। इसके तहत नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त निर्धारित की गयी है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी और नाम 25 अगस्त तक वापस लिए जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मतदान नौ सितंबर को दिन में 10 से पांच बजे तक कराया जाएगा और उसी दिन मतों की गिनती की जाएगी।

बिहार में हेलमेट और ओवरलोडिंग पर सख्ती

पटना (नि.सं.) राज्य में सड़क सुरक्षा को लेकर बिहार परिवहन विभाग ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। खासतौर पर बिना हेलमेट वाहन चलाने और ओवरलोडिंग के मामलों पर विशेष निगरानी रखने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत पूरे प्रदेश में एक साथ कड़ाई से नियमों को लागू करने की योजना है। इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विभाग ने सभी जिला परिवहन अधिकारियों (डीटीओ) को निर्देश जारी कर दिए हैं। इसी कड़ी में दो मोटरयान निरीक्षकों (एमवीआई) को विशेष रूप से बिहार राज्य पथ परिवहन निगम, पटना में प्रतिनियुक्त किया गया है। रोहतास में तैनात एमवीआई नंदलाल सिंह और मुजफ्फरपुर में तैनात एमवीआई सिद्दू कुमार को चार महीने के लिए पटना स्थानांतरित किया गया है। इन अधिकारियों की जिम्मेदारियों को देखते हुए विभाग ने तुरंत व्यवस्था की है। रोहतास में नंदलाल सिंह की जिम्मेवारी अब एमवीआई कौशल किशोर त्रिपाठी को दी गई है।

छह आईपीएस, 26 बीपीएस का ट्रांसफर कई अनुमंडलों में नए एसडीपीओ तैनात

निज संवाददाता | पटना

बिहार पुलिस में एक बार फिर बड़े स्तर पर तबादला हुआ। गृह विभाग ने 6 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईपीएस) और 26 बिहार पुलिस सेवा (बीपीएस) अफसरों का ट्रांसफर कर दिया है। कई अनुमंडलों में नए एसडीपीओ की तैनाती की गई है। गृह विभाग ने गुरुवार को इस संबंध में दो अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी कीं। कुल 32 पुलिस अफसरों का तबादला हुआ है। इनकी पोस्टिंग विभिन्न जिलों में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य पदों पर हुई है। 2021 बैच के आईपीएस अधिकारी मोहिबुल्लाह अंसारी को पटना में कानून व्यवस्था के एसडीपीओ-2 के पद पर पोस्टिंग दी गई है, वे पटना नगर में ही एसडीपीओ-1 पर तैनात थे। वहीं, 2022 बैच की आईपीएस शैलजा को वैशाली में एडिशनल एसपी पद से ट्रांसफर कर नालंदा जिले के हिलसा में एसडीपीओ-1 तैनात किया गया है। सारण के एडिशनल एसपी संकेत कुमार को रोहतास जिले के बिक्रमगंज में एसडीपीओ लगाया गया है। 2022 बैच की ही आईपीएस गरिमा को मुजफ्फरपुर में एएसपी पद से ट्रांसफर कर सरैया का एसडीपीओ बना दिया गया है। आईपीएस साक्षी कुमारी का बेगूसराय में एएसपी पद से बलिया में एसडीपीओ के रूप में तबादला किया गया है। 2023 बैच की आईपीएस कोमल मीणा को दरभंगा एएसपी से पटना के मसौढ़ी में एसडीपीओ-1 लगाया गया है।

लगातार हो रहे हैं ट्रांसफर

बता दें कि बिहार में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। पिछले दिनों कई आईपीएस अधिकारी, आईएएस अधिकारी और बीपीएससी अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया था। उसी कड़ी में आज से 'तबादला एक्सप्रेस' का दौर जारी रहा।

गांवों में जगमगाईं सोलर लाइटें

अब तक 780138 स्ट्रीट लाइट्स का अधिष्ठापन, जांच अभियान शुरू

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाईट योजना के तहत बिहार की ग्राम पंचायतों में अब तक कुल 7,80,138 सोलर स्ट्रीट लाइट्स का अधिष्ठापन किया जा चुका है। यह राज्य सरकार की ग्रामीण विकास की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, जिससे गांवों की गलियां अब रात में भी रोशन रह रही हैं। सरकार की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, अब प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी इन सोलर लाइटों की क्रियाशीलता की जांच करेंगे और इस संबंध में विभाग को संकलित जांच प्रतिवेदन सौंपेंगे। यह कवायद इसलिए की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी अधिष्ठापित लाइटें ठीक ढंग से काम कर रही हैं या नहीं।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइटें खराब पाई जाती हैं, वहां संबंधित एजेंसियों को एकरारनामा के अनुरूप मरम्मत और रखरखाव का निर्देश दिया जाएगा। इसके साथ ही संबंधित जिला पंचायत राज पदाधिकारी को भी इसकी जानकारी भेजी जाएगी, ताकि आवश्यकतानुसार एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। यह योजना गांवों की सुरक्षा और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। रात के समय स्ट्रीट लाइटें जलने से न केवल ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिल रही है, बल्कि असामाजिक गतिविधियों पर भी अंकुश लग रहा है।

स्वास्थ्य विभाग में हुआ ऐतिहासिक विकास, मंगल पांडेय ने कहा

बिहार बना दवा आपूर्ति में लगातार 11वें महीने नंबर वन

- 2006 में शुरू हुई मुफ्त दवा वितरण नीति, तब केवल 47 दवाएं थीं, अब 611 दवाएं और 132 मेडिकल डिवाइसेज़ मुफ्त दिए जा रहे हैं।
- गंभीर बीमारियों की दवाएं भी अब मुफ्त दी जा रही हैं।
- शिशु मृत्यु दर 27 और नवजात मृत्यु दर 19 पर आ गई है।
- आयुष्मान भारत योजना में 4 करोड़ कार्ड बने, बिहार देश में तीसरे स्थान पर।

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने जानकारी दी है कि दवा आपूर्ति और वितरण के मामले में बिहार देश में लगातार 11वें महीने पहले स्थान पर बना हुआ है। यह आंकड़ा केंद्र सरकार के ड्रग्स एंड वैक्सीन डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट सिस्टम (डीभीडीएमएस) पोर्टल के अनुसार जारी हुआ है। सितंबर 2024 से अब तक बिहार इस सूची में शीर्ष पर बना हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री ने इसे राज्य सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता और जनहित में की गई स्वास्थ्य व्यवस्था के सुधार का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक ऊंचाइयां छू रहा है। डीभीडीएमएस के अनुसार बिहार को 82.13 अंक मिले हैं, जबकि राजस्थान को 78.61 और पंजाब को 73.28 अंक मिले हैं। बिहार में अब 611 प्रकार की दवाएं मुफ्त दी जा रही हैं, जो 2006 में सिर्फ 47 थी। इसके अलावा 20 नई दवाएं और 132 मेडिकल डिवाइसेज भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

राज्य में गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, अस्थमा, एलर्जी और रक्त विकारों की दवाएं भी मुफ्त मिल रही हैं। साथ ही, स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी बताया कि मातृ मृत्यु दर अब घटकर 91 और शिशु मृत्यु दर 27 पर आ गई है। नवजात शिशु मृत्यु दर भी 19 है, जो राष्ट्रीय औसत के समकक्ष है। बिहार ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 4 करोड़ से अधिक कार्ड बनाकर देश में तीसरा स्थान हासिल किया है। टीकाकरण का कवरेज भी अब 95% तक पहुंच चुका है। इसके अलावा पीएमसीएच के पुनर्विकास जैसे कई बड़े स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट भी तेज़ी से चल रहे हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता सभी नागरिकों को निःशुल्क, बेहतर और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है और इसमें बिहार तेजी से आगे बढ़ रहा है।

शिक्षकों के म्यूचुअल ट्रांसफर के लिए पोर्टल खुला

निज संवाददाता | पटना

शिक्षा विभाग ने गुरुवार को बड़ी घोषणा करते हुए शिक्षकों के पारस्परिक स्थानांतरण (म्यूचुअल ट्रांसफर) के लिए 'ई-शिक्षा कोष' पोर्टल को खोल दिया है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बताया कि पोर्टल एक महीने तक खुला रहेगा, जिससे इच्छुक शिक्षक बिना किसी जल्दबाजी के आवेदन कर सकें। शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, सभी नियमित शिक्षक, नियोजित शिक्षक जिन्होंने सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण की है, तथा टीआरई के तहत नियुक्त वे विद्यालय शिक्षक, प्रधानाध्यापक और प्रधान शिक्षक, जिनकी तकनीकी नियुक्ति हो चुकी है और जिनका शिक्षक आईडी पोर्टल पर दर्ज है, आवेदन कर सकेंगे। अंतर-जिला स्थानांतरण के लिए यह अनिवार्य होगा कि संबंधित शिक्षक को वर्तमान जिले में एचआरएमएस के माध्यम से वेतन प्राप्त हो चुका हो। ऐसा नहीं होने पर पीआरएएन शिफ्टिंग में दिक्कत आ सकती है। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। दोनों शिक्षकों की आपसी सहमति, एक ही विषय, संवर्ग और समान योग्यता अनिवार्य शर्तें होंगी।

गलत दस्तावेज पर कार्रवाई तय

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि अगर किसी शिक्षक की ई-सर्विस बुक में दर्ज प्रमाण पत्रों में भिन्नता या फर्जीवाड़ा पाया गया तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा विभाग की इस पारदर्शी पहल से शिक्षकों को स्थानांतरण में सहूलियत मिलेगी और व्यवस्था अधिक तकनीकी एवं जवाबदेह बनेगी।

ई-सर्विस बुक अनिवार्य

शिक्षा विभाग ने हाल में सभी शिक्षकों, पुस्तकालयाध्यक्षों और शिक्षकेत्तर कर्मियों की ई-सर्विस बुक को अनिवार्य किया है। इसमें शैक्षणिक व प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, बायोमेट्रिक उपस्थिति और स्थानांतरण व सेवा संबंधी सभी जानकारियां ऑनलाइन दर्ज होंगी।

शिक्षकों को मनचाहे जिलों में मिलेगी पोस्टिंग : सीएम

पटना(नि.सं.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घोषणा की है कि अब शिक्षकों को उनकी पसंद के जिलों में पोस्टिंग मिलेगी। इस नई व्यवस्था के तहत, शिक्षकों को तीन जिलों का विकल्प दिया जाएगा, और उनकी पोस्टिंग इन्हीं तीन जिलों में से किसी एक में की जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से यह जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, 'शिक्षा विभाग की ओर से हाल ही में शिक्षकों के ट्रांसफर के बारे में अलग-अलग स्रोतों से सुझाव प्राप्त हो रहे हैं।

BAYC Institute
स्थापित 1972
बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज
गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7
नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स
भारत का पहला कॉलेज
डॉक्टर बनें
एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE
DAT Acupressure Therapy | DY Yoga | DEMS Electrohomeopathy Medicine
DAYS Acupressure Yoga | DHMS Herbal Medicine | DNYS Naturopathy Yoga
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th
BACHELOR DEGREE COURSE
MBBA Acupressure & Magnet | BTMS Traditional Medicine | BEMS Electrohomeopathy Medicine
BAYS Acupressure Yoga | BAcu. Acupuncture | MBAS Medicine in ALT Science
अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2 | अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2
MASTER DEGREE COURSE
MD (Acu Yoga) MD (TM) | MD (EH)
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजएट | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS
PROFESSIONAL COURSE
BLIS | MLIS | BBA | MBA
TRADITIONAL COURSE
MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA
100% रिजल्ट एवं रोजगार
Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised
DIRECT ADMISSION
REGULAR CLASSES
ONLINE CLASSES
EXPERIENCED FACULTIES
एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।
कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।

डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त
अध्यक्ष

डा. अजय प्रकाश
सचिव
9572607696, 9304942855, 9334278279
Apply Online: www.bayc.in
Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

---

अपराधियों की अवैध संपत्ति जब्त करेगी बिहार पुलिस, लिस्ट तैयार

अब नहीं बचेगा कोई 'सिस्टम वाला डॉन', सरकार के खाते में जाएगी जुर्म की कमाई

निज संवाददाता | पटना

बिहार में अब माफिया राज की कमर तोड़ने के लिए सरकार ने नया रास्ता अपनाया है। अपराधियों पर केवल गोली नहीं, अब उनकी अवैध कमाई पर सीधी चोट की जा रही है। बिहार पुलिस ने साफ कर दिया है कि अब जुर्म से कमाई गई संपत्ति भी सुरक्षित नहीं रहेगी। राज्यभर में 1300 से अधिक कुख्यात अपराधियों की चल-अचल संपत्ति को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसमें 10 अपराधियों के खिलाफ कोर्ट से संपत्ति जब्ती का आदेश भी मिल चुका है। सबसे पहले कार्रवाई किशनगंज, गया और मुजफ्फरपुर जिलों से शुरू हुई है। किशनगंज के रहीमुद्दीन उर्फ हैबर, चांद हुसैन उर्फ चांद, और मोहम्मद कुर्बान की करोड़ों की संपत्ति कोर्ट के आदेश पर जब्त की जा रही है। वहीं गया और मुजफ्फरपुर से भी दो-दो कुख्यात अपराधियों पर कुर्की की कार्रवाई तेज हो गई है। नवादा के कुख्यात बालू माफिया अजय कुमार उर्फ दीपम की संपत्ति भी जब्त करने की प्रक्रिया में है।

पुलिस मुख्यालय के अनुसार, राज्य के 1234 थाना क्षेत्रों से अपराधियों की सूची तैयार की गई है। इसमें सबसे अधिक प्रस्ताव पटना (82), गया (55), रोहतास (49), मोतिहारी (48), मुजफ्फरपुर व भागलपुर (43-43), मधुबनी (42), नालंदा (41) से मिले हैं। दरभंगा, सीवान, सारण, वैशाली, पूर्णिया और बक्सर जैसे जिलों से भी दर्जनों माफियाओं की संपत्तियों पर नज़र रखी जा रही है। एडीजी (मुख्यालय) कुंदन कृष्णन ने स्पष्ट किया है कि अपराध की आय से बनी संपत्ति पर सरकार की नज़र है। अब केवल गिरफ्तारी नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी अपराधियों को तोड़ा जाएगा। इस सख्त रुख के बाद कई माफिया अपनी संपत्तियां बेचने और पहचान बदलने की फिराक में हैं। कई पर राजनीतिक संरक्षण का आरोप भी रहा है, लेकिन अब वो भी जांच के घेरे में आ गए हैं। कुछ अपराधी कोर्ट की शरण में जाकर ज़मानत और कार्रवाई पर रोक की गुहार लगा रहे हैं। बिहार सरकार का यह अभियान अब माफिया राज के खात्मे की ओर एक निर्णायक कदम माना जा रहा है। संदेश साफ है – अपराध का रास्ता अब सिर्फ जेल और जब्ती की ओर जाता है, न कि रुतबे और सुरक्षा की ओर।

संक्षिप्त समाचार

अपहरण के 4 दिन बाद युवक का मिला शव, परिजन ने सड़क जाम किया

नालंदा। नालंदा में 2 अगस्त से लापता युवक की लाश गांव से 2 किमी दूर धनायन नदी से बुधवार शाम 6 बजे मिली। परिजन ने 3 अगस्त को अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। चार लोगों को आरोपी बनाया गया था। परिजन ने पुलिस पर आरोप लगाया कि अधिकारी ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। विरोध में परिजन और ग्रामीणों ने लाश को रखकर सड़क जाम कर दिया है। मौके पर सरमेरा थाना समेत 4 थानों की पुलिस पहुंची है। आक्रोशित लोग अस्थावां थाने की गाड़ी पर चढ़ गए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर रहे। मृतक की पहचान सरमेरा थाना क्षेत्र के गौसनगर निवासी रघुनंदन प्रसाद का बेटा गिरबल कुमार (24) है। गिरबल की गर्दन रेती हुई मिली और शरीर पर कई जगह जख्म के निशान भी मिले हैं। मामला सरमेरा थाना क्षेत्र के बिहटा-सरमेरा रोड गोपालबाद के पास का है। मृतक की बहन रानी सिन्हा ने बताया कि शनिवार रात 10 बजे भाई को कॉल किया था। उसके बाद से उससे बात नहीं हुई। गिरबल के मोबाइल का लोकेशन ट्रेस कराया तो गांव के बगल में लोकेशन मिला। जिसके बाद उसका लोकेशन ऑफ हो गया। अगर समय रहते पुलिस कार्रवाई करती तो शायद गिरबल का शव पहले ही मिल जाता, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की जिसके कारण गिरबल का अपहरण कर हत्या कर दी गई है।

गयाजी पितृपक्ष मेले को राष्ट्रीय मेला घोषित करने की मांग, बीजेपी नेताओं ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री को भेजा ईमेल

गयाजी। गयाजी के ऐतिहासिक और धार्मिक पितृपक्ष मेले को राष्ट्रीय मेला घोषित करने की मांग तेज हो गई है। इस संबंध में बीजेपी नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा, अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद और संतोष ठाकुर ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को ईमेल के जरिए मांग पत्र भेजा है। मांग पत्र में लिखा, 'पितृपक्ष मेला केवल बिहार का नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्वभर के हिंदू श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा हुआ है। यह मेला हर साल भाद्रपद पूर्णिमा से अमावस्या तक 17 दिनों तक चलता है। इसमें देश-विदेश से लाखों लोग अपने पितरों के मोक्ष निमित पिंडदान करने गया पहुंचते हैं। गयाजी को भगवान विष्णु की नगरी माना जाता है। विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी, ब्रह्मयोनि, प्रेतशिला, सीता कुंड जैसी 54 वेदियों पर श्राद्धकर्म संपन्न होते हैं। यह परंपरा हजारों वर्षों से चली आ रही है और भारतीय संस्कृति की आत्मा है। डॉ. मनीष मिश्रा ने कहा, 'राष्ट्रीय मेला का दर्जा मिलने से गयाजी में धार्मिक पर्यटन को नई पहचान मिलेगी। साथ ही आने वाले श्रद्धालुओं को सरकार की ओर से बेहतर सुविधाएं, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और रहने की व्यवस्था मिल सकेगी।' गौरतलब है कि यह मेला राजकीय मेला के तहत आता है। बिहार सरकार इस मेले को सफल बनाने के लिए सभी स्तर से हर संभव कोशिश करती है। यही वजह है कि मेले में आनेवाले तीर्थ यात्रियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पितृपक्ष में पिछले वर्ष 15 लाख श्रद्धालु देश विदेश से आए थे।

नालंदा में बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा मौका, जॉब कैंप में 20 शिक्षक पदों पर होगी भर्ती

नालंदा। बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग की ओर से बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर दिए जाएंगे। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 12 अगस्त को नालंदा में एक रोजगार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक संयुक्त श्रम भवन जिला नियोजनालय नालंदा, ब्लॉक कैंपस बिहारशरीफ में संपन्न होगा। रोजगार शिविर में प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान एएम फाउंडेशन की फ्रीडम एम्पलॉयबिलीटी एकेडमी भाग ले रही है। संस्थान की ओर से शिक्षा सेवक (Teaching Staff) के पद पर कुल 20 रिक्त पदों की भर्ती की जाएगी। नियुक्ति पाने वाले उम्मीदवारों को हर महीने 12,940 रुपए का वेतन मिलेगा। साथ ही अन्य सुविधाएं भी दी जाएगी। इन पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की उम्र 18 से 45 साल के बीच होनी चाहिए। न्यूनतम योग्यता स्नातक निर्धारित की गई है। कार्यस्थल नालंदा में ही होगा, जो स्थानीय युवाओं के लिए एक सुविधाजनक अवसर है। विशेष बात यह है कि इस रोजगार शिविर में भाग लेने वाले नियोजक निजी क्षेत्र से हैं। इसलिए नियुक्ति की शर्तें और नियम निजी संस्थान की ओर से ही निर्धारित किए जाएंगे। जिला नियोजनालय इस पूरी प्रक्रिया में केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाएगा। यह रोजगार शिविर उन युवाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो शिक्षा क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। फ्रीडम एम्पलॉयबिलीटी एकेडमी एक प्रतिष्ठित संस्थान है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए जानी जाती है। इस संस्थान में काम करना न केवल आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगा बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में व्यवसायिक विकास के अवसर भी उपलब्ध कराएगा।

संदिग्ध हालत में महिला की मौत, भाई बोला- बहनोई का दूसरी लड़की से अफेयर चल रहा है

नालंदा। नालंदा में संदिग्ध हालत में एक महिला की मौत हो गई। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान गोविंदा कुमार की पत्नी सुषमा कुमारी(21) के तौर पर हुई है। साल 2022 में शादी हुई थी। 2 बच्चे हैं। एक डेढ़ साल की बेटी और 6 महीने का बेटा है। मामला दीपनगर थाना क्षेत्र के गंगा बीघा गांव की है। मृतका के भाई विक्की कुमार ने बताया कि बहनोई गोविंदा का दूसरी लड़की से अफेयर चल रहा था। 2 लाख रुपए दहेज की डिमांड कर रहे थे। नहीं देने पर गला दबाकर मार डाला। आत्महत्या बताने के लिए फांसी पर लटका दिया। बुधवार रात को सुषमा के ससुराल वालों ने फोन करके कहा था कि उसने फांसी लगा ली है। जब घटनास्थल पर पहुंचा तो शव नीचे फर्श पर रखा हुआ था। कमरे में लाठी और बेल्ट पड़ा था। बेड पर तार रखा हुआ था। मारपीट के बाद मेरी बहन को मार डाला। पीठ पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस पर भी लापरवाही का आरोप लगा है। विक्की ने कहा कि सूचना देने के बाद भी पुलिस नहीं पहुंची। कहा कि पहले शव को जलाकर आओ, उसके बाद मामले की तहकीकात करेंगे। वहीं, दीपनगर थानाध्यक्ष जितेंद्र राम ने बताया कि फांसी लगाकर आत्महत्या की बात सामने आ रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है।

एशिया रग्बी चैंपियनशिप के लिए राजगीर तैयार, 8 अगस्त को होगा भव्य शुभारंभ

नालंदा। बिहार के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। ऐतिहासिक नगरी राजगीर में पहली बार 'एशिया रग्बी (अंडर-20) चैंपियनशिप-2025' का आयोजन किया जा रहा है। 2 दिवसीय प्रतियोगिता की शुरुआत 9 अगस्त को होगी, समापन 10 अगस्त को होगा। प्रतियोगिता में भारत सहित चीन, संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया और नेपाल समेत 9 देशों के खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं। 8 पुरुष और 8 महिला टीमों के बीच रोमांचक मुकाबल देखने को मिलेगा। विशेष बात यह है कि एशिया के 32 रग्बी खेलने वाले देशों में से केवल शीर्ष 8 रैंकिंग वाली टीमें ही इस चैंपियनशिप में भाग लेती हैं। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए खिलाड़ियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। 8 अगस्त को राजगीर खेल परिसर के कबड्डी हॉल में भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। जारी शेड्यूल के अनुसार पहले दिन यानी 9 अगस्त को कुल 24 मुकाबले खेले जाएंगे। दूसरे दिन 10 अगस्त को सुबह 10 बजे से सेमीफाइनल, फाइनल और स्थान निर्धारण के लिए कुल 16 मैच आयोजित होंगे। इस महत्वाकांक्षी आयोजन के लिए राज्य मंत्रिपरिषद की ओर से 19 मार्च 2025 को 4.08 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। सभी टीमें राजगीर में ही ठहरेंगी, जिससे स्थानीय संस्कृति और रग्बी का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारतीय टीमों को कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। पुरुष वर्ग में भारत को पूल ए में रखा गया है। पहला मुकाबला संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से होगा। महिला वर्ग में भारत पूल डी में है। उनका पहला सामना कजाकिस्तान की मजबूत टीम से होगा। पूल मैचों में दोनों टीमों को तीन-तीन मुकाबले खेलने होंगे। जिसमें हर मैच का महत्व अंतिम चरण में पहुंचने के लिए अत्यधिक होगा। भारतीय टीमों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है।

हर संकल्प होगा साकार, जब आएगी तेजस्वी सरकार : सुनील कुमार

पूर्व मंत्री रामनरेश पासवान के पुत्र ने कहा विधायक बनकर वेतन भी करेंगे जनता के नाम

निज संवाददाता। फतेहपुर (गयाजी)

राजद नेता और पूर्व विधि एवं निबंधन मंत्री रामनरेश पासवान के पुत्र सुनील कुमार ने फतेहपुर प्रेस कान्फ्रेंस आयोजित कर कहा है कि अगर जनता उन्हें आशीर्वाद देती है और विधायक बनाती है। तो वह अपने वेतन को भी जनता के बीच बांटने का काम करेंगे। वे क्षेत्र के विकास के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। बीते छह माह से लगातार जनसंपर्क अभियान में जुटे हुए हैं। जिसमें वे 275 गांवों का भ्रमण कर चुके हैं। सुनील कुमार ने आगे कहा कि राजनीति त्याग और सेवा का माध्यम होती है। वे इसी भावना के साथ चुनावी मैदान में हैं। कृषि क्षेत्र पहली प्राथमिकता होगी। अपनी मिट्टी, अपना बीज का नारा देकर उन्होंने खेती को उद्योग के रूप में विकसित करने की बात कही। बीजेपी और जदयू पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे केवल बेरोजगारी हटाने की बात करते हैं, लेकिन यह नहीं बताते कि कैसे हटाएंगे। उन्होंने दावा किया कि अगर वे विधायक बनते हैं तो किसी को पटना जाने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि उनका कार्यालय जनता के बीच, यहीं पर होगा।

उन्होंने कहा कि शिक्षा और रोजगार आज की सबसे बड़ी समस्याएं हैं और वे इसके समाधान के लिए ठोस प्रयास करेंगे। क्षेत्र में "बीज ग्राम" की स्थापना उनकी प्रमुख योजना होगी। सुनील कुमार ने कहा कि वे अपने पिता की विरासत को आगे ले जाने आए हैं। "मेरे पिता रामनरेश पासवान सामाजिक न्याय के सच्चे योद्धा रहे हैं। राजद इसी विचारधारा की पार्टी है। मैं उसका सच्चा सिपाही हूं। अगर पार्टी टिकट देती है तो जनता की सेवा करूंगा, और यदि टिकट नहीं भी मिला तो भी जनता का निर्णय मेरे लिए सर्वोपरि होगा।" प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि वे घोषणाओं से नहीं, काम से भरोसा दिलाएंगे। उनके अनुसार, राजद केवल वादे नहीं करता, बल्कि विकास में विश्वास रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह मानवता के आधार पर लोगों की मदद कर रहे हैं और यह सेवा भविष्य में भी जारी रहेगी। मौके पर कृष्णदेव यादव, राजू यादव सहित दर्जनों राजद के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गया जी में हम ने 4 प्रवक्ता की घोषणा की

जिला अध्यक्ष नारायण प्रसाद मांझी बोले- संगठन को मजबूत बनाएगी टीम

निज संवाददाता। गयाजी

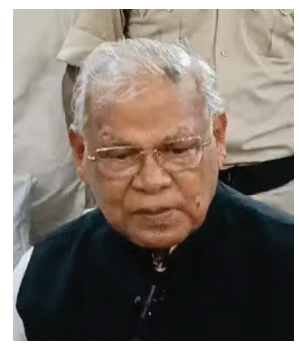

हिन्दूस्तानी आवाम मोर्चा (से०) की गया इकाई ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाया है। जिले के चार प्रवक्ताओं की घोषणा की गई है। यह सूची जिला अध्यक्ष नारायण प्रसाद मांझी की ओर से जारी की गई है। जारी सूची के अनुसार दिवाकर सिंह (ग्राम- खरहरी, मानपुर, गया), सुधीर यादव (ग्राम- छोटकी पड़रिया, प्रखंड- बोधगया), रामस्नेही मांझी (ग्राम- मऊ, प्रखंड- टेकारी), और सुषमा कुमारी (ग्राम- लखनपुरा, चौदछौर, गया) को जिला प्रवक्ता के रूप में चुना गया है। इन सभी प्रवक्ताओं को उनके सक्रिय सामाजिक योगदान, संगठन के प्रति निष्ठा और जनसमस्याओं की प्रभावी अभिव्यक्ति की क्षमता के आधार पर चुना गया है।

संगठन को मजबूत बनाएगी टीमः इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नारायण प्रसाद मांझी ने कहा कि प्रवक्ताओं की यह टीम पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेगी। टीम संगठन को मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि गया में पार्टी को और अधिक सक्रिय बनाने के लिए यह निर्णय महत्वपूर्ण है। पार्टी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इन नियुक्तियों से कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है और संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक गति मिलेगी। अध्यक्ष ने सभी नव-नियुक्त प्रवक्ताओं को बधाई देते हुए संगठन की मर्यादा में रह कर काम करने की अपेक्षा की है। सभी नव मनोनीत प्रवक्ताओं को कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है।

नालंदा की बेटी अल्पना एशिया रग्बी चैंपियनशिप में लेगी भाग, किसान की बेटी ने बनाई अपनी अलग पहचान

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा के सिलाव प्रखंड के धरहरा गांव की बेटी अल्पना इंडियन रग्बी टीम की सदस्य है। एक किसान की बेटी से लेकर भारतीय महिला रग्बी टीम की सदस्य तक का यह सफर न केवल उसके लिए गर्व की बात है, बल्कि पूरे बिहार के लिए ये गर्व की बात है। अल्पना आज भारतीय महिला रग्बी टीम का अहम हिस्सा है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर रही है। तेज तर्रार खिलाड़ी के रूप में पहचान बना चुकी अल्पना का चयन आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए हुआ है, जिससे उसके गांव धरहरा में खुशी का माहौल है। अल्पना 9 अगस्त से राजगीर खेल परिसर में होने वाले एशियाई रग्बी अंडर 20 चैंपियनशिप 2025 में भी भारतीय टीम में शामिल है। अल्पना के अलावा बिहार के महिला टीम में आरती, अंशु व गुरिया है। जबकि पुरुष टीम में गोल्डन और सागर शामिल है।

ताइवान से शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय सफरः अल्पना का अंतरराष्ट्रीय करियर पिछले साल एक महत्वपूर्ण मुकाम पर पहुंचा, जब उसने ताइवान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय रग्बी प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस प्रतियोगिता में उसके प्रदर्शन ने न केवल कोचों को प्रभावित किया बल्कि उसे भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए भी मजबूत दावेदार बना दिया। अल्पना के प्रारंभिक कोच और धरहरा स्कूल के शिक्षक भावेश कुमार ने उसकी यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि अल्पना ने धरहरा मिडिल व हाई स्कूल में अपनी पढ़ाई पूरी की है और अभी नालंदा कॉलेज में इंटरमीडिएट की स्टूडेंट है। उसके पिता संजय कुमार एक मेहनती किसान हैं, जिन्होंने हमेशा अपनी बेटी के सपनों का साथ दिया है।

मिडिल स्कूल से शुरू हुआ रग्बी प्रेमः अल्पना की रग्बी यात्रा का आरंभ काफी दिलचस्प है। मिडिल स्कूल में पढ़ाई के दौरान ही उसका झुकाव इस खेल की तरफ हुआ। शुरुआती प्रशिक्षण उसे अपने ही स्कूल में मिला। जहां शिक्षक भावेश कुमार ने उसकी प्रतिभा को पहचाना और उसे तराशने का काम किया। मूल रूप से अंडर-18 उम्र वर्ग की खिलाड़ी अल्पना के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए उसे अंडर-20 टीम में शामिल किया गया है। यह उसकी क्षमता और कड़ी मेहनत का प्रमाण है कि एक छोटी उम्र में ही उसे बड़ी श्रेणी में खेलने का मौका मिला।

खिलाड़ी ने खो-खो में भी राष्ट्रीय स्तर पर खेलाः अल्पना की खेल प्रतिभा केवल रग्बी तक सीमित नहीं है। वह एक बहुमुखी प्रतिभा की धनी खिलाड़ी है, जिसने रग्बी के अलावा एथलेटिक्स और खो-खो में भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। अंडर-18 श्रेणी में उसने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया है और अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है।

फिलहाल अल्पना कोलकाता के प्रतिष्ठित साईं सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्कर रही है। यहां देश के बेहतरीन कोचों के मार्गदर्शन में वह अपने कौशल को और भी निखार रही है। धरहरा गांव के लोगों के लिए अल्पना का चयन गर्व की बात है। गांव के बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक सभी उससे अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद लगाए बैठे हैं। गांव वाले अब बेताबी से इंतजार कर रहे हैं कि वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी बेटी को खेलते हुए देख सकें वो भी अपने जिले में।

प्रेम विवाह के एक साल बाद पत्नी की हत्या

निज संवाददाता। गयाजी

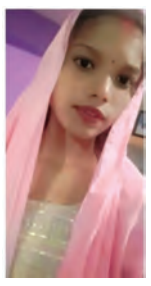

प्रेम विवाह के एक साल बाद युवक द्वारा पत्नी की हत्या कर शव जला दिये जाने का मामला प्रकाश में आया है। मामले को लेकर टिकारी थाना में विवाहिता के स्वजनों ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। समस्तीपुर जिला के शाहपुर पटोरी थानाक्षेत्र के जौनापुर ग्राम के रहने वाले विवाहिता के पिता पप्पू महतो ने शिकायत दर्ज कराई है। पप्पू महतो द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया है कि सोशल मीडिया के माध्यम से उनकी पुत्री निशा कुमारी का प्रेम प्रसंग टिकारी थाना क्षेत्र के सिंघापुर ग्राम निवासी स्व अवधेश पासवान के पुत्र रवि कुमार पासवान से हुआ था। जिसके उपरान्त निशा व रवि का विवाह परिवार की सहमति से वर्ष 2024 के मई माह में हुआ था। विगत सोमवार को निशा के ससुराल वालों ने सूचना दी कि गिर जाने के कारण घायल हुए निशा की मौत अस्पताल में हो गई। निशा के स्वजनों ने शव रखने की बात कही व पहुंचने की बात कही लेकिन ससुराल वालों ने दाह संस्कार कर दिये जाने की बात कही। बुधवार की सुबह टिकारी पहुंचे निशा के स्वजनों ने रवि पासवान व रवि के घर के तीन लोगों को आरोपी बनाते हुए हत्या के शव जला दिये जाने की शिकायत दर्ज कराई है। टिकारी एसएचओ चंद्रशेखर कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

मानपुर पटवा टोली मे 11वीं राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस मनाया गया

निज संवाददाता। गयाजी

मानपुर वार्ड संख्या 49 स्थित पटवा टोली पेहानी एक निजी आवास मे 11वां राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस प्रेम प्राथमिक बुनकर सहयोग समिति लिमिटेड के बैनर तले मनाया गया। इस अवसर पर भारत सरकार, और बिहार सरकार द्वारा मानपुर प्रखंड स्थित बुनकरों द्वारा मांग एवं सुझाव पत्र भी रखा गया।

जो मांगे इस तरह है। मानपुर पटवा टोली मिनी मैनचेस्टर के रूप में विख्यात है बुनकर नगरी मानपुर पटवा टोली के सूती वस्त्र उत्पादन घरेलू कुटीर उद्योग के उत्थान व विकास के लिए अतिरिक्त औद्योगिक परिषद टेक्सटाइल पार्क छोटे-छोटे 200 उद्यमी के लिए 15 एकड़ अतिरिक्त उद्योग स्थापना के लिए आधारभूत संरचना बाउंड्री रोड नाला बिजली पानी थाना सुरक्षा एवं ईटीपी प्लांट डिंग हाउस प्रिंटिंग मशीन सेटेलाइट्स अत्याधुनिक मशीन, सूती वस्त्र उत्पादन उद्योग में प्रयोग होने वाला कच्चा माल सूती धागा का उत्पादन करीब 50 हजार के.जी प्रतिदिन खपत है इसके लिए ओपन एंड स्पिनिंग मिल की स्थापना हब औद्योगिक विकास के लिए अति आवश्यक है, CDP कलक्टर में अत्याधुनिक मशीनें अनुदान में मिले, पावर लूम विकास के लिए पावर लूम सर्विस सेंटर की स्थापना अति आवश्यक है, बड़े पैमाने पर बुनकर कामगार क्यों चिकित्सा सुविधा के लिए सुपर बुनकर हॉस्पिटल की निर्माण की अति आवश्यकता है , हैंडलूम बुनकरों को यूआईडी उत्कीर्ण कार्यशील पूंजी के लिए 15000 / जाए जो प्रतिवर्ष मिले, बुनकर वृद्धा पेंशन योजना के अंतर्गत हस्तकार का बुनकरों को 3000/ प्रति महीना मुहैया कराया जाए।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा संख्याः– सीआरडब्ल्यू–एचआरटी–एम–आईपी–वीएसएस–25–26 दिनांक 05.08.2025

उप–मुख्य यांत्रिक अभियंता, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत के द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **1. कार्य का नाम एवं स्थानः** सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत में एलएचबी एसी, एलएचबी नॉन एसी, एलएचबी एलएस, आईसीएफ एसी, आईसीएफ नॉन एसी एवं आईसीएफ जीएस कोचों में आईपी आधारित विडियो निगरानी प्रणाली (वीएसएस) का रेट्रो–फिटमेंट हेतु निविदा। **2. कार्य के लिए प्रक्कलित राशिः** रु० 11,81,61,043.55 (रुपये ग्यारह करोड़ इक्यासी लाख इकसठ हजार तैंतालीस और पचपन पैसे मात्र) **3. निविदा प्रपत्र की राशिः** शून्य। **4. अग्रधन की राशिः** रु. 7,40,800.00 (रुपये सात लाख चालीस हजार आठ सौ मात्र) **5. निविदा कागजात जमा करने की एवं निविदा खुलने की तिथि एवं समयः** निविदा ऑनलाइन https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर प्रस्तुत की जानी है। निविदादाताओ द्वारा निर्धारित तिथि 28/08/2025 को 11:00 बजे तक निविदा प्रस्तुत कर दिया जाय एवं उसी दिन 11:15 बजे निविदा खोली जाएगी। **6. वेबसाईट का विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा का पूर्ण विवरण इत्यादी देखा जा सकता हैः** निविदा सूचना पात्रता मानदंड एवं निविदा प्रलेख क्रिस के वेबसाईट CRIS website: https://www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है, एवं सूचना की पूर्ण जानकारी के लिए मुख्य कारखाना प्रबंधक का कार्यालय, प्रशासनिक भवन, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत, नालंदा, बिहार–803110 के नोटिस बोर्ड में देखे। यदि जरुरी हुआ तो शुद्धि पत्र वेबसाईट पर अपलोड होगा।

उप–मुख्य यांत्रिक अभियंता–II
सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से
पीआर/0728/एचआरटी/यां./टी/25–26/56

गयाजी में 8 लाख रुपए के लिए युवक का अपहरण, जंगल से 12 घंटे के अंदर बरामदगी

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी के इमामगंज पुलिस अनुमंडल में फिरौती के लिए युवक का अपहरण हुआ। 8 लाख रुपए की फिरौती के लिए अगवा किए गए युवक तब्बू खान (28) को पुलिस ने 12 घंटे के अंदर सकुशल बरामद कर लिया है। इमामगंज, भदवर, मैगरा व कोठी थाना की पुलिस ने मिल कर मिलकर इसे बरामद करने की कोशिश की। युवक को कोठी थाना क्षेत्र से अपहृत किया गया। इमामगंज के नगरी पुल के पास जंगल से इसे बरामद कर लिया गया। इस बात की जानकारी इमामगंज डीएसपी कमलेश कुमार ने दी। घटना बुधवार शाम करीब 5 बजे की है। तब्बू खान शमशाबाद से अपने घर कोठी थाना क्षेत्र जा रहा था। इसी दौरान बदिया मोड़ के पास अपहरणकर्ताओं ने उसे अगवा कर लिया। आंख और मुंह पर गमछा बांध दिया गया, जिससे युवक को यह भी पता नहीं चल सका कि उसे कहां ले जाया जा रहा है।

बदमाशों ने युवक के साथ की मारपीटः अपहरणकर्ताओं ने पहले उसे मगरा थाना क्षेत्र के सेवर के जंगल में छिपाया। बाद में पुलिस की सक्रियता देखकर वे उसे चक्कर बांध थाना क्षेत्र के पिछोरिया जंगल में ले गए। इस बीच अपहरणकर्ताओं ने अपहृत युवक के साथ जमकर मारपीट की और टार्चर भी किया। पिछोरिया जंगल इलाका काफी दुर्गम और चुनौतीपूर्ण माना जाता है। युवक तब्बू ने बताया कि पुलिस अगर काम नहीं करती, तो आज मैं जिंदा नहीं रहता। मेरे चेहरे पर गमछा बांध दिया था मुझे नहीं पता था कि मुझे कहां ले जा रहे है। मेरी पहले से किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। डीएसपी ने बताया कि रात में अपहरणकर्ताओं ने युवक के एक साथी को फोन कर 8 लाख रुपए की फिरौती की मांग रखी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मोबाइल ट्रैकिंग शुरू की और पूरे इलाकों में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया। दबाव बढ़ते देख अपहरणकर्ता युवक को इमामगंज की ओर छोड़कर भाग निकले।

9 नामजद लोगों के खिलाफ केस दर्जः इमामगंज थाना क्षेत्र के नगरी पुल के पास पुलिस ने तब्बू को अकेले खड़ा पाया और तुरंत उसे थाना ले आई। पुलिस ने इस मामले में 9 नामजद लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। हालांकि अपहरण की असली वजह अभी सामने नहीं आई है। युवक ने कुछ अपहरणकर्ताओं की पहचान की है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर एसडीओ मनीष कुमार ने की बैठक

निज संवाददाता। शेरघाटी

स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को अनुमंडल कार्यालय में बैठक हुई। इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि पूर्व की तरह मुख्य समारोह स्थल रंगलाल खेल परिसर में स्कूली बच्चों का पीटी परेड का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार के द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। कार्यक्रम में अनुमंडल के सारे पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सह सहायक पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह और अनुमंडल पदाधिकारी संयुक्त रूप से ध्वजारोहण स्थल का निरीक्षण करेंगे। इस बीच सभी सरकारी विभाग के अपने अपने कार्य से जुड़े संबंधित बैनर लगाए जाएंगे। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि पूर्व की भांति स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज में रचनात्मक कार्य करने वाले को सम्मानित किया जाएगा। ध्वजारोहण के दौरान मेडिकल टीम, अग्निशमन विभाग अपनी टीम के साथ उपस्थित रहेंगे। बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी संतोष कुमार, बीडीओ स्नेहिल आनंद, निर्वाचन पदाधिकारी रंजय कुमार, कलाकार इमरान अली, प्रधानाध्यापक राजकुमार सिंह, रंगलाल के एनसीसी शिक्षक शबाब खान, जय कुमार गिरि, थानाध्यक्ष आमस, शेरघाटी, मनरेगा अधिकारी सुजीत सिन्हा आदि मौजूद रहे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

काव नदी के पास देसी शराब के साथ एक गिरफ्तार

बिक्रमगंज (रोहतास) (नि. सं.)। नगर क्षेत्र अंतर्गत काव नदी के समीप पुलिस ने 10 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान काव नदी निवासी इंदल राम के पुत्र सूरज कुमार के रूप में की गई है। उसके पास से एक लूना बाइक भी बरामद की गई है, जिसका उपयोग वह अवैध शराब की तस्करी में कर रहा था। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने सूरज कुमार को शराब के साथ रंगेहाथ धर दबोचा। आरोपी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है, ताकि शराब के स्रोत और उसके नेटवर्क का भी खुलासा किया जा सके।

जन संवाद कार्यक्रम हेतु व्यापक तैयारियां पूर्ण

नवादा (नि.सं.)। प्रभारी जिला पदाधिकारी-सह-उप विकास आयुक्त, नवादा प्रियंका रानी की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के अंतर्गत जन संवाद से संबंधित बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत राज्य के पंजीकृत घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 01 जुलाई 2025 से प्रतिमाह 125 यूनिट तक की विद्युत खपत पर कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस योजना के सफल कार्यान्वयन हेतु माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सरकार की अध्यक्षता में दिनांक 12 अगस्त 2025 को एक भव्य जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रभारी जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम की सफलता के लिए नवादा जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित की जाएं। पूर्व तैयारियों के संबंध में विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर/रजौली को विधि-व्यवस्था संधारण की जिम्मेदारी दी गई है। प्रखंड विकास पदाधिकारी को चयनित स्थल का स्थलीय सत्यापन, मार्ग की सुगमता, स्थल पर समुचित सफाई व्यवस्था, 500 विद्युत उपभोक्ताओं के बैठने की व्यवस्था, शस्त्र बल एवं पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती, चिकित्सा सुविधा, पेयजल, शौचालय तथा इंटरनेट कनेक्टिविटी की पुष्टि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, नवादा को पेयजल और शौचालय, विशेषकर महिलाओं हेतु चलंत शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। नगर परिषद (नवादा, वारिसलीगंज, हिसुआ, रजौली) के कार्यपालक पदाधिकारियों को चयनित स्थल पर व्यापक साफ-सफाई की जिम्मेदारी दी गई है। प्रभारी जिला पदाधिकारी ने सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि वे सभी चयनित स्थलों पर एम्बुलेंस, जीवन रक्षक दवाओं सहित चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करें। डीआईओ को इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। यह जन संवाद कार्यक्रम न केवल उपभोक्ताओं को मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना की जानकारी देने का माध्यम बनेगा, बल्कि उनकी सहभागिता से इस योजना को जमीनी स्तर पर सफल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी सिद्ध होगा। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर अमित अनुराग, गोपनीय शाखा प्रभारी राजीव कुमार, निदेशक डीआरडीए धीरज कुमार, कार्यपालक अभियंता विद्युत (नवादा सदर) अनिल कुमार भारती, कार्यपालक अभियंता विद्युत (रजौली) सुनील कुमार, विद्युत अधीक्षण अभियंता सुशील कुमार, सूचना एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधन (विद्युत) अजीत कुमार, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनमण्डल पदाधिकारी, रजौली, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी जुड़े थे।

पीडब्ल्यूडी मतदाताओं को लेकर विशेष बैठक

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निदेश के आलोक में आज दिनांक 06.08.2025 को जिला पदाधिकारी, रोहतास की अध्यक्षता में District Monitaring Committtee on Accessible Election (DMCAE) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य PwDs निर्वाचकों के बीच पंजीकरण, सक्षम ऐप, PwDs Marking, मतदान केन्द्र में उपलब्ध सुविधाएँ तथा मतदान तिथि को उपलब्ध होने वाली सुविधाओं के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना है। उल्लेखनीय है कि रोहतास जिला के सभी 2692 मतदान केन्द्र भूतल पर अवस्थित है, जहां सभी न्यूनतम आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। रोहतास जिला में दृष्टिबाधित निर्वाचकों की संख्या 9651 चलित बाधित 23720 श्रवण बाधित 3995 तथा अन्य 8721 निर्वाचक पंजीकृत हैं। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशनुसार अर्हता तिथि 01.07.2025 के आधार पर संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य (योग्य मतदाता छुटे नहीं, अयोग्य मतदाता बचे नहीं) के अनुपालन हेतु सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि HZH सर्वेक्षण के दौरान सभी अपंजीकृत PwDs का पंजीकरण सुनिश्चित करायें, साथ हीं यदि कोई PWDs निर्वाचक स्वयं को PwDs मार्क नहीं कर सका है तो उसकी मार्किंग सुनिश्चित करायें साथ हीं सक्षम ऐप के बारे में उन्हें अवगत करायें। सक्षम ऐप के द्वारा कोई व्यक्ति परिवर्द्धन, विलोपन, संशोधन, PWD मार्किंग कर सकतें हैं साथ हीं मतदान केन्द्र के संबंध में, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के संबंध में सूचना प्राप्त कर सकते हैं एवं पंजीकरण तथा मतदान के संबंध में शिकायत सुझाव भी दे सकते हैं साथ हीं मतदान दिवस को मिलने वाली सुविधाओं के लिए अनुरोध कर सकते हैं। मतदान दिवस को PwD निर्वाचकों के लिए Pick & Drop Facitlity, Wheel Chair, BU में Brail Incription, Attendent की सुविधा, Ramp, Drinking Water, PwDs toilet, तथा बिना लाईन के मतदान की सुविधा (Green Chanel) उपलब्ध कराई जाती है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सिविल सर्जन को आवेदन प्राप्त होते हीं विकलांगता प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु निदेशित किया गया। इस बैठक में उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, सहायक निदेशक, दिव्यांग जन, उप निर्वाचन पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

बिक्रमगंज में हत्या, रंगदारी और भूमि विवाद के चार आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता | बिक्रमगंज (रोहतास)

पुलिस ने अलग-अलग मामलों में तीन बड़ी कार्रवाइयों को अंजाम देते हुए हत्या,रंगदारी मांगने और भूमि विवाद को लेकर झगड़ा करने के मामलों में कुल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। **हत्या के मामले में वर्षों से फरार अभियुक्त गिरफ्तार :** कांड संख्या 174/20 के तहत दर्ज दहेज हत्या (धारा 304बी) के मामले में पुलिस ने भोजपुर जिले के तरारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम करथ निवासी निशांत कुमार उर्फ मुन्ना उर्फ हरेराम को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी वर्तमान में दक्षिणी आस्कामिनी नगर बिक्रमगंज में रहता है। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ के उपरांत जेल भेज दिया। **रंगदारी मांगने का आरोपी पटना से गिरफ्तार:** एक अन्य कार्रवाई में बिक्रमगंज थाना कांड संख्या 529/25 के तहत रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने सारण जिले के छोटका तेलपा निवासी रजनीश कुमार उपाध्याय को तकनीकी लोकेशन के आधार पर पटना से गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना गुनाह स्वीकार कर लिया। इसके बाद उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत बिक्रमगंज थाने लाकर पूछताछ के उपरांत न्यायालय भेज दिया गया। **भूमि विवाद को लेकर झगड़ा : दो गिरफ्तार :** वहीं भूमि विवाद को लेकर झगड़ा करने के मामले में पुलिस ने कांड संख्या 168/25 के तहत डिहरा निवासी निर्मल कुमार सिंह एवं देवेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों को आवश्यक पूछताछ के बाद एसडीएम कोर्ट बिक्रमगंज भेज दिया गया है।

राखी प्रतियोगिता का आयोजन

बिक्रमगंज (रोहतास) (नि. सं.)। शहर के द डिवाइन प्राइमरी स्कूल में रक्षाबंधन के अवसर पर राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 5 से 8 तक की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों की रचनात्मकता और सांस्कृतिक भावना देखते ही बन रही थी। सभी छात्राओं ने बड़े उत्साह से विभिन्न प्रकार की आकर्षक और कलात्मक राखियां तैयार की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं में सोनी कुमारी (कक्षा 8) ने प्रथम, समृद्धि कुमारी (कक्षा 6) ने द्वितीय और आयुषी कुमारी (कक्षा 7) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्राओं को विद्यालय के प्रबंधक कमलेश कुमार द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कमलेश कुमार ने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाती हैं। हमें गर्व है कि हमारे विद्यालय की छात्राएं न सिर्फ शिक्षा में बल्कि सांस्कृतिक गतिविधियों में भी आगे हैं।

जदयू ने बीएलए-2 को दिया प्रशिक्षण

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

सासाराम के कुशवाहा भवन के सभागार में जनता दल यूनाइटेड के तत्वाधान में बी.एल. ए.-2 का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पटना से आए हुए पार्टी के वरीय नेता जयप्रकाश चंद्रवंशी उपस्थित हुए तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जनता दल यूनाइटेड रोहतास के जिला अध्यक्ष अजय सिंह कुशवाहा सासाराम के पूर्व विधायक डॉ अशोक कुमार तथा महिला आयोग की सदस्या राजिया कामिल अंसारी उपस्थित हुई। बैठक की अध्यक्षता सिकंजय सिंह ने तथा संचालन विनोद कुशवाहा ने किया। इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सासाराम विधानसभा क्षेत्र के सभी बी.एल. ओ.-2 को बिहार सरकार तथा चुनाव आयोग के नीतियों और नियमों की जानकारी देना तथा उन्हें फर्जी वोटरों से सावधान करने के लिए किया गया था। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जयप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि पार्टी का यह सिद्धांत है की एक भी सही वीटर न छूटे और एक भी फर्जी वोटर न जुटे। हम सभी को इसी सिद्धांत के तहत काम करना है और आने वाले विधानसभा चुनाव में भारी मतो के अंतर से पार्टी के प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करनी है। बैठक को संबोधित करते हुए सासाराम के पूर्व विधायक डॉ अशोक कुमार ने कहा कि बड़ी संख्या में फर्जी वोटरों का पता चला है और उन्हें हटाकर वोटर लिस्ट को दुरुस्त भी किया गया है लेकिन अभी भी वोटर लिस्ट में बहुत सी अशुद्धियां उपस्थित हैं। जब तक वोटर लिस्ट की अशुद्धियों को दूर नहीं किया जाएगा तब तक स्वच्छ और निष्पक्ष मतदान

नारायण केयर के संयोजन में आज राखी उत्सव कार्यक्रम आयोजित

निज संवाददाता | डेहरी (रोहतास)

गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के तत्वावधान में मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए संचालित नारायण केयर के संयोजन में आज राखी उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नारायण केयर में उपचार ले रहे बच्चों के सहयोग से बनाए गए राखियों की प्रदर्शनी लगाई गई तथा उन्हें इसके लिए पुरस्कृत कर उनका मनोबल बढ़ाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मैडम कुलाधिपति शैल सिंह ने बच्चों को पुरस्कृत किया एवं आपस में राखी बंधवा कर एक दूसरे के प्रति स्नेह और लगाव का वातावरण तैयार कर दिया। डॉक्टर अवनीश रंजन, नारायण स्कूल ऑफ़ लॉ की वरीय शिक्षिका डॉक्टर संगीता कुमारी, नारायण मेडिकल कॉलेज की चिकित्सक प्रबंध निदेशक त्रिविक्रम नारायण सिंह समेत कई वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शहर में चलंत शौचालय बने कबाड़ नगर परिषद बना मौन दर्शक

» स्थानीय लोगों का कहना है कि शुरू में इनका उपयोग हुआ था

निज संवाददाता | बिक्रमगंज (रोहतास)

स्वच्छ भारत मिशन के तहत लाखों रुपये की लागत से नगर परिषद द्वारा शहर में चलंत शौचालय (मोबाइल टॉयलेट) की व्यवस्था की गई थी ताकि नागरिकों को खुले में शौच से मुक्ति मिले और स्वच्छता बनी रहे। लेकिन आज यह चलंत शौचालय कबाड़ में तब्दील हो चुके हैं और नगर परिषद पूरी तरह से मौन बनी हुई है। शहर के विभिन्न स्थानों पर लगे ये मोबाइल टॉयलेट जर्जर स्थिति में हैं। कहीं दरवाजे टूटे हुए हैं, तो कहीं अंदर गंदगी का अंबार लगा है। कई शौचालय तो लंबे समय से उपयोग में नहीं लाए गए हैं और उनमें ताले जड़े हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शुरू में इनका उपयोग हुआ था, लेकिन बाद में रखरखाव के अभाव में ये बेकार हो गए। शहरवासियों ने कई बार नगर परिषद से इनकी मरम्मत और सफाई की मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। नगर परिषद की उदासीनता से लोगों में नाराजगी है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई सुविधा अगर इस तरह बर्बाद हो जाएगी, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा।

जिले के सभी अंचलों में राजस्व महाअभियान को लेकर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

निज संवाददाता | नवादा

जिले के सभी अंचलों में राजस्व महाअभियान के अंतर्गत एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजस्व महाअभियान के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। राजस्व महाअभियान का मूल उद्देश्य भूमि से संबंधित अभिलेखों में सुधार, अद्यतन एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करना है, ताकि आमजन को उनके भूमि अधिकारों के प्रति जागरूक और सशक्त बनाया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान दैनिक गतिविधियों, आवेदन प्रक्रिया, फील्ड वेरीफिकेशन, तकनीकी हस्तक्षेप एवं समाधान की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई।

नवादा सदर अंचल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर समाहर्ता, डॉ. अनिल कुमार तिवारी ने विशेष रूप से भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह महाअभियान न केवल एक प्रशासनिक कवायद है, बल्कि यह एक जनोन्मुखी पहल है जिसका उद्देश्य हर घर तक राजस्व सेवाओं की पारदर्शी पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि जमाबंदी की प्रति, पंपलेट एवं आवेदन प्रपत्र घर-घर वितरित किए जाएंगे। प्रत्येक हल्का स्तर पर दो-दो शिविरों का आयोजन कर जनसामान्य से प्राप्त आवेदनों को साक्ष्य के साथ कंप्यूटरीकृत किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित कर्मियों से अपेक्षा की कि वे जमीनी स्तर पर सक्रिय रहकर अभियान को सफल बनाएं और गांवों में पूछे जाने वाले प्रश्नों का सकारात्मक, तथ्यानुकूल एवं संतोषजनक उत्तर देने हेतु तैयार रहें। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को यह निर्देशित किया गया कि वे अन्य विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर त्वरित, पारदर्शी एवं जनहितकारी समाधान सुनिश्चित करें। यह अभियान न केवल राजस्व व्यवस्था को सशक्त करेगा, बल्कि नागरिकों की भूमि संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान भी प्रदान करेगा। इस अवसर पर भूमि सुधार उप समाहर्ता, नवादा, अंचल अधिकारी नवादा सदर, प्रखंड विकास पदाधिकारी नवादा सदर, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी नवादा सदर सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

चेकपोस्ट पर बड़ी कार्रवाई, 100 लीटर से ज्यादा शराब जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

उत्पाद विभाग की टीम ने रजौली के समेकित जांच चौकी पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 100 लीटर से अधिक विदेशी शराब जब्त की है और दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।यह कार्रवाई गुरुवार दोपहर को मद्य निषेध के अवर निरीक्षक प्रवीण कुमार के नेतृत्व में नियमित वाहन जांच के दौरान की गई। टीम ने एक शेवरले योवा कार (रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच 01एक्स 9547 को रोका और उसकी तलाशी ली। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि तस्करों ने कार में एक गुप्त तहखाना बना रखा था, जिसमें शराब छुपाई गई थी। टीम ने इस गुप्त तहखाने का पता लगाकर 100.88 लीटर शराब बरामद की। बरामद शराब में रॉयल स्टैग डीलक्स व्हिस्की 750 एमएल की 24 बोतलें, ऑफिसर्स चॉइस एलीट व्हिस्की 180 एमएल के 216 टेट्रा पैक और बडवाइजर प्रीमियम किंग बीयर 500 एमएल के 88 कैन शामिल हैं,कुल 327 बोतलें बरामद हुईं।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान पटना जिले के दानापुर थाना अंतर्गत नासरीगंज निवासी रामपाल राय के 29 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार और विजय कुमार चौधरी के 27 वर्षीय पुत्र विकास कुमार के रूप में हुई है।पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे यह शराब पश्चिम बंगाल के आसनसोल से खरीदकर खुदरा बिक्री के लिए ले जा रहे थे। उत्पाद अधीक्षक ने कहा कि गिरफ्तार तस्करों के खिलाफ शराब अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्हें शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा। रजौली चेकपोस्ट पर झारखंड की ओर से आने वाले वाहनों की 24 घंटे सघन जांच की जाती है, ताकि अवैध तस्करी को रोका जा सके।

मृतिका के परिजनों से जमुआ मिलने पहुंची ज्योति सिंह

निज संवाददाता | काराकाट (रोहतास)

काराकाट थाना क्षेत्र के जमुआ पेट्रोल पंप पर तीन जून दिन रविवार देर शाम एक अनियंत्रित थार गाड़ी ने चार लोगों को कुचल दिया था। जिसमें जमुआ गांव निवासी पति हृदयानंद पंडित की 47 वर्षीय इंदु देवी की घटना स्थल पर मौत हो गई थी और बच्ची सहित तीन लोग बुरी तरह जख्मी हो गए थे। घायलों में ढाई वर्षीय बच्चा सैफ, 30 वर्षीय सलामुदिन अंसारी जिसके सिर में गंभीर चोट है, 32 वर्षीय सलीम अंसारी जिसका दाहिना पैर फ्रैक्चर हो गया था। भोजपुरी पावर स्टार गायक व अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह मृतिका इंदु देवी के घर पंहुच परिजनों से मिली। ज्योति सिंह अपने बयान में कहा कि इतने बड़े सड़क हादसे का होना बहुत ही दुख की बात है। मैं अभी परिजनों से मिली, तो पता चला कि परिजन बहुत ही गरीब है। सरकार में बैठे लोगों को इस पर ध्यान देना चाहिए और संबंधित हादसें में हृदयानंद पंडित जिसने अपनी पत्नी को खो दिए। उनको उचित मुआवजा दिलाने के लिए प्रशासनिक तौर पर बात करूंगी। इस मामले में काराकाट थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि इस घटना में एफआईआर दर्ज की गई है। जिसमें एक सीओ और बीडीओ द्वारा संयुक्त रूप से सड़क जाम को लेकर, दूसरा मृतिका के परिजनों के द्वारा थार वाहन के मालिक और चालक के विरुद्ध कराया गया है। तीसरा वाहन मालिक के रिश्तेदार द्वारा मारपीट के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिसमें दो लोगों की गिरफ्तारी भी की जा चुकी है।

स्थानीय कला और उत्पादों को मिलेगा बढ़ावा

निज संवाददाता | नवादा

नगर स्थित नगर भवन परिसर में 'आकांक्षा हाट' का भव्य शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन प्रभारी जिला पदाधिकारी-सह-उप विकास आयुक्त, नवादा प्रियंका रानी द्वारा फीता काट कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए उत्पादों के स्टॉलों का अवलोकन भी किया। प्रभारी जिला पदाधिकारी ने बताया कि 'आकांक्षा हाट' एक ऐसा मंच है जहाँ नवादा जिले के स्थानीय हस्तशिल्प, हथकरघा तथा विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य जिले की कला, संस्कृति और कलाकारों को पहचान दिलाना तथा उनके उत्पादों को बढ़ावा देना है। हाट में केवल खरीदारी की सुविधा ही नहीं है, बल्कि विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें आईसीडीएस, बैंकिंग, उद्योग, जीविका, राजस्व आदि विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं, जहां आमजन सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर लाभ उठा सकते हैं। यह 'आकांक्षा हाट' दिनांक 07.08.2025 से 09.08.2025 तक चलेगा। नवादा वासी इस दौरान स्थानीय कलाकारों एवं स्टार्टअप्स द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर उत्पादों को देख एवं खरीद सकते हैं। यह हाट नवादा की सांस्कृतिक विरासत एवं उद्यमिता को एक नई दिशा देने का सराहनीय प्रयास है। इस अवसर पर जिला योजना पदाधिकारी विनय कुमार, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस) निरूपमा शंकर, डीपीएम स्वास्थ्य विभाग अमित कुमार, सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

राजस्व महाअभियान की सफलता को लेकर की जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों को मिला प्रशिक्षण

निज संवाददाता | नरहट (नवादा)

राजस्व महाअभियान का सफल संचालन को लेकर गुरुवार को प्रखण्ड सभा कक्ष में जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान एडीएम अनिल कुमार तिवारी ने बताया कि कार्यान्वयन का चरण 16 अगस्त से 20 सितंबर 2025 के दौरान प्रत्येक राजस्व गांव के लिए गठित दो सदस्य दल घर जाकर जमाबंदी की प्रतियां, आवेदन प्रपत्र वितरित करेंगे। 19 अगस्त से 20 सितंबर 2025 तक पंचायत सरकार भवन या अन्य सरकारी भवनों में हल्का बार सिविल आयोजित किए जाएंगे ताकि गोस्वामियों से भरे हुए आवेदन पर पत्र प्राप्त किया जा सके। हल्के में दो शिविर आयोजित होगी जिनमें कम से कम 7 दोनों का अंतर होगा। उन्होंने बताया कि अनुवर्ती गतिविधियां 21 सितंबर से 30 अक्टूबर 2025 इस अंतिम चरण का लक्ष्य सुनिश्चित करना है कि शिविरों के दौरान प्राप्त सभी आवेदनों का नियमानुसार निपटारा किया जाए। इस मौके पर वरीय प्रभारी श्रम अधीक्षक सुनील कुमार, वीडियो प्रशांत कुमार, प्रभारी सीओ सौरभ सुमन, पीओ जयदेव प्रसाद, बीपीआरओ शिल्पी नेहरू, जनप्रतिनिधि, राजस्व कर्मचारी, अमीन आदि मौजूद थे।

मतदाता सूची आपत्ति को ले सभी बुथ पर बीएलओ द्वारा की गई बैठक

राजपुर (रोहतास) (नि.सं।)। गहन मतदाता पुनरीक्षण उपरांत तैयार हुए मतदाता सूची पर आपत्ति दर्ज करने को ले सभी बीएलओ द्वारा गुरूवार को अपने बुथ पर बैठक किया गया। जहां मौजूद बुथ लेवल एजेंट समेत अन्य मतदाताओं के साथ प्रकाशित सूचि पर विचार विमर्श किया गया। बीडीओ सह सहायक निर्वाची पदाधिकारी रविराज ने बताया कि सभी बीएलओ द्वारा अपने बुथ अंतर्गत मतदाताओं को सूचि का अवलोकन कराकर सूचि को त्रुटिरहित करने का प्रयास किया जा रहा हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

दीपक की संपत्ति जब्ती की कार्रवाई

नवादा (नि.सं.)। गैर कानूनी तरीके से अवैध धन अर्जित कर अकूत संपत्ति बनाने वालों की अब खैर नहीं है। आपराधिक गतिविधियों से अर्जित संपत्ति के विरुद्ध नवादा पुलिस ने कार्रवाई आरंभ कर दी है। पुलिस ने न्यायालय से जारी नोटिस को आरोपी के घर चिपकाकर अगाह किया है। अवैध बालू उत्खनन कांड में संलिप्त अभियुक्त अजय कुमार उर्फ दीपम उर्फ दीपक की संपत्ति कुर्की करने को लेकर न्यायालय ने जारी नोटिस को पुलिस ने उसके घर में तामिला कराई। इस संबंध में एसपी कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार जिले के नरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत तिलैया नदी से अवैध बालू खनन कर रहे ट्रैक्टर को जब्त किया गया था। इस संदर्भ में नरहट थाना काड संख्या-47/25 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। पुलिस द्वारा अनुसंधान के क्रम में यह बात सामने आई कि कांड के अभियुक्त दीपक कुमार का प्रायः इस तरह के अवैध उत्खनन में संलिप्तता रही है। उल्लेखनीय है कि अभियुक्त आपराधिक प्रवृति का है एवं इनके भय से स्थानीय लोग गवाही देने को भी तैयार नहीं होते हैं। इनके विरुद्ध नरहट थाना में कई कांड दर्ज हैं, जिनमें आरोप पत्र भी समर्पित किया गया है। पुलिस द्वारा वादी एवं साक्षियों के बयान को गहनता से अवलोकन कर कांड दैनिकी में अंकित किया एवं ससमय आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित किया। इसके अलावा पुलिस ने अभियुक्त के द्वारा अवैध बालू उत्खनन से अर्जित संपत्ति की कुर्की करने के लिए प्रस्ताव उचित माध्यम से भेजा था, जिस आलोक में 5 जून 2025 को न्यायालय ने नोटिस जारी किया। गौरतलब है कि पुलिस द्वारा इस तरह के अवैध धधों से अर्जित संपत्ति कुर्की को लेकर कुल 26 प्रस्ताव भेजा है, जिसमें से 5 प्रस्ताव को न्यायालय द्वारा स्वीकृति देते हुए अभियुक्त को नोटिस जारी किया गया है। उक्त अपराध में अपराधिकृत से अर्जित की गई कुल संपत्ति को न्यायालय द्वारा धारा 107 बीएनएस 2023 के तहत संपत्ति कुर्की करने का नोटिस पारित किया गया है। बताया गया कि पुलिस के द्वारा अभी तक कुल 2 प्रस्ताव कोर्ट में समर्पित की जा चुकी है, जिसमें से 5 अभियुक्तों के विरुद्ध न्यायालय द्वारा नोटिस निर्गत किया गया है। जिले के नरहट थाना क्षेत्र के गजरा चातर गांव निवासी मिथलेश सिंह के 32 वर्षीय पुत्र अजय कुमार उर्फ दीपम उर्फ दीपक के विरूद्ध कई मामले दर्ज है। जिसमें नरहट थाना कांड संख्या- 228/20, नरहट थाना काड संख्या 46/22, नरहट थाना कांड संख्या-476/23, नरहट थाना कांड संख्या-67/24, नरहट थाना काड संख्या-47/25, नरहट थाना सनहा संख्या-35/25, नरहट थाना सनहा संख्या-54/25 दर्ज है।

राजस्व अभियान की तैयारी शुरू

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। प्रखंड मुख्यालय स्थित उजला भवन में गुरुवार को राजस्व महाअभियान को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजस्व पदाधिकारियों के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी, अमीन,राजस्व कर्मचारी, पंचायत सचिव को प्रशिक्षण दिया गया। जिला बंदोबस्त पदाधिकारी मनोज कुमार ने भूमि सर्वेक्षण से सम्बंधित राजस्व महाअभियान के विषय में विस्तृत जानकारी दी। कहा गया आगामी 16 अगस्त से राजस्व महाअभियान कार्यक्रम शुरु होगा, जो 20 सितंबर 2025 तक चलेगा। प्रशिक्षण में जमाबंदी, सुधार,बंटबारे, दाखिलखारीज समेत अन्य बिंदुओं पर बारीकी से समझाया गया। इसके लिए शिविर भी आयोजित की जाएगी। रैयतों के घर घर जाकर प्रपत्र का वितरण किया जायेगा। मौके पर राजस्व पदाधिकारी सह कानूनगो अशोक कुमार झा,सीओ रईस आलम, बीपीराओ सानिया परवीन, पीओ नीतीश कुमार, शिविर प्रभारी आकाश राज समेत शामिल रहे।

राजस्व महाअभियान को लेकर प्रशिक्षण

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

राजस्व और भूमि सुधार विभाग, बिहार सरकार द्वारा प्रस्तावित राजस्व महाअभियान के सफल संचालन को लेकर गुरुवार को रजौली प्रखंड सभागार में एक दिवसीय प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बीडीओ संजीव झा, सीओ मो. गुफरान मजहरी, एमओ राजेश कुमार गुप्ता, जीविका बीपीएम मनीष कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीओ ने जनप्रतिनिधियों और विभागीय कर्मियों को अभियान की रूपरेखा, उद्देश्य और क्रियान्वयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'जमीन के कागज में करें सुधार, राजस्व विभाग पहुंचा आपके द्वार' अभियान 16 अगस्त से 20 सितंबर तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान घर-घर जाकर जमाबंदी पंजी और आवेदन पत्रों का वितरण किया जाएगा। साथ ही बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य भूमि दस्तावेजों में सुधार की प्रक्रिया को आसान, पारदर्शी और जनसुलभ बनाना है। इसके तहत राजस्व विभाग की टीमें लोगों से सीधे संपर्क कर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगी।

चिह्नित स्थलों पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे :

सीओ ने प्रशिक्षण में बताया कि यह महाअभियान जमीन विवादों के निपटारे और सरकारी सेवाओं की सहज उपलब्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। बीडीओ ने जानकारी दी कि सभी पंचायत सरकार भवनों सहित चिह्नित स्थलों पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे, जहां आमजन अपने भूमि दस्तावेजों से संबंधित त्रुटियों को सुधारने के लिए आवेदन दे सकेंगे। बीडीओ ने आम जनता से अपील की कि वे इस अभियान का लाभ उठाएं और समय रहते अपने कागजात दुरुस्त कराएं। उन्होंने कहा कि विभागीय सहयोग से भूमि विवादों को जड़ से समाप्त किया जा सकता है।

छः सूत्री मांगो को लेकर सेविका सहायिका ने किया धरना-प्रदर्शन

निज संवाददाता | नौहट्टा (रोहतास)

प्रखंड क्षेत्र के स्थानीय बाल विकास परियोजना कार्यालय के सामने आंगनवाड़ी सेविका व सहायिका ने बुधवार को दोपहर मे छः सूत्री मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया। बताया गया कि धरना प्रदर्शन की अध्यक्षता विंदु देवी ने किया। प्रदर्शन के दौरान सेविका सहायिका नीतीश सरकार के विरोध में नारे लगाकर तथा थाली बजाकर धरना प्रदर्शन व एक दिवसीय हडताल किया। सेविकाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी सेविकाओं का सरकारीकरण किया जाए। सुप्रीम कोर्ट के निदेशानुसार ग्रेच्युटी लागु किया जाए। पदाधिकारियों द्वारा सेविकाओं को चयनमुक्त करने की धमकी दी जाती है। सेविकाओं को आर्थिक व मानसिक रूप से शोषण किया जाता है। सेविकाओं को भय रहित किया जाए। नई फाइव जी मोबाइल खरीदने के लिए सीधा सेविकाओं के खाता पैसा ट्रांसफर किया जाए नही तो पदाधिकारियों द्वारा आर्थिक शोषण किया जाएगा। सेविकाओं को बीएलओ जैसे जटिल कार्य से मुक्त किया जाए। विभाग द्वारा बार बार लेटर आता है कि सेविकाओं को अन्य कार्य मे नही लगाया जाएगा लेकिन अन्य काम मे लगा दिया जाता है। आंगनवाड़ी केंद्र की बिजली भुगतान कौन करेगा। बिजली भुगतान नही होने से समीर केंद्र का बिजली आपूर्ति बंद है।

24 घंटे के अंदर 52 फरार अपराधियों की हुई गिरफ्तारी : एसपी

नवादा (नि.सं.)। पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने बताया कि 06 अगस्त 2025 को नवादा जिला में पुलिस द्वारा विभिन्न गिरफ्तारियां की गयी हैं, मद्य निषेध में 08 एवं अन्य गिरफ्तारी 44 कुल 52 गिरफ्तारियां हुई। शराब की बरामदगी अंतर्गत 47.5 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया। वारंट के निष्पादन की संख्या-48 एवं कुर्की के निष्पादन की संख्या-06 है। वाहन जॉच के क्रम में कुल 420 वाहनों की जॉच की गयी है एवं फाईन की कुल राशि 01 लाख 71 हजार 500 रूपया वसूला गया है। अन्य गिरफ्तारी अन्तर्गत स्कूटी 01 एवं अपहृता 03 बरामद किया गया।

साउथ सिटी इंटरनेशनल विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया सावन महोत्सव

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखंड क्षेत्र के एन.एच-20 किनारे अवस्थित साउथ सिटी इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में गुरुवार को सावन महोत्सव हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन एसडीएम स्वतंत्र कुमार सुमन व विद्यालय के निदेशक रविंद्र कुमार समेत विद्यालय के प्राचार्य पवन कुमार, विद्यालय उपप्राचार्या इंदु देवी, सिरदला हीरो शोरूम के प्रोपराइटर रंजीत कुमार एवं जयशंकर प्रसाद आदि गण्यमान्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित की गई। दीप प्रज्वलित होने के बाद राष्ट्रगान गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक प्रमोद कुमार सिंह के द्वारा मंगलाचरण शिव स्तुति विधिवत की गई। इसके बाद साउथ सिटी इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों द्वारा सावन महोत्सव कार्यक्रम के अनुकूल एक से एक प्रस्तुतियां बढ़-चढ़कर प्रस्तुत की गई।कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागी छात्र-छात्राओं में गुलशन कुमार, अनन्या सिंह, स्वीटी कुमारी, काजल कुमारी, कृतिका कुमारी, अजलफा, अंशिका, स्वीटी कुमारी, अंशिका, पल्लवी, निहारिका, सोनम, गुनगुन, सिमरन,आयशा,अंशु,सोनू कुमार साव, आराध्या चौधरी, अलीशा, इंसा फलक, हिमांशु, अंकित, अंश, राजू, एजाज, परिधि, अफ़रीना, आरुषि, पूनम समेत दर्जनों बच्चे अपनी कला का बेहतर प्रदर्शन करते दिखाई दिए। विद्यालय के अभिभावक एवं अन्य दर्शकों ने भी इस महोत्सव का भरपूर आनंद लिया। सभी दर्शकगण प्रस्तुतियों से भाव-विभोर होकर सभी मंचासीन पात्रों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर विद्यालय के

कादिरगंज, नवादा में हस्तकरघा दिवस समारोह का हुआ आयोजन

निज संवाददाता | नवादा

हस्तकरघा दिवस के अवसर पर कादिरगंज, नवादा में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुधीर कुमार, अध्यक्ष, कादिरगंज-पचोहिया बुनकर सहयोग समिति द्वारा की गई। इस आयोजन का उद्देश्य पारंपरिक हस्तकरघा उद्योग के महत्व को उजागर करना, बुनकर समुदाय को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें आधुनिक तकनीकों व योजनाओं की जानकारी देना रहा। मुख्य वक्ताओं ने हस्तकरघा उद्योग की सांस्कृतिक विरासत, उसकी वर्तमान प्रासंगिकता, और सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री बुनकर मुद्रा योजना, NHDP योजनान्तर्गत कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने से संबंधित आदि की जानकारी साझा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बुनकरों, स्थानीय नागरिकों और संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। सभी ने हस्तकरघा क्षेत्र को आत्मनिर्भर भारत अभियान से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्यक्रम में श्री अमित विक्रम भारद्वाज, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, नवादा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

गांजा तस्कर को 15 वर्ष का कारावास व अर्थदंड की सजा

नवादा (नि.सं.)। वाहन से गांजा तस्करी किये जाने के आरोप में एक व्यक्ति को 15 वर्ष का सश्रम कारावास तथा अर्थदंड की सजा सुनाई गई। प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह विशेष न्यायाधीश ने यह सजा जिले के नारदीगंज थाना क्षेत्र के संदोहरा गांव निवासी सुबोध पासवान को सुनाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 फरवरी 2024 को आरोपी सुबोध पासवान ट्रक संख्या- बीआर-01जीई/5638 पर गिट्टी में छुपाकर 61 किलोग्राम गांजा को झारखंड की ओर से गया ले जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर नगर थाना के एसआई निरंजन सिहं ने उक्त वाहन को गया रोड स्थित कृषि फार्म के समीप रोककर तलाशी लिया तो वाहन चालक के सीट के नीचे छुपा कर रखे 61 पैकेट गांजा जब्त कर चालक सुबोध को गिरफतार कर लिया। जब्त गांजा का वजन 61 किलोग्राम था। घटना के बाबत नगर थाना में कांड संख्या-308/24 दर्ज किया गया। गवाहों द्वारा अदालत में दर्ज कराये गये बयान तथा पुलिस के द्वारा प्रस्तुत किये गये साक्ष्य के बाद न्यायाधीश ने वाहन चालक सुबोध पासवान को एनडीपीएस एक्ट के तहत 15 वर्ष का कारावास तथा एक लाख 50 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

कार्यालयः उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, पलामू, मेदिनीनगर (जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग)

शुद्धि पत्र (Corrigendum)

PR.NO.-358286

जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, पलामू द्वारा फलैक्स प्रिंटिंग हेतु निकाली गयी निविदा जो दिनांक 12.08.2025 निर्धारित है के शर्त संख्या– 9 में "**न्यूनतम IPRD Rates**" अंकित हो गया है जिसमें आंशिक रूप से संशोधन करते हुए इसके जगह पर उपरोक्त सामग्री के क्रय हेतु "**अधिकतम IPRD Rates**" मान्य होगा

शेष सभी नियम एवं शर्त यथावत रहेगा।

PR 359103
District(25-26)#D

सहायक निदेशक,
जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, पलामू

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा।

आवश्यक सूचना।

(नोटिस)

नाम–(1) दिनेश कुजुर, पिता–रामलखन उरांव, सा0–विश्रामपुर, टोला–गौरेयाबाखर, थाना–रंका, जिला–गढ़वा राज्य–झारखण्ड आपको सूचित किया जाता है कि आप रंका थाना कांड सं0–15/2023 दिनांक–03.02.2023 धारा–406, 420, 120बी0, भा0द0वि0 के अभियुक्त हैं। आप उक्त काण्ड में अबतक फिरार चल रहे है। आपके विरुद्ध माननीय न्यायालय, श्रीमती अनुलिका कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायिक दण्डाधिकारी, गढ़वा के द्वारा इश्तिहार निर्गत किया गया है। दिनांक–29.07.2025 को आपके घर पर दो स्वतंत्र गवाहों के समक्ष इश्तिहार का विधिवत तामिला किया गया है। परन्तु आप अपने घर से भी फिरार चल रहे है। अतः आपको सूचित किया जाता है कि आप अविलंब माननीय न्यायालय, श्रीमती अनुलिका कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायिक दण्डाधिकारी, गढ़वा राज्य– झारखण्ड के न्यायालय में आत्मसमर्पन करना सुनिश्चित करें।

PR 359092 (Police) 25-26 (D)

पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, पलामू।

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

तरहसी थाना कांड सं0–81/2021 दिनांक–29.09.2021, धारा–25(1–ए)26 /35 आर्म्स एक्ट तथा 17 सी0एल0ए0 एक्ट के प्राथमिकी अभियुक्त शशिकान्त जी उर्फ सुदेश जी उर्फ आरिफ जी पिता हिरा सिंह सा0–केदल, थाना–मनातू जिला–पलामू के संबंध में सूचना/जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में सूचित करें अथवा निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना देने का कष्ट करें।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, (पांकी) लेस्लीगंज :– 9523355003
थाना प्रभारी, तरहसी :– 9430774070

PR 359079 Police(25-26)D

पुलिस अधीक्षक पलामू।

Jharkhand Urja Sancharan Nigam Limited
(CIN: U40108JH2013SGC001704)
Regd. Office: SLDC Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002, JH
Phone: 0651-2400804 Website: www.jusnl.in
Office of the : General Manager Transmission Zone – IV, Medininagar (Daltonganj)
Address-Sudna, Daltonganj / e-mail : gmtzdal@gmail.com

Tender Notice

Sealed tender are invited in in two parts Part-I as Technical & Commercial, Part-II as Price Part (Both in two separate sealed envelopes super-scribed with NIT No. and Part) from reputed and experienced agencies/firms for the following work :-

Sl. No.	NIT No.	Description of work	Cost of BOQ (Non-refundable)	EMD
1.	**314/PR/JUSNL/ 2025-26**	Procurement of Lighting materials and 50 kg SF6 gas cylinder at 400/220/132 kV GSS Latehar.	Rs1476/- (including GST @ 18%)	Rs19,800/-

1. Start date and time for sale of Tender Documents 12.08.2025 at 12:00 PM.
2. Last date and time for sale of Tender Documents upto01.09.2025at 02:00 PM.
3. Last date and time for submission of tender upto01.09.2025at 04:00 PM.
4. Date and time for opening of tender: 02.09.2025 at 04:00 PM.
5. Tender documents along with terms and condition can be purchased from the office of General Manager, TZ-IV, Medininagar on payment of cost of BOQ (Non-refundable) in shape of D.D. drawn in favour of Accounts Officer, Transmission Zone-IV, Daltonganj payable at Daltonganj on any working day.
6. No postal transaction of purchase/submission of tender documents shall be entertained.
7. The under signed reserves the right to issue the tender documents/extend the date of sale/submission/opening of tenders and distribute the works among the tenderers or reject any/all tenders without assigning any reason thereof.
8. If there is sudden announcement of holiday of Govt. or Nigam on the date of opening of tender/last date of submission of hard copy of bid then the next working day will be considered.
9. For any clarifications please contact on Mobile No. 7488012827.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
Transmission Zone-IV, Medininagar

PR 359078 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(25-26)#D

कार्यालयः– जिला शिक्षा अधीक्षक, गढ़वा
पुराना समाहरणालय परिसर, विकास भवन–बी0, प्रथम तल्ला
Email ID – dsegarhwa@gmail.com

आवश्यक सूचना

झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग के विज्ञापन सं0–13/2023 के आलोक में झारखण्ड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा–2023 के आधार पर स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य (कक्षा 6 से 8) विषय– गणित एवं विज्ञान के पद पर नियुक्ति हेतु आयोग द्वारा सफल एवं अनुशंसित अभ्यर्थियों की सूची जाँच पत्रक के साथ दिनांक–13.08.2025 को काउंसिलिंग हेतु जिले के अधिकारिक वेबसाईट **www.garhwa.nic.in** पर अपलोड कर दिया गया है। अभ्यर्थी काउंसिलिंग से संबंधित जानकारी प्राप्त करने हेतु हेल्पलाईन नंबर– 9304515448, 8210307876 पर सम्पर्क कर सकते है।

अतः संबंधित सफल अभ्यर्थी निर्धारित तिथि, समय एवं स्थल में काउंसिलिंग हेतु उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। अनुपस्थिति की स्थिति में अभ्यर्थियों की जवाबदेही स्वयं की होगी।

काउंसिलिंग स्थल एवं समयः–
कार्यालयः– जिला शिक्षा अधीक्षक, गढ़वा के सभागार कक्ष, पुराना समाहरणालय,
समयः– पूर्वाह्न 9:00 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक।

विश्वासभाजन
जिला शिक्षा अधीक्षक,गढ़वा।

PR 359135 Human Resource Developement(25-26)D

OFFICE OF THE CIVIL SURGEON-CUM-CHIEF MEDICAL OFFICER LATEHAR
OFFICE: SADAR HOSPITAL CAMPUS, LATEHAR, 829206

VERY SHORT E-TENDER NOTICE

Reference No: 04(DMFT), (2nd Call)

Notice Inviting Tender for Rate Contract for Selection of Agency for Work Related to Providing Human Resource and Tele-Consultation Facility for the Beneficiaries in Latehar District

The **Civil Surgeon Latehar**, invites bids (**online tender**) through the official website of **Latehar District Administration** and**Jharkhand procurement portal**https://jharkhandtenders.gov.infrom reputed & genuine **organizations** who are interested and eligible to provide human resource and tele-consultation facility for the beneficiaries in Latehar district.

Interested parties are requested to refer to the official tender documents for detailed specifications, terms, and conditions.

The tender shall be submitted in two stage and two parts, viz., technical bid and financial bid. All the pages of bid being submitted must be signed stamped by authorised signatory and sequentially numbered by the bidder irrespective of nature of content of the documents before uploading.

The bidders are required to regularly check the website to know about any/all such corrigendum(s) as only these bids, taking care of such corrigendum(s) shall be considered for finalisation of the tender.

The bid without EMD will be summarily rejected.

Short Details of Tender	
Tender Publishing Date	07/08/2025
Last date and time for submission of Technical and Financial Bid	14/08/2025 up to 05.00 PM
Date and time for opening of Technical Bid	18/08/2025 up to 11:30 AM
Date and time for opening of Financial Bid	After completion of technical bid

Note :- Further details can be seen on:
➢ https://jharkhandtenders.gov.in

PR 359043 Health Med Edu and Family Welfare(25-26)#D

Civil Surgeon, Latehar

समाहरणालय, गढ़वा
(जिला भू–अर्जन शाखा, गढ़वा)
या समाहर्त्ता या समुचित सरकार प्रारंभिक अधिसूचना
(अधिनियम–30/2013 की धारा–11(1) के अधीन)
अधिसूचना संख्या 856/भू0अ0,गढ़वा, दिनांक 06.08.2025

प्रपत्र VI 'क'

चूंकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि ग्राम–हुर, थाना नं0–328, थाना–गढ़वा, अंचल–गढ़वा सदर, जिला–गढ़वा में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना हुर मोड (गढ़वा–शाहपुर) पथ से डालटनगंज सीमा होते हुए डुमरिया डंडा तक पथ (कुल लम्बाई 19.00 कि0मी0) का कार्य अपेक्षित है। प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2 (1)(ख) के तहत नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रूप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम–हुर, थाना नं0–328, थाना–गढ़वा, अंचल–गढ़वा सदर, जिला–गढ़वा में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश– 0.229 एकड़ मानक माप का भूखंड, जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है :–

क्र.	खाता संख्या	सर्वे प्लॉट संख्या	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	पूरा पता सहित वर्त्तमान रैयत का नाम	सीमा (भूखंड सं) उ0	द0	पू0	प0
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	56	649	रैयती		0.195	मुरारी चौबे व बसंत चौबे व देवनाथ चौबे, पिता–स्व0 ईश्वर चौबे व विशुनदेव चौबे वगै0, पिता–शिवदत्त चौबे व बबिता देवी, पति–स्व0 विजय चौबे व गौरी चौबे, पिता–स्व0 महाबली चौबे व देवदत्त चौबे वगै0, पिता–स्व0 जित नारायण चौबे व सत्येन्द्र तिवारी व उपेन्द्र तिवारी व प्रवीण तिवारी व शैलेन्द्र तिवारी पिता–नन्द गोपाल तिवारी	रास्ता	नीज	सीवाना पतरिया	648
2	16	696/416	रैयती		0.017	देवराज चौबे व लक्ष्मी नारायण चौबे, पिता–स्व0 सुदामा चौबे	रास्ता	नीज	413	418
3	16	697	रैयती		0.017	अयोध्या चौबे, पिता–जिवोधन चौबे	रास्ता	नीज	417	395
				कुल :–	**0.229**					

यह अधिसूचना भू–अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम,2013 (अधिनियम संख्या 30/2013), की धारा–11 (1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता–सह–समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथा उपबंधित एवं यथाविनिर्दिष्ट कार्यों के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए, अवभूमि खोदने या भू–वेधन–छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यो के संचालन करने हेतु जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा और उनके अमीन फैजुल्लाह अंसारी, को प्राधिकृत करता हूँ।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्त्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नहीं करेगा या ऐसा कोई अंतरण नहीं करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नहीं उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60) दिनों के अंतर्गत भू–अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियां हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

झारखण्ड सरकार, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, (भू–अर्जन निदेशालय) राँची, झारखण्ड की अधिसूचना संख्या सं0सं0–08ए0/भू0अ0नि0(अधिनियम)–129/2017/549/नि0रा, दिनांक 09.10.2018 के आलोक में यह परियोजना सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन की कार्यवाही से मुक्त है।

PR 359040 Land Reforms(25-26)D

उपायुक्त,गढ़वा।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा समिति की सुगी देवी बनी सचिव

गड़हनी| दुलारपुर अनुसूचित जाति टोला प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा समिति की बैठक की गई।अध्यक्षता वार्ड सदस्या मीना कुमारी और संचालन विद्यालय के प्रधान शिक्षक इसरार अहमद ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से विद्यालय शिक्षा समिति का सचिव सुगी देवी को बनाया गया। इस प्रक्रिया में संकुल समन्वयक शुभ दयाल राम की भूमिका रहा। विद्यालय के प्रधान शिक्षक ने कहा कि विद्यालय के विकास व पठन पाठक कार्य में सचिव का अहमद योगदान होता है। इसको ईमानदारी पूर्वक निभाना होगा।बैठक में विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिका व अभिभावकगण सरिता देवी, धर्मशीला देवी, राजधानी देवी, दुखनी देवी, तेतरी देवी, पूजा देवी, विमला देवी सहित कई लोग उपस्थित थे।

विक्रमशिला एक्स. से हटाए जाएंगे दो स्लीपर कोच

आरा| आरा से गुजरने वाली विक्रमशिला एक्सप्रेस से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने कोच कंपोजिशन में बदलाव किया है। 15 अगस्त 2025 से भागलपुर से आनंद विहार के बीच चलने वाली 12367 विक्रमशिला एक्सप्रेस से दो स्लीपर कोच हटाए जाएंगे, और उनकी जगह दो जनरल कोच जोड़े जाएंगे। इसी तरह 16 अगस्त 2025 से आनंद विहार से भागलपुर लौटने वाली 12368 विक्रमशिला एक्सप्रेस कुल 6 जनरल कोच के साथ चलेगी। रेलवे के अनुसार, यह बदलाव यात्रियों की मांग और ट्रैफिक पैटर्न को देखते हुए किया गया है। कोचों की कुल संख्या 22 ही रहेगी, लेकिन स्लीपर की संख्या घटकर 5 रह जाएगी जबकि जनरल कोच बढ़कर 6 हो जाएंगे।

विधवा महिलाओं का होगा सर्वे, मिलेंगे पेंशन

आरा| जिले में आईसीडीएस एवं सामाजिक सुरक्षा द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता डीडीसी गुंजन सिंह ने की। बैठक में डीडीसी ने सभी विधवा महिलाओं का सर्वे कर उन्हें पेंशन योजना से जोड़ने का निर्देश दिया। साथ ही कबीर अंत्येष्टि योजना के लाभ से वंचित लाभार्थियों को चिन्हित कर उन्हें योजना का लाभ देने को कहा गया।पोषण अभियान के अंतर्गत फैमिली रजिस्ट्रेशन सिस्टम की प्रगति की समीक्षा की गई। सभी सीडीपीओ और संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी लाभार्थियों का एफआरएस कराते हुए समय पर पोषाहार देना सुनिश्चित करें। पोषण ट्रैकर में बाकी सभी इंडिकेटर का डेटा भी शत-प्रतिशत अपलोड किया जाए। डीडीसी ने निर्देश दिया कि जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर नल के जल की सुविधा अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। जिन केंद्रों पर अभी शौचालय की व्यवस्था नहीं है, वहां शीघ्र निर्माण कराया जाए।

चाणक्य नीति की प्रासंगिकता पर व्याख्यान आज

आरा|वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय अंतर्गत स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग में सात अगस्त को एक व्याख्यान होगा। पीजी सेमेस्टर थ्री सत्र 2024-26 के छात्र-छात्रा और पैट- 2022 के शोधार्थियों इसमें भाग लेंगे। विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि संगोष्ठी का विषय उभरते भारत की आर्थिक परिदृष्य में चाणक्य नीति की प्रासंगिकता है। निर्णायक मंडल में एचडी. जैन कॉलेज, आरा के अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गुलनवाज उस्मानी, एमएम महिला कॉलेज, आरा की अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. रजनी नर्सरियां एवं महाराजा कॉलेज, आरा की पिंकी रानी होंगी। इसके संयोजक डा. यादवेंद्र सिंह हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में हिस्सा में लेने वाले शोधार्थी और विद्यार्थियों को मेधा के आधार पर चयन किया जाएगा। इनमें तीन को पुरस्कृत किया जाएगा एवं अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिया जाएगा।

डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट में पटना, भोजपुर, बक्सर और कैमूर के खिलाड़ी शामिल

आरा। आरा डीएवी पब्लिक स्कूल, धनुपरा में डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट का क्लस्टर हुआ। इसमें डीएवी पटना, भोजपुर, बक्सर और कैमूर जिले के कुल 16 विद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस स्पोर्ट्स मीट में कुल पांच खेलों यथा जूडो कराटे, कुश्ती, ताइक्वांडो, बॉक्सिंग आदि मार्शल आर्ट शामिल हैं। जूडो की प्रतियोगिता में लड़कियों के वर्ग में 36 किलो के अंदर पलक कुमारी, डीएवी बक्सर,44 किलो के अंदर मानवी प्रिया, डीएवी धनुपरा, आरा, 50 किलो के अंदर मंताशा अधिका और 50 किलो से अधिक में समृद्धि श्रीवास्तव डीएवी,बक्सर ने जीत दर्ज की। वहीं लड़कों में 35 किलो के अंदर अभिमान सिंह, डीएवी,बक्सर, 40 किलो के अंदर आदर्श कुमार, डीएवी, बक्सर,45 किलो के अंदर सत्यम कुमार डीएवी,धनुपरा आरा, 50 किलो से ज्यादा में प्रवण राज डीएवी कैंट रोड, खगौल पटना ने जीत दर्ज की। बिहार प्रक्षेत्र के क्षेत्रीय पदाधिकारी एसके झा ने झंडोत्तोलन किया। उन्होंने कहा कि खेल में ना किसी की हार होती है ना ही किसी की जीत होती है। इसलिए इसे खेल भावना से खेला जाना चाहिए। मौके पर बिहार जोन "जे"(बक्सर) के सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी वी आनंद , सहायक क्षेत्रीय अधिकारी, पटना प्रक्षेत्र,एसी झा, डीएवी धनुपरा, आरा के प्राचार्य डॉक्टर शशि शेखर सिंह, रतवार मोहनिया के प्राचार्य पीसी दास, कोचस के प्राचार्य अनिमेष चटर्जी, बिहटा के प्राचार्य हरिशंकर श्रीवास्तव, पीरो के प्राचार्य सनी कुमार, शाहपुर के प्राचार्य अनिल कुमार सिंह और डुमरांव के प्राचार्य सीके पाठक सहित कई मौजूद थे।।

जदयू की अगिआंव विधानसभा स्तरीय बैठक

गड़हनी। गड़हनी जनता दल यूनाइटेड का अगिआंव विधानसभा स्तरीय बैठक जानकी पैलेस गड़हनी में की गई। अध्यक्षता अमरीश सिंह तोमर, संचालन धर्मेंद्र यादव व धन्यवाद ज्ञापन अशोक कुमार पांडेय ने किया। यह बैठक चुनाव आयोग द्वारा एक अगस्त को प्रकाशित मतदाता सूची से काटे गए नामों का मूल्यांकन को लेकर किया गया था। वक्त ने कहा, सभी कार्यकर्ता अपने अपने बूथ के बीएलओ के पास जाकर मतदाताओं का नाम मिलान कराए। जिसका नाम कटा है, उसका नाम मतदाता सूची में जोड़वाँ ले। प्रयास होना चाहिए कि एक भी मतदाता का नाम सूची से गायब न हो। सभी पंचायत अध्यक्ष, बीएलए 1 और 2 बूथ के बीएलओ से मिलकर जांच जरूर करवा लें। विधानसभा क्षेत्र में कुल 20417 मतदाताओं का नाम काटे गए हैं। इसलिए एक-एक बूथों पर जाकर मिलान जरूर करे। बैठक में जिला संगठन प्रभारी राज किशोर दांगी, कार्यक्रम प्रभारी चांदेश्वर चौधरी उर्फ धनजी, विधानसभा प्रभारी अरविंद उपाध्याय थे। बैठक में संबोधित करते नेता

सांस्कृतिक विरासत संरक्षित करने को मुख्यमंत्री गुरु-शिष्य परंपरा योजना शुरू

बक्सर। बक्सर बिहार सरकार ने राज्य की समृद्ध लोक सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री गुरु-शिष्य परंपरा योजना की शुरुआत की है। इस योजना के माध्यम से अब विलुप्त हो रही लोकगाथाओं, लोकनाट्य, लोकनृत्य, लोकवाद्य और लोकगीतों को पुनर्जीवित किया जाएगा। इसमें कलाकारों, उनके शिष्यों और संगत देने वाले कलाकारों को हर माह प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कला, संस्कृति और युवा विभाग के तत्वावधान में इस योजना के अंतर्गत अनुभवी गुरुओं के सान्निध्य में युवा कलाकारों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। भरथरी बाबा और दीनाभद्री जैसी लोकगाथाओं के साथ-साथ गौरियाबाबा, राजा सलहेश, सती बिहुला, रेशमा चूहड़मल, हिरनी-वीरनी जैसी कथाओं को भी सूची में शामिल किया गया है। लोकनाट्य की बात करें तो विदेशिया, नारदी, डोमकुछ, बिरहा, बगुली, जालिम सिंह, चकुली, बंका और कीर्तनिया विधाओं को प्रशिक्षण के लिए चिह्नित किया गया है। वहीं लोकनृत्य में पायका, कर्मा, धोबिया, झरनी, करिया झूमर, झिझिया, पावरिया और कठघोड़वा शामिल हैं। लोकगीत श्रेणी में सुमंगली, रोपनी गीत, कटनी गीत, चैता, पूरबी और संस्कार गीत जैसे विलुप्त हो रहे रचनात्मक विधाओं पर भी विशेष बल दिया जाएगा। साथ ही लोक वाद्य यंत्रों में सारंगी, विचित्र वीणा, रुद्र वीणा, ईसराज, वायलिन, शहनाई, बीन और नगाड़ा आदि को भी सूची में रखा गया है। प्रशिक्षण की अवधि दो वर्ष की होगी और प्रत्येक माह कम से कम 12 दिन प्रशिक्षण देना अनिवार्य होगा। योजना के अंतर्गत चयनित गुरुओं को 15,000 रुपये, संगत कलाकार को 7,500 रुपये और शिष्यों को 3,000 रुपये प्रति माह प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रदान किया जाएगा।

बक्सर जिले में सिंचाई के दौरान किसान की मौत

निज संवाददाता। बक्सर

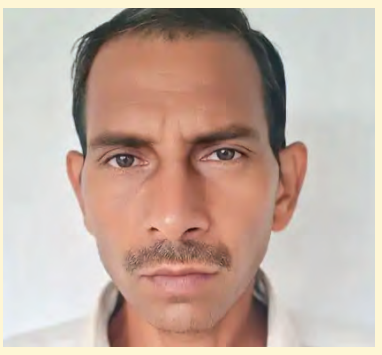

- मोटर के स्टार्टर का बटन दबाते समय लगा करंट, बिजली विभाग पर उठे सवाल

बक्सर के चौसा प्रखंड के रसूलपुर गांव से एक दुखद घटना सामने आई है। गुरुवार को खेत में सिंचाई करने के दौरान करंट लगने से जनार्दन यादव (45) की मौके पर ही मौत हो गई। जनार्दन यादव सुबह अपने खेत में पानी देने के लिए मोटर चालू करने गया था। इसी दौरान मोटर के स्टार्टर में अचानक करंट फैल गया। स्टार्टर का बटन दबाते समय वह करंट की चपेट में आ गए। करंट लगते ही वो वहीं गिर पड़ा और उसकी तत्काल मौत हो गई।

मौके पर पहुंचे ग्रामीणः घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीण भी बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। जनार्दन यादव गांव के मेहनती और मिलनसार किसान माने जाते थे। उनकी असामयिक मौत ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया है।

पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया शवः सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मौके पर उपस्थित जिला परिषद सदस्य पूजा देवी ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनार्दन यादव जैसे मेहनती किसान की मौत से समाज को बड़ी क्षति हुई है।

आपदा राहत कोष से मुआवजा देने की मांगः ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतक के परिजनों को आपदा राहत कोष से शीघ्र मुआवजा देने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि खेतों में लगे मोटर और तारों की नियमित जांच नहीं होने से ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं।

बटाई और पैसे पर खेत लेकर करता था खेतीः जनार्दन यादव गांव में अपने खेत के साथ जमींदारों से बटाई और पैसे पर खेत लेकर खेती करता था। वो अपने परिवार का भरण पोषण और बच्चों को अच्छी शिक्षा दे रहा था। लोगों ने प्रशासन से परिवार के पुनर्वास और बच्चों की शिक्षा के लिए भी सहयोग की मांग की है।

बक्सर में 8 अगस्त को लगेगा जॉब कैंप

निज संवाददाता। बक्सर

बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग और जिला नियोजनालय, बक्सर के तत्वावधान में 8 अगस्त 2025 को एक दिवसीय रोजगार शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर संयुक्त श्रम भवन, बक्सर में होगा। यह भवन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बक्सर के परिसर में स्थित है। इस शिविर में समावेश वित्त प्राइवेट लिमिटेड कंपनी भाग लेगी। कंपनी फील्ड अधिकारी के पद पर युवाओं की सीधी नियुक्ति करेगी। इस पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता इंटरमीडिएट या स्नातक पास है। आवेदक की आयु 18 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए। कुल 50 पदों पर भर्ती की जाएगी। नियोजक द्वारा मासिक वेतन 6000 से 12000 रुपए के बीच निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही कमीशन और प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। नियोजक भविष्य निधि, बीमा, पदोन्नति, स्वास्थ्य बीमा और बोनस जैसी सुविधाएं भी प्रदान करेगा। कार्यस्थल बिहार राज्य के किसी भी जिले में हो सकता है।

युवाओं से पहुंचने की अपीलः जिला नियोजन पदाधिकारी श्री प्रणव प्रतीक ने सभी इच्छुक और योग्य युवक-युवतियों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। आवेदकों को 8 अगस्त को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच नियोजनालय परिसर में उपस्थित होना होगा। उन्हें अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्र, बायोडाटा, आधार कार्ड और पैन कार्ड की छायाप्रति साथ लानी होगी। इस शिविर में राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल पर निःशुल्क निबंधन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। यह शिविर बक्सर के बेरोजगार युवाओं के लिए एक अच्छा अवसर है। यहां वे सीधे प्रतिष्ठित कंपनी में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

बाढ़ के पानी में डूबा 3 साल का बच्चा

- मां के साथ नानी के घर आया था, खेलते-खेलते सीढ़ी के नीचे पानी में चला गया

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में 3 साल का बच्चा बाढ़ के पानी में डूब गया, उसकी मौत हो गई। बच्चा नानी घर घूमने आया था। मृतक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र बरौली गांव निवासी राम रहन प्रसाद के बेटे सूरज कुमार के रूप में हुई है। सूरज अपने घर का इकलौता बेटा था। सूरज करीब 1 महीने पहले अपनी मां मुन्नी देवी और छोटी बहन पार्वती के साथ अपने नाना बलवान बिंद के घर गजियापुर आया था। दादा सरीखन प्रसाद ने बताया कि उकई बार फोन कर वापस आने के लिए कहा था, लेकिन मां मुन्नी देवी ने राखी के बाद लौटने की बात कही थी। घटना सिन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत गजियापुर गांव की है।

घर की सीढ़ी से उतरते वक्त हादसाः बुधवार दोपहर सूरज अपने नाना के घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान सीढ़ी से उतरते समय वह असंतुलित होकर बाढ़ के पानी में गिर पड़ा। बच्चे को पानी में डूबते देख आसपास के ग्रामीणों ने शोर मचाया और तुरंत बचाने के लिए दौड़े। ग्रामीणों ने उसे पानी से बाहर निकाला और परिजन आनन-फानन में आरा सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय थाना की पुलिस भी अस्पताल पहुंची। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाया और परिजनों को सौंप दिया। बताया जाता है कि सूरज अपने बहन से बड़ा था और पूरे परिवार का दुलारा था।

धान की रोपनी के दौरान करंट से महिला की मौत

- बक्सर में खेत में पड़े बिजली के तार से लगा झटका, एक युवक भी घायल

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में बुधवार को धान की रोपनी के दौरान करंट लगने से 55 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने विद्युत विभाग की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। घटना इटाढ़ी थाना क्षेत्र के मितनपुरवा गांव की है।

खेत में पड़ा था कटा हुआ तारः मृतका की पहचान मितनपुरवा निवासी स्व. रामाधार राय की पत्नी महदेइया देवी के रूप में हुई है। वह सुबह अन्य महिलाओं के साथ धान की रोपनी करने खेत में गई थीं। खेत के किनारे बोरिंग के लिए बिछाया गया एक बिजली का तार कटा हुआ पड़ा था, जिसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। महिला अनजाने में उस तार की चपेट में आ गई और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के दौरान पास में मौजूद एक युवक भी करंट की चपेट में आ गया, जिसे गंभीर अवस्था में बक्सर सदर अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस मौके पर पहुंची, शव बरामदः घटना की जानकारी मिलते ही इटाढ़ी थाना अध्यक्ष सोनू कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेजा। थाना अध्यक्ष ने बताया कि मामला खेत के पास खुले में पड़े करंट प्रवाहित तार के कारण हुआ है और इस संबंध में जांच जारी है।

विद्युत विभाग पर कार्रवाई की मांगः घटना के बाद गांव के लोगों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विद्युत विभाग की लापरवाही से यह हादसा हुआ है। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में खेतों के आसपास बिजली के तारों का यूं गिरा होना बेहद खतरनाक है। लोगों ने विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

भोजपुर में गंगा में डूबने से खटाल संचालक की मौत

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में लापता खटाल संचालक का शव तीन दिन बाद बुधवार को गंगा नदी से मिला है। सोमवार सुबह से लापता थे। परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पानी में डूबने से मौत की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान मौला बाग निवासी राजेंद्र प्रसाद यादव(55) के तौर पर हुई है। घटना नवादा थाना क्षेत्र की है। मृतक के भतीजे अंजनी कुमार ने बताया कि सोमवार को मॉर्निंग वॉक पर घर से सुबह 5 बजे निकले थे। इसके बाद घर वापस नहीं लौटे। परिवार के सदस्यों ने आसपास काफी खोजा, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। थक-हारकर थाने में आवेदन दिया। बुधवार को एक शख्स ने फोन करके बताया कि गौसगंज स्थित गंगा नदी से एक शव मिला है। जानकारी मिलते ही हमलोग मौके पर पहुंचे। कपड़ों और शरीर पर मौजूद पुराने निशान से उनकी पहचान हुई।

मौत का कारण स्पष्ट नहींः नवादा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के बयान के आधार पर छानबीन की जा रही है। मृतक के 2 बेटे सुमित रंजन और राकेश रंजन है। 20 साल पहले पत्नी की मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार राजेंद्र यादव अपने काम में हमेशा व्यस्त रहते थे। सुबह-सुबह टहलना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा।

प्रतियोगिता में विवि के अंगीभूत व संबद्ध कालेजों के छात्रों ने लिया भाग

निज संवाददाता। आरा

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा रेड रन- 2025 की शुरुआत महाराजा कॉलेज से की गई। इस प्रतियोगिता में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अंगीभूत और संबद्ध कालेजों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। बालक वर्ग में प्रथम स्थान महाराजा कॉलेज के छात्र सागर कुमार सिंह, द्वितीय स्थान एसटीएम पनवारी के छात्र रोहित और तृतीय स्थान एस टी डी जी डी कॉलेज के छात्र राकेश कुमार ने प्राप्त किया है। वही बालिका वर्ग में प्रथम स्थान एसटीएम पनवारी की छात्रा प्रिया कुमारी, द्वितीय स्थान महाराजा कॉलेज की छात्रा शहनाज फातिमा एवं तृतीय स्थान महिला कॉलेज की छात्रा राजनंदिनी ने प्राप्त की है। युवाओं में एचआईवी एवमं सम्बंधित अन्य स्वास्थ्य विषय पर जागरूकता के लिए रेड रन- 2025 का आयोजन किया गया था। रेड रिबन नोडल अधिकारी डा. साधना रावत ने बताया कि पांच किमी की यह प्रतियोगिता बालक एवं बालिका वर्ग में आयोजित की गई। इस मैराथन का आरंभ वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. राम कृष्ण ठाकुर ने हरी झंडी दिखाकर किया। सभी विजेता प्रतिभागी 30 अगस्त को पटना में आयोजित प्रदेशस्तर की प्रतियोगिता में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस कार्यक्रम में असीम, डा. नवारुण घोष, डा. अंकिता मिश्रा, डा. स्मृति, डा.गुलनवाज़, डॉ वेंकटेश,डॉ शैलेन्द्र, डॉ मनोज और डॉ प्रियंका सहित अन्य कार्यक्रम पदाधिकारी उपस्थित थे। एमएम महिला कॉलेज, आरा के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) एनपी. पालित ने विजेता छात्राओं को बधाई दी।

आरएएफ परिसर में महिलाओं ने सैनिकों को बांधी राखी

कोईलवर| रक्षाबंधन से पहले 114 आरएएफ परिसर में राखी मेकिंग प्रतियोगिता हुआ। जवानों के परिवार की महिलाओं ने अपने हुनर और सृजनशीलता का शानदार परिचय दिया। रंग-बिरंगे धागों, मोतियों और सजावटी सामग्री से तैयार हुई ये राखियां सिर्फ सजावट का नमूना नहीं थीं, बल्कि इनमें समर्पण, स्नेह और देशभक्ति का भाव भी पिरोया गया था। खास बात यह रही कि महिलाओं ने तैयार की गई राखियां मौके पर मौजूद सैनिकों की कलाई पर अपने हाथों से बांधी। इस भावुक पल ने माहौल को आत्मीयता और गर्व से भर दिया। इस मौके पर ऋतु झा ने कहा "रक्षा बंधन सिर्फ भाई-बहन का त्योहार नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का व्रत भी है।"

संस्कृति और सभ्यता को जीवंत रखने के लिए भाषा और लिपि का संरक्षण जरूरी

निज संवाददाता। बक्सर

सीताराम उपाध्याय संग्रहालय बक्सर एवं इंडियन नेशनल ट्रस्ट फौर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज पटना चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय कैथी लिपि कार्यशाला सम्पन्न हुई। इस समारोह के अवसर पर रामकथा पर आधारित चौसागढ़ से प्राप्त दुर्लभ मृण्मूर्तियों से संबंधित ब्रोशर का लोकार्पण इतिहासकार प्रोफेसर डॉ. पंकज कुमार झा ने किया। पंडित कमलापति त्रिपाठी राजकीय महाविद्यालय, चंदौली के पूर्व प्रधानाचार्य प्रोफेसर झा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भाषा एवं लिपि के ज्ञान से लोग शक्तिशाली बनते हैं। भाषा एवं लिपि के ज्ञान को एक दूसरे को प्रदान करने से अपने ज्ञान में और अधिक वृद्धि होती है। अपनी संस्कृति एवं सभ्यता को जीवंत रखने के लिए भाषा एवं लिपि को संरक्षित करना अनिवार्य है। कार्यक्रम को संचालित करते हुए संग्रहालय प्रभारी डॉ शिव कुमार मिश्र ने सबसे पहले वरिष्ठ नागरिक प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ मिश्र ने बताया कि राष्ट्रनिर्माण के लिए हमारे देश के अधिवक्ताओं एवं बुद्धिजीवियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने चम्पारण के किसानों की गवाही के समय कैथी एवं फारसी के जानकार वकीलों, जैसे ब्रजकिशोर प्रसाद, डॉ राजेन्द्र प्रसाद, धरणीधर प्रसाद,रामनौमी प्रसाद आदि से सहयोग लिया था। रामकथा पर आधारित चौसा गढ़ से प्राप्त दुर्लभ मृण्मूर्तियों से संबंधित रेयर टेराकोटा फिगरिन्स फ्राम चौसागढ एवं चौसागढ से प्राप्त दुर्लभ मृण्मूर्तियां ''नामक क्रमशः अंग्रेजी एवं हिन्दी में ब्रोश्योर संग्रहालय द्वारा प्रकाशित की गई है। डा मिश्र द्वारा लिखित इस ब्रोश्योर से रामायण आधारित मृण्मूर्तियों के विषय में संसार के शोधार्थी लाभ उठायेंगे। हाल ही में ब्रिटेन से शोधार्थी यहां आकर अनुसंधान की है। ब्रोश्योर का परिचय देते हुए डॉ मिश्र ने कहा कि महाभारत कथा पर आधारित विश्वामित्र -मेनका की प्रेमकथा एवं उनके संतान शकुंतला को 1600 साल पहले ही चौसा के शिल्पियों द्वारा मिट्टी पर उकेरा गया था। इसी तरह शिव पार्वती परिणय मृण्मूर्ति भी सबसे पुरानी एवं दुर्लभ है। राम - लक्ष्मण द्वारा कुंभकर्ण वध, कुंभकर्ण,सुग्रीव एवं हनुमान से संबंधित मृण्मूर्तियां भी दुर्लभ है। इसी तरह शिव,नंदी एवं भृंगी ऋषि, सीता एवं राम, सीता हरण, हनुमान, त्रिसिरा, सीता आदि की दुर्लभ मृण्मूर्तियों का परिचय भी ब्रोश्योर में दी गई है। 2012-13 एवं 2013-14 सत्र में संग्रहालय, बिहार के तत्कालीन निदेशक डॉ उमेश चन्द्र द्विवेदी द्वारा चौसा गढ़ का उत्खनन कराया गया था उसी क्रम में ये दुर्लभ मृण्मूर्तियां मिली थी। 76 वर्षीय प्रतिभागी हरे राम पांडेय, बिहारी सिंह यादव, अधिवक्ता संगीता कुमारी,प्रशिक्षक प्रीतम कुमार एवं वकार अहमद, कल्पना कुमारी सहित अनेक प्रतिभागियों ने अपने विचार रखे।इस अवसर पर बसंत कुमार, अभिजीत कुमार, राम मुरारी, शशांक, विमल यादव, अनिकेत कुमार, मोहम्मद आशिक,रामरुप ठाकुर,अभिशेष चौबे,अभिनंदन कुमार सहित कई पत्रकार, अनेक बुद्धिजीवी एवं सभी प्रतिभागी उपस्थित रहे।

भोजपुर जिले में लापता छात्र का शव दूसरे दिन मिला

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में लापता छात्र का शव दूसरे दिन मिला है। बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हुई है। मृतक की पहतान भोला गोड़(13) के तौर पर हुई है। 5वीं क्लास में पढ़ता था। घटना कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के गुंडी गांव की है। मृतक की पिता श्याम लाल गोड़ ने बताया कि पूरे गांव में बाढ़ का पानी भरा हुआ है। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे भोला घर से खेलने के लिए निकला था। शाम तक वापस नहीं लौटा। भकुरा, पैगा, दुबे, छपरा समेत कई गांवों में उसे खोजा, लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला। गुरुवार सुबह एक ग्रामीण से सूचना मिली कि शव गांव प्राइवेट स्कूल के पास झाड़ी में पड़ा है। भागते-भागते मौके पर पहुंचा। शव को झाड़ी से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस को मामले की सूचना दी।

घर में मचा कोहरामः पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक चार भाई-बहन में सबसे बड़ा था। परिवार में मां किरण देवी, बहन नीतू, ऋतु और एक भाई शिवजी है। मौत की सूचना मिलते ही में घर में कोहराम मच गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

संक्षिप्त समाचार

स्कूली बच्चों ने रविन्द्रनाथ टैगोर की मनाई पुण्यतिथि

अररिया। फारबिसगंज के तिरसकुंड पंचायत अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा में महान विभूति राष्ट्रगान रचयिता गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर की पुण्यतिथि मनाया गया।विद्यालय के प्रधान शिक्षक मिथलेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ।इसके बाद पूर्व प्रधानाध्यापक कुमार राजीव रंजन ने गुरुदेव के बारे विस्तार से बच्चों को जानकारी दी। बताया कि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर एक प्रसिद्ध भारतीय कवि, लेखक, संगीतकार, और दार्शनिक भी थे। जिन्होंने हमारे देश की ही नहीं बल्कि बांग्लादेश के भी राष्ट्रगान लिखे हैं। वहीं उपस्थित शिक्षक रंजीत कुमार मंडल ने भी रविन्द्र नाथ टैगोर के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि गुरुदेव एशिया महादेश के एक ऐसे महान व्यक्ति थे, जिन्हें नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया, और वे विश्व के एक मात्र कवि हैं जिनके दो रचनाएं दो देश के राष्ट्रगान बनी। फोकल शिक्षक संजीत कुमार निगम ने गुरुदेव के विचारों पर चर्चा करते हुए बताया कि उन्होंने शिक्षा को मन के दरवाजे खोलना और सत्य के लिए दरवाजे बंद न करने की बात कही। उन्होंने प्रेम को अधिकार का दावा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता देना और दुनिया से प्यार करने के रूप में परिभाषित किया। टैगोरजी का मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य छात्रों के मन को खोलना और उन्हें ज्ञान के प्रति जिज्ञासु बनाना है, न कि केवल जानकारी देना।उपस्थित सेविका मीना टुडु ने अपने मातृभाषा संथाली भाषा में गुरुदेव के बारे में संबोधित की । इस अवसर पर उपस्थित सैकड़ों छात्र छात्राएं, अभिभावकगण, विद्यालय के रसोइया, आंगनबाड़ी सेविका तथा सभी शिक्षकों ने मिलकर गुरुदेव के तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बेतिया में वृक्षों को बांधी गई राखी

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के बैरिया ब्लॉक स्थित विद्यालय रामकृष्ण विवेकानंद विद्या मंदिर में गुरुवार को विद्यार्थियों ने राखी बनाओ प्रतियोगिता में भाग लिया तथा वृक्षों को राखी बांधकर परस्पर सौहार्द का प्रमाण दिया। आज के इस एक दिवसीय कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने राखी प्रतियोगिता तथा मेंहदी रचना प्रतियोगिता में भाग लिया। विद्यार्थियों ने खुद से राखी का निर्माण किया । विभिन्न वर्गों में विद्यार्थियों को प्रथम तथा द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में नूपुर कुमारी, कृतिका कुमारी, सिद्धि जायसवाल, सुफिया बेगम, नेमत इकबाल, आरती कुमारी, पृथ्वीराज, अंश कुमार विश्वास तथा पप्पू कुमार थे। समारोह का सभापतित्व विद्यालय की निर्देशिका श्रीमती वाणी दास ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि वृक्षों को राखी बांधना प्रकृति और मनुष्य दोनों के सामंजस्य का प्रतीक है इस प्रकार की भावना विद्यार्थियों में होना अपने आप में एक बहुत बड़ी बात है। मंच का संचालन शिक्षिका नेहा व निरेश तमांग ने किया। धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ शिक्षक श्री अरविंद श्रीवास्तव ने किया।

बेगूसराय में चलती बाइक से नीचे गिरी महिला टीचर

बेगूसराय। बेगूसराय में महिला टीचर चलती बाइक से गिर गई। सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गई। आनन-फानन में स्थानीय लोगों के सहयोग से अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना NH-31 पर तिलरथ के पास की है। मृतका की पहचान गढ़पुरा थाना क्षेत्र के कुम्हारसों गांव निवासी मेघनाथ राय की पत्नी अंशुमाला कुमारी के तौर पर हुई है। गांव के मध्य विद्यालय में पोस्टिंग थी। पति मेघनाथ राय छौड़ाही प्रखंड में पंचायत रोजगार सेवक के पद पर तैनात हैं।

लोगों ने बताया दुखद घटनाः जानकारी के मुताबिक बुधवार को शिक्षिका अपने पति के साथ ननिहाल ठकुरीचक राजवाड़ा बाइक से जा रही थी। वहां गृह प्रवेश का कार्यक्रम था। इस दौरान तिलरथ के समीप बाइक से नीचे गिर गईं। चोट लगने की वजह से उनकी मौत हो गई। कुम्हारसों पंचायत के मुखिया सौरभ कुमार ने बताया कि अंशुमाला और उनके पति मेघनाथ राय मिलनसार स्वभाव के काफी अच्छे व्यक्ति थे। रात में हादसे की जानकारी मिलते ही हम लोग पहुंचे। काफी दुखद घटना है। इलाके में शोक की लहर है।

दावा आपत्ति में सभी राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील

बेगूसराय। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भारत निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त विशेष निर्वाचक सूची प्रेक्षक भरत खेड़ा ने बुधवार को समाहरणालय में राजनीतिक दलों के साथ जिला स्तरीय बैठक की। बैठक में डीएम तुषार सिंगला, एडीएम अजय यादव, उप निर्वाचन पदाधिकारी, सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी भी उपस्थित थे। डीएम तुषार सिंगला ने विशेष प्रेक्षक को बेगूसराय जिले में हो रहे विशेष गहन पुनरीक्षण में अब तक के कार्यों के संबंध में जानकारी दी। इसके बाद विशेष प्रेक्षक भरत खेड़ा बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य है जो भी मतदाता भारत के नागरिक हैं, उनका नाम मतदाता सूची में शामिल हो पाए और अयोग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची से हटाया जाए। उन्होंने 2 अगस्त से 1 सितंबर तक चलने वाले दावा आपत्ति में सभी राजनीतिक दलों से सहयोग करने की अपील की है। इसके साथ ही जिन-जिन राजनीतिक दलों की ओर से बीएलए-2 की नियुक्ति नहीं की गई है, उनसे नियुक्त करने की भी बात कही गई। कहा कि जो भी मतदाता 1 अक्टूबर को 18 वर्ष के होंगे, वह अपना नाम जोड़ने के लिए प्रपत्र-6 भरकर बीएलओ को दे सकते हैं। जिससे फाइनल मतदाता सूची प्रकाशन में उनका नाम शामिल हो सके। सभी राजनीतिक दल मतदाता सूची में सुधार, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपित करने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। जिससे आगामी बिहार विधान सभा चुनाव में त्रुटिहित एवं अद्यतन मतदाता सूची तैयार की जा सके।

लगातार सूचनाएं साझा की जा रही हैः उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में सुझाव एवं फीडबैक भी लिया। जिसमें प्रतिनिधियों की ओर से बताया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रत्येक गतिविधि के संबंध में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी की ओर से लगातार सूचनाएं साझा की जा रही हैं। जिससे सभी पक्षों को अद्यतन जानकारी मिल रही है।

बेगूसराय में खेत गए युवक की मिली लाश

बेगूसराय। बेगूसराय में बुधवार को एक युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। मृतक बहोरचक गांव निवासी विंदेश्वरी पासवान के बेटे ललन कुमार (24) है। 2 साल पहले उसकी शादी हुई थी, लेकिन निःसंतान था। मृतक के पिता विंदेश्वरी पासवान ने कहा कि ललन सुबह करीब 7 बजे नाश्ता कर खेत जाने के लिए निकला था। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर कई बार फोन किया। फोन नहीं उठाने पर खेत की ओर उसे खोजने निकले थे, इसी दौरान रास्ते में ग्रामीणों ने ललन की लाश रहने की सूचना दी। पिता ने आशंका जताई है कि खेत जाने के दौरान कुछ लोग उसके साथ हो गए और गला दबाकर शव को पानी में फेंक दिया। घटना बखरी थाना क्षेत्र के चकहमीद पंचायत स्थित ढेलफेंका बाबा स्थान के पास की है।

मामले की जांच कराई जा रही हैः ग्रामीणों की सहायता से शव को पानी से बाहर निकाला गया। सूचना मिलते ही बखरी डीएसपी कुंदन कुमार और थानाध्यक्ष फैसल अहमद अंसारी घटनास्थल पर पहुंचे। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच में जुटे हुए हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि नदेन-बिथान सड़क पर बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। अपराधियों ने दिनदहाड़े घटना को अंजाम दिया है, इससे ग्रामीण डरे हुए हैं, आए दिन इस सड़क पर घटना घटित होती रहती है। लोगों ने इस सड़क पर पुलिस बल को तैनात करने की मांग डीएसपी से की है। एसपी मनीष ने बताया कि लाश मिलने की सूचना पर बखरी डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। स्थानीय ग्रामीणों और परिजनों ने प्रथम दृष्टया हत्या का आरोप लगाया गया है। FSL और डॉग स्क्वॉड की टीम से जांच कराई जा रही है।

पश्चिम चंपारण में यूरिया की किल्लत से भड़के किसान, सड़क किया जाम

निज संवाददाता। बेतिया

पश्चिम चंपारण ज़िला में गुरुवार को यूरिया की भारी किल्लत को लेकर किसानों का आक्रोश फूट पड़ा। खाद न मिलने से नाराज़ किसानों ने लॉरिय ब्लॉक स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-727) को नंदनगढ़ चौक के पास जाम कर दिया। करीब एक घंटे तक चले इस सड़क जाम के चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर किसानों को समझाने की कोशिश की, लेकिन हालात बिगड़ते देख नरकटियागंज एसडीएम सूर्य प्रकाश गुप्ता स्वयं मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों से संवाद कर स्थिति को नियंत्रित किया और तत्काल इफ्को गोदाम को खुलवाकर खाद वितरण की प्रक्रिया शुरू करवाई। हालांकि, भारी भीड़ के कारण कुछ देर बाद खाद वितरण रोकना पड़ा। इस दौरान चिलचिलाती धूप में खाद की लाइन में खड़ी एक महिला सारदा देवी (निवासी - बंगाली कॉलोनी, मटियरिया) बेहोश होकर गिर पड़ी। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें पेड़ की छांव में बैठाया और पानी पिलाया, जिससे उनकी स्थिति सामान्य हो सकी। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने बताया कि धान और गन्ना की फसलों में यूरिया डालने का समय तेजी से निकल रहा है। वे कई दिनों से सुबह से ही लाइन में खड़े होते हैं, लेकिन खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। इससे फसलों की उपज पर बुरा असर पड़ रहा है। इस संबंध में जिला कृषि पदाधिकारी सरफराज अहमद ने कहा कि प्रशासन हालात पर नजर रखे हुए है। किसानों को जल्द से जल्द यूरिया उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। लौरिया पुलिस एवं प्रशासनिक अमला मिलकर स्थिति को सामान्य बनाने में जुटा हुआ है।

बिहार में गंगा का पानी भागलपुर जिले के निचले इलाके में घुसा, पलायन करने को विवश बाढ़ प्रभावित

निज संवाददाता। भागलपुर

बिहार के भागलपुर जिले में गंगानदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि के कारण निचले इलाके में बाढ़ का पानी भर गया है। दियारा क्षेत्र की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। बाढ़ प्रभावित लोग अपना घर छोड़ अन्य जगहों पर शरण ले रहे हैं। एनएच-80 पर तेज धारा का दबाव बढ़ता जा रहा है। जिले के सुल्तानगंज, भवनाथपुर, सबौर वऔर ममलखा में कई जगह एनएच से सटकर पानी बह रहा है। सबौर प्रखंड कार्यालय और ममलखा के बीच इंग्लिश गांव के पास निर्माणाधीन पुल के पास स्थिति गंभीर है। आधी अधूरी पुलिया के डायवर्सन के ऊपर से कभी भी पानी बह सकता है। शुक्रवार शाम तक गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया है। ऐसे में अगले 48 घंटे तक एनएच-80 की निगरानी बनी रहेगी। कहीं भी आपात स्थिति होने पर मरम्मत का काम शुरू किया जायेगा। भागलपुर शहर से सटे दियारे पर गंगा नदी की तेज धारा बह रही है। दियारे पर मौजूद शंकरपुर पंचायत, रत्तीपुर बैरिया पंचायत के दर्जनों गांव के लोग अपने घरों को छोड़कर पलायन को मजबूर हो रहे हैं। हजारों की आबादी शहर के हवाई अड्डा परिसर, टीएनबी कॉलेजिएट मैदान, किलाघाट समेत अन्य सुरक्षित जगहों पर पहुंच रहे हैं। बाढ़ पीड़ितों के साथ उनके मवेशी व परिवार के सदस्य भी साथ-साथ पहुंच रहे हैं।

युवती लापता,परिजनों ने अपहरण की जताई आशंका

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज थाना क्षेत्र के हरिपुर के वार्ड संख्या 11 निवासी 47 वर्षीय वीरेंद्र साह पिता स्व. बासुदेव साह ने फारबिसगंज थानाध्यक्ष को गुरुवार को आवेदन देकर अपनी 18 साल की बेटी के लापता होने की बात करते हुए उनके अपहरण की आशंका व्यक्त की है। आवेदन में वीरेंद्र साह ने बताया कि 5 अगस्त की रात्रि दो बजे उनकी बेटी अपनी मां को कहकर शौच के लिए निकली।तीन बजे के करीब जब उनकी मां बेटी के कमरे में गई तो बेटी को गायब पाया।आवेदन में वीरेंद्र साह ने अपने को दिल्ली में मजदूरी करने की बात कही। परिजन ने काफी खोजबीन की बाद भी नहीं मिलने से डरे सहमे होने की बात कही।आवेदन में बेटी के अपहरण को आशंका व्यक्त करते हुए अपहरणकर्ता के दो मोबाइल नंबर 9031550814,6203566414 भी दिए गए हैं।जिसमें से 9031550814 नंबर से घर के मोबाइल संख्या 7870005372 पर फोन आया था,जिसमें नेपाल में होने की बात करते हुए 20 सेकेंड बात होने की जानकारी दी गई। मामले में फारबिसगंज थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह ने आवेदन मिलने की बात करते हुए जांच करने की बात कही।

अहमदाबाद में फारबिसगंज तेरापंथ कन्या मंडल ने कस्बा श्रेणी में प्राप्त किया प्रथम स्थान

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज तेरापंथ कन्या मंडल ने अहमदाबाद में आयोजित श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्म संघ के 21वें राष्ट्रीय कन्या मंडल अधिवेशन में कस्बा श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।विगत वर्ष दिसंबर में आयोजित प्ले एंड प्लैटर कार्यक्रम के लिए फारबिसगंज तेरापंथ कन्या मंडल को प्रशस्ति पत्र अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा देकर सम्मानित किया गया। प्रत्येक वर्ष तेरापंथ धर्म संघ के आचार्य के सानिध्य में राष्ट्रीय कन्या मंडल अधिवेशन आयोजित किया जाता है, जिसमें देशभर की सभी शाखाओं की कन्याएं वहां आती है एवं गुरु आचार्य श्री महाश्रमण जी एवं साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभाजी के प्रेरणा पाथेय और विभिन्न वक्ताओं के द्वारा ऊर्जावान बनकर अपने क्षेत्र में पूरे वर्ष भर कार्य करती है।राष्ट्रीय कन्या मंडल अधिवेशन में सभी शाखाओं को विगत वर्ष में किए गए कार्यों के लिए उन्हें पुरस्कृत किया गया। इसी क्रम में फारबिसगंज शाखा की कन्या मंडल ने विगत वर्ष में अपने किए हुए कार्यों के कारण प्रथम स्थान प्राप्त किया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा सरिता डागा एवं नीतू ओस्तवाल के द्वारा स्मृति चिन्ह को फारबिसगंज की कन्या मंडल की तरफ से संयोजिका हर्षा सेठिया एवं भाग्यश्री डागा के साथ निवर्तमान अध्यक्षा सरिता सेठिया को प्रदान किया गया। यह स्मृति चिह्न महानगर नगर,शहर, कस्बा आदि श्रेणियां में विभक्त रहता है। कस्बा श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद फारबिसगंज तेरापंथ महिला मंडल एवं कन्या मंडल में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ,समृद्ध राष्ट्र योजना,कन्या विकास योजना,आचार्य श्री तुलसी शिक्षा परियोजना और स्वस्थ परिवार -स्वस्थ समाज इन चार योजनाओं को लेकर कार्य करती है। अहमदाबाद से खबर मिलते ही बधाईयों का तांता लग गया है। महिला मंडल की अध्यक्षा समता दुगड़ और निवर्तमान कन्या मंडल संयोजिका हर्षा डागा और वर्तमान संयोजिका हर्षा सेठिया को बधाई दी जा रही है। सभा अध्यक्ष महेंद्र बैद ने कहा कि हमारी बेटियां किसी से कम नहीं है।ये हर क्षेत्र में आगे है इसी का परिणाम प्रथम स्थान के रूप में स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र के रूप में देखने को मिल रहा है।

सिलौत स्टेशन पर हावड़ा–रक्सौल–मिथिला एक्सप्रेस की संशोधित समयसूची

विभिन्न स्टेशनों पर कुछ ट्रेनों के ठहराव के संबंध में पूर्व अधिसूचना के संदर्भ में, यह सूचित किया जाता है कि **सिलौत** स्टेशन पर 13021 **हावड़ा–रक्सौल मिथिला एक्सप्रेस** के ठहराव की समयसूची निम्नानुसार होगी: **सिलौत में समयसूची** (दिनांक 08.08.2025 से प्रभावी): **आगमन – 04.15 बजे, प्रस्थान – 04.17 बजे।**

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पेंशनर समाज की बैठक में नए सदस्यों ने ली सदस्यता

निज संवाददाता। अररिया

बिहार राज्य पेंशनर समाज के फारबिसगंज अनुमंडल शाखा की मासिक बैठक स्थानीय पेंशनर भवन में सभापति उमेश प्रसाद वर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित हुआ। संचालन संघ के संयुक्त सचिव विद्यानंद पासवान ने किया।बैठक में हेमंत यादव,केदारनाथ कर्ण,जितेंद्र कुमार कर्ण,इंद्रानंद दास,बालेश्वर प्रसाद दास ने संघ की सदस्यता ग्रहण की।जिसका संघ के सदस्यों ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। बैठक की शुरुआत में सचिव मधुसूदन मंडल ने गत बैठक की कार्यवाही को रखा,जिसे सर्वसम्मति से संपुष्टि कर दी गई। बैठक में बिहार सरकार के अनुसार पेंशनरों की कम्यूटेशन की राशि 15 साल तक काट लिए जाने पर आपत्ति व्यक्त की गई और मामले में संघ के द्वारा पटना हाईकोर्ट में केस दर्ज कराने की जानकारी दी गई।अन्य राज्यों में 10 वर्ष 11 महीना कटने के प्रावधान होने की जानकारी दी गई। नगर परिषद से आवंटन प्राप्त होने के पश्चात सड़क नहीं बनने पर सदस्यों ने रोष प्रकट किया। पेंशनरों को बरसात में कार्यालय तक आने में होने वाली परेशानियों पर चर्चा की गई। भारतीय स्टेट बैंक फारबिसगंज मुख्य शाखा प्रबंधक के प्रति संघ ने आभार जताया। जिन्होंने पेंशनरों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए हर माह के 1 तारीख से 10 तारीख तक अलग से काउंटर खोल कर सुविधा दिया।वही सुल्तान पोखर वार्ड नंबर 3 निवासी 62 वर्षीय शिक्षिका रेणु कुमारी के निधन पर मृतात्मा के शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। मौके पर सभापति उमेश प्रसाद वर्मा, सचिव मधुसूदन मंडल, उपसचिव सह मीडिया प्रभारी विद्यानंद पासवान, योगनारायण दास, कोषाध्यक्ष शांति कुमारी, हरिशंकर झा, प्रो. दिलीप कुमार अग्रवाल, विश्वनाथ पासवान, सूर्यकांत ठाकुर, हरिनारायण रजक,रामनारायण झा, गौरी शंकर प्रसाद, अशोक कुमार रामदास, जगन्नाथ मंडल, सूर्यनारायण पटेल, जनार्दन दास पारखी, तेजबहादुर सिंह, बटेनाथ झा, जीवुत नारायण कुंवर, विनोद कुमार तिवारी, दीपक कुमार गुप्ता, रायमंड सोरेन, शोभाचंद साह, देवेन्द्र झा, प्रमिला देवी, रामप्रकाश यादव, अरूण कुमार मिश्र, इंदुशेखर सिंह, उमेश प्रसाद पासवान आदि दर्जनों सदस्य मौजूद थे।

फारबिसगंज सिविल कोर्ट का एनएच से पहुंच पथ को लेकर जन सुनवाई

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज व्यवहार न्यायालय के लिए नेशनल हाईवे एनएच 57 से कोर्ट तक के पहुंच पथ निर्माण कार्य को लेकर अधिग्रहीत होने वाली एक एकड़ से अधिक जमीन की जन सुनवाई अनुमंडल न्यायालय परिसर में आज आयोजित की गई। जनसुनवाई में अनुग्रह नारायण सिंह समाज अध्ययन संस्थान पटना के परियोजना निदेशक डा विद्यार्थी विकास, शोध अधिकारी अजय कुमार, आरओ सह डीएलओ अररिया सागर प्रसाद, अमीन स्वेता सुमन शामिल हुए। मौके पर भूमि धारकों में क्रमशः मो. वाजिद, अमितेश कुमार गुड्डू, मो. कासिम, मो. हामिद, अखिलेश कुमार, समाजसेवी वाहिद अंसारी, मो. नियाज, मो. हामिद, मो. रकीब, राजीव कुमार देव, मोहतसिम शकील, रवि कुमार शर्मा, मो. मोदस्सिर, मो. जुनैद, शंभु नाथ मिश्र, दिलीप ठाकुर सहित बड़ी संख्या में आमजन भी शामिल हुए। जन सुनवाई के दौरान मौजूद अधिकारियों ने कहा कि फारबिसगंज व्यवहार न्यायालय के सड़क के लिए फारबिसगंज अंचल के मौजा रामपुर थाना संख्या 142 कुल खेसरा 3 में रकवा 1.03.100 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। भूअर्जन अधिनियम के तहत जमीन का एसआईए कराया गया है। बताया कि आज भू अर्जन की कानून 2013 की धारा 5 के अंतर्गत समाजिक प्रभावी मूल्यांकन पटना के निर्देश पर जन सुनवाई आयोजित की गई है। सुनवाई के दौरान भूमि धारकों ने कहा कि उनकी भूमि के एक ओर एनएच है वहीं दूसरी ओर न्यायालय है। ऐसे में भूमि का मुआवजा कर्मशियल देने की मांग की। आधिकारियों ने भूमि धारकों की मांग को अपनी रिपोर्ट में अग्रेषित करने की बात कही। जन सुनवाई के दौरान भूमि धारक संतुष्ट नजर आए। मालूम हो कि फारबिसगंज में फौजदारी कोर्ट प्रारंभ होने के लिए करोड़ों की लागत से भवन बनकर तैयार हैं। सड़क निर्माण नहीं होने के कारण भी मामला फंसा हुआ है। इधर फौजदारी कोर्ट प्रारंभ करने के लिए अधिवक्ताओं के द्वारा लगातार मांग की जा रही है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-20बी-24, दिनांक 01.08.2025; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), पूर्व रेलवे, चौथी मंजिल, रेल यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-20बी-24 के तहत निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम साथ में उसका स्थानः** हावड़ा के झील साइडिंग कोचिंग डिपो में ट्रेन सेट रखरखाव सुविधा की स्थापना के संबंध में 25 केवी एसी ओएचई की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, जांच एवं चालू करना। **कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 3,57,83,331.20; **जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षाः** रु. 3,28,900; **निविदा प्रपत्र की कीमतः** शून्य। **कार्य समापन अवधिः** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 24 (चौबीस) महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 25.08.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। **निविदा खोला जानाः** निविदा बंद होने के उपरांत किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदा के परिपूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देशन के लिए निविदादातागण वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं एवं अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। (HWH-233/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा |**वरिष्ठ मंडल अभियंता/1/हावड़ा** के क्षेत्राधिकार के लिए| नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं वांछित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं। **क्रमांक 1, एनआईटी सं.: 108 _2025-26, दिनांक 31.07.2025; कार्य का विवरणः** हावड़ा मंडल - सीनि. डीईएन/I/हावड़ा के अधीन एईएन/बीडीसी के क्षेत्राधिकार के अधीन स्थानः-बीडीसी-एसकेजीः आरईवी यूएनई 55.000-68.000 = 13.000 किमी, 74.999-90.800 = 15.801 किमी में टीएसआर (पी)-28.801 टीकेएम तथा नीचे उल्लेखित स्थानों बीएलवाई-बीडीसीः आरईवी लाइन 38.963-39.110 = 0.147 किमी में टीआरआर (पी)-0.147 टीकेएम। **अनुमानित लागत** : रु. 2,96,36,990.48; **बयाना राशिः** रु. 2,98,200; **क्रमांक 2, एनआईटी सं.: 109_2025-26, दिनांक 31.07.2025; कार्य का विवरणः** हावड़ा मंडल-सीनि. डीईएन/I/हावड़ा के अधीन एईएन/बीडीसी के क्षेत्राधिकार के अधीन टीटीआर -39 सेट - टीटीआर (एफएस4टीडब्ल्यूएस4डब्ल्सूसीएमएससी)-1 इन 12-35 सेट तथा टीटीआर (डी/क्रॉसिंग)-4 सेट, एईएन/ट्रैक/हावड़ा के क्षेत्राधिकार के अधीन टीटीआर - 68 सेट - टीटीआर (एफएस-»टीडब्ल्यूएस<डब्ल्सूसीएमएससी)-1 इन 12-28 सेट, टीटीआर (एफएस<टीडब्ल्यूएस4डब्ल्सूसीएमएससी)-1 इन 8.5-27 सेट तथा टीटीआर (डी/क्रॉसिंग)-13 सेट तथा एईएन/एलएलएच के क्षेत्राधिकार के अधीन 78 सेट-टीटीआर (एफएस-+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्सूसीएमएससी)-1 इन 12-64 सेट, टीटीआर (एफएस4टीडब्ल्यूएस<डब्ल्सूसीएमएससी)-1 इन 8.5-14 सेट। **अनुमानित लागत** : रु. 4,01,83,928.71; **बयाना राशिः** रु. 3,50,900; **क्रमांक 3, एनआईटी सं.: 110_2025-26, दिनांक 31.07.2025; कार्य का विवरणः** हावड़ा मंडल-एईएन/एलएलएच के क्षेत्राधिकार के अधीन नीचे उल्लेखित स्थानों में सीटीआर (एस) 14.979 टीकेएम बीएलवाई-बीडीसी; यूपीए एचएमजेड टीटागढ़ साइडिंग 0-0.65 = 0.65 किमी एचडब्ल्यूएच बीएलवाई. एलएलएच डब्ल्यूएस 1 एल लाइन 0-0 527 = 0.527 किमीः एलएलएच डब्ल्यूएस 05 जे 0-0.269 = 0.269 किमीः एलएलएच डब्ल्यूएस 05 एमएल 0-0.311 = 0.311 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 05 एमआर लाइन 0-0.688 = 0.688 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 06 एमएल 0-0.524 = 0.524 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस एसवाई 0 0.319 = 0.319 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 06 जे 0-0.24 = 0.24 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 08 एमआर लाइन 0-0.35 = 0.35 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 09 एमआर 0-0.495 = 0.495 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 09 जे 0-0.387 = 0.387 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 10 जे 0-0.441= 0.441 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 11 एमआर लाइन 0-0.422 = 0.422 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 11 जे 0-0.488 = 0.488 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 12 जे 0-0.468 = 0.468 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 13 जे 0-0.578 = 0.578 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 13 एमआर लाइन 0-0.171 = 0.171 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 13एल लाइन 0-0.193 = 0.193 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 14 जे 0-0.207 = 0.207 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 19 एसवाई 0-0.255 = 0.255 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 20 एसवाई 0-0.446 = 0.446 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 2 बी लाइन 0-0.519 = 0.519 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 2 एल लाइन 0-0.346 = 0.346 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 3 एल लाइन 0-0.316 = 0.316 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 4 एल लाइन 0-0.374 = 0.374 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस 6 एल लाइन 0-0.402 = 0.402 किमी; एलएलएच बड़ा लिंक 0-0.21 = 0.21 किमी; एलएलएच छोटा लिंक 0-0.21 = 0.21 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस कूली लाइन 0-0.539 = 0.539 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस डी शॉप लाइन 1 0-0.132 = 0.132 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस डी शॉप लाइन 2 0- 0.175 = 0.175 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस लिंक लाइन प्लस डब्ल्यूएस ऑफिस लाइन 0-0.884 = 0.884 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस पेंट शेड लाइन नं. 0-0.114 = 0.144 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस पेंट शेड लाइन नं. 2 0-0.348 = 0.348 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस पेंट शेड लाइन नं. 3 0-0.407 = 0.407 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस पेंट शेड लाइन नं. 4 0-0.318 = 0.318 किमी; एलएलएच डब्ल्यूएस वे ब्रिज लाइन 0-0.156 = 0.156 किमी; बीईएसवाई लाइन 15 0 0.343= 0.343 किमी; बीईएसवाई मेन लाइन 0 0.757 = 0.757 किमी टीएफआर • नीचे उल्लेखित स्थानों में 33.793 बीएलवाई-बीडीसी डाउन 24.947 28.509 = 3.562 किमी, 28.616 - 35.468 = 6.852 किमी, 35.964 - 38.0 = 2.036: अप 30.057- 38.0 = 7.943 किमी; एसएचई-जीओजीटी : डाउन 12 0-18.7 = 6.7 किमी; अप 12.0 - 18.7 = 6.7 किमी; **अनुमानित लागत** : रु. 2,52,71,493.23; **बयाना राशिः** रु. 2,76,400; **क्रमांक 4, एनआईटी सं.: 114_2025-26, दिनांक 31.07.2025; कार्य का विवरणः** हावड़ा मंडल - सीनि. डीईएन/I/एचडब्ल्यूएच के अधीन एडीईएन/बीडीसी के क्षेत्राधिकार के अधीन नीचे उल्लेखित स्थानों में 10.716 टीकेएम : • बीडीसी साऊथ शॉर्ट शंटिंग नेक लाइन 0 - 0.188 = 0.188 किमी; साऊथ इंजी लाइन 0 - 0.562 = 0.562 किमी, साऊथ शंटिंग नेक लाइन 0 - 0.441 = 0.441 किमी; शॉर्टिंग यार्ड 0 - 0.979 = 0.979 किमी, डीडी लाइन 1 0 - 0.457 = 0.457 किमी; डीडी लाइन 2 0 - 0.519 = 0.519 किमी; ईएमयू कारशेड लाइन 10 0 - 0.722 = 0.722 किमी; ईएमयू कारशेड लाइन 09 0 - 0.536 = 0.536 किमी; ईएमयू कार शेड लाइन 08 0 - 0.440 = 0.440 किमी; ईएमयू कारशेड लाइन 07 0 - 0.906 = 0.906 किमी; ईएमयू कार शेड लाइन 06 0 - 0.571 = 0.571 किमी; ईएमयू कार शेड लाइन 05 0 - 0.652 = 0.652 किमी; ईएमयू कार शेड लाइन 04 0 - 0.704 = 0.704 किमी; ईएमयू कार शेड लाइन 03 0 - 0.697 = 0.697 किमी; ईएमयू कार शेड लाइन 02 0 - 0.691 = 0.691 किमी; ईएमयू कार शेड लाइन 01 0 - 0.160 = 0.160 किमी; एमयूजी गुड्स साइडिंग 1 0 - 0.464 = 0.464 किमी; डाउन सेकेंड लूप 0 - 1.027 = 1.027 किमी एवं टीटीआर -27 सेट - टीटीआर (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी) -1 इन 8.5 -27 सेट। **अनुमानित लागत** : रु. 1,87,15,198.52; **बयाना राशिः** रु. 2,43,600; **निविदा प्रपत्र की कीमतः** प्रत्येक क्रमांक के लिए शून्य। **समापन अवधिः** प्रत्येक क्रमांक के लिए 12 महीने। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, चूंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 18.08.2025 को अपराह्न 2.00 बजे तक। निविदाओं का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। (HWH-231/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मोकामा से जदयू की टिकट पर चुनाव लड़ेंगे अनंत सिंह: बोले- तेजस्वी की पार्टी 15 सीट पर सिमटेगी

पटना, एजेंसी। मोकामा के पूर्व विधायक बाहुबली अनंत सिंह जेल से बाहर आ चुके हैं। बुधवार को जेल से रिहा होने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, मैं मोकामा से नीतीश कुमार की पार्टी से चुनाव लड़ूंगा। दावा किया कि मोकामा में जो भी उनके सामने होगा, उसकी जमानत जब्त हो जाएगी।वहीं तेजस्वी के सरकार बनाने के दावों को लेकर कहा, तेजस्वी की पार्टी 15 सीटों पर सिमट जाएगी और नीतीश कुमार फिर से बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे। गौरतलब है कि हाईकोर्ट से मंगलवार को अनंत सिंह को मोकामा गोलीकांड मामले में जमानत मिली थी। बुधवार को वह जेल से बाहर निकले और काफिले के साथ पटना स्थित अपने आवास पहुंचे थे। बाहुबली अनंत सिंह बुधवार शाम करीब साढ़े 4 बजे पटना की बेऊर जेल से बाहर निकले थे। 7 महीने बाद वे जेल से बाहर आए। अनंत सिंह 3 करोड़ की लैंड क्रूजर से अपने घर के लिए निकले। उनके साथ समर्थकों का हुजूम भी रहा।

परशुराम स्थान में करेंगे पूजा अर्चना

मोकामा जाने के दौरान ह॥ किनारे रहने वाले ढीबर, रैली, पंडारक, मेकरा, सुल्तानपुर, बरहपुर और शिवनार गांव के लोग भी उनका स्वागत करेंगे। मोकामा में पूर्व विधायक परशुराम स्थान में पूजा अर्चना करेंगे। इसके बाद मोकामा, हाथीदह, मरांची होते हुए बाहापर तक जाएंगे। वहां

लोगों से मुलाकात करेंगे। फिर बड़हिया मां महारानी मंदिर में आशीर्वाद लेकर काफिले के साथ अपने पैतृक गांव नदवां पहुंचेंगे।

शर्तों के साथ कोर्ट ने दी जमानत

मंगलवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा- मौजूदा साक्ष्यों और केस डायरी की समीक्षा के बाद यह पाया गया कि आरोपी को जमानत दी जा सकती है। कोर्ट ने उन्हें कुछ शर्तों के साथ जमानत दी है। जैसे अनंत सिंह को नियमित न्यायिक प्रक्रिया में उपस्थित रहना होगा और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों से दूर रहना होगा। अनंत सिंह के करीबी रवि विद्यार्थी ने बताया, कुछ दिनों पहले ही एक केस में जमानत मिली थी। आज ॥ष्ट से पचमहला फायरिंग में बेल मिली है। कोर्ट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही अनंत सिंह बाहर आ जाएंगे। अनंत सिंह के पैतृक गांव नदावां में जश्न का माहौल है। अनंत सिंह के आवास पर पटाखे फोड़े गए। बाढ़ में समर्थकों ने एक दूसरे को मिठाइयां बांटीं। साथ ही आतिशबाजी की। इस दौरान करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष राणा विजय सिंह और दर्जनों लोग मौजूद रहे।

65 लाख के विवाद में सोनू-मोनू ने जड़ा था ताला

पुलिस के मुताबिक, हेमजा के मुकेश के घर पर गैंगस्टर सोनू-मोनू ने 4 दिन पहले ताला जड़ दिया था। इसके पीछे 65 लाख के लेन-देन का विवाद है। मुकेश लखीसराय जिले के खुटहा गांव स्थित चिमनी में मुंशी का काम करता था। उसमें सोनू-मोनू पार्टनर थे। चिमनी संचालन में लेन-देन का विवाद शुरू हो गया। इसी विवाद में सोनू-मोनू ने मुकेश के घर में ताला लगा दिया था। मुकेश ने इसकी सूचना अनंत सिंह को दी। बुधवार को अनंत सिंह ने सोनू-मोनू से फोन पर बात की। दोनों ओर से तीखी बहस हुई। इसके बाद अनंत समर्थकों के साथ हेमजा गांव पहुंचे और अपनी मौजूदगी में ताला खुलवाने के बाद उनके समर्थकों ने सोनू-मोनू को चेतावनी भी दी कि सुलह कर लो। फिर अनंत सिंह और उनके समर्थक सोनू-मोनू के गांव नौरंगा पहुंच गए। सोनू-मोनू ने जब अनंत और उनके समर्थकों को आते देखा तो दोनों ओर से गोलियां चलने लगीं।

क्या था पूरा मामला

मामला 22 जनवरी 2025 का है। पचमहला में सोनू और मोनू ने मुकेश सिंह के घर पर ताला लगा दिया था। मुकेश उनके ईंट भट्ठे में मुंशी का काम करता था। दोनों ने उस पर 68 लाख रुपए के गबन का आरोप लगाया था। मुकेश ने इस बारे में बाहुबली से मदद मांगी थी। इसे लेकर थाने में भी शिकायत दर्ज कराई थी। अनंत सिंह अपने समर्थकों के साथ जलालपुर पहुंचे थे। मुकेश सिंह के घर का ताला तोड़ा और सोनू-मोनू से बातचीत के लिए नौरंगा गांव पहुंचे। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। करीब 100 राउंड फायरिंग हुई। हालांकि पुलिस ने केवल 14 खोखे बरामद किए थे।

23 जनवरी को मोकामा में शूटआउट हुआ था

23 जनवरी को मुकेश के घर दोबारा गोलीबारी हुई। इसमें पुलिस को 4 खोखे मिले। 24 जनवरी को पचमला थाना पुलिस ने सोनू को गिरफ्तार किया था। 24 को ही अनंत सिंह ने बाढ़ कोर्ट में सरेंडर किया था। इस गोलीबारी का एक वीडियो भी वायरल हुआ था। वायरल वीडियो के आधार पर मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह पर आर्म्स एक्ट, हत्या की कोशिश, सरकारी काम में बाधा और मारपीट जैसी धाराओं में केस दर्ज किया गया था। अनंत सिंह ने जमानत के लिए पटना हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

अनंत सिंह के खिलाफ पचमहला थाने में 2 एफआईआर

अनंत सिंह के खिलाफ नौरंगा जलालपुर पंचायत की मुखिया कुमारी उर्मिला सिंह ने पचमहला थाना में एफआईआरदर्ज करवाई गई थी। जिसमें उन्होंने अनंत सिंह पर आरोप लगाया कि वह शाम साढ़े चार बजे घर के आगे टहल रही थी। इसी दौरान अनंत सिंह अपने अन्य समर्थकों के साथ कई गाड़ियों से वहां पहुंचे और थोड़ी दूर पहले ही रुक गए। इसके बाद नीचे उतरकर हवाई फायरिंग की। मेरे घर की तरफ ताबड़तोड़ गोली बारी करने लगे। वहीं पचमहला थाना अध्यक्ष प्रहलाद कुमार झा के बयान पर भी एफआईआर दर्ज की गई थी। जिसमें उनका पक्ष है कि उन्हें शाम 3 बजे हेमजा गांव निवासी मुकेश सिंह के घर पर ताला लगे रहने की जानकारी मिली, जिसे वह स्थानीय लोगों के समक्ष खोलने का प्रयास किया। जिसपर मुकेश सिंह ने उन्हें रोक दिया और कहा गया की अनंत सिंह आ रहे हैं, जिसके बाद ताला खुलेगा। इतने में अनंत सिंह अपने 15-20 समर्थकों के साथ वहां पहुंचे और पुलिस को मौके से हटने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह मामला वह अपने स्तर से देख लेंगे और उन्हें धक्का देकर किनारे कर दिया और मुकेश सिंह के घर का ताला खोलकर वहां से चले गए। इसी बीच उन्हें जानकारी मिली कि वह अपने समर्थकों के साथ सोनू मोनू के घर नौरंगा पहुंचे हैं। जहां पहुंचने से पहले ही गोली चलने की आवाज सुनाई दी। आनन-फानन में जब तक पुलिस वहां पहुंची तब तक अनंत सिंह अपनी गाड़ी में बैठकर वहां से चले गए। पुलिस को घटनास्थल से तीन खोखा बरामद हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

8 साल के बच्चे की पोखर में डूबकर मौत

■ समस्तीपुर में दोस्त के साथ नहाने गया था, पानी की गहराई के कारण हादसा

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के ताजपुर थाना क्षेत्र के रजका रामपुर मोरवा गांव में बुधवार को पोखर में डूबने से एक 8 साल के बच्चे की मौत हो गई। मृतक राकेश राम का बेटा सिद्धार्थ कुमार (8) है। घटना की सूचना पर पहुंची ताजपुर थाने की पुलिस ने शव को जब्त कर देर शाम सदर अस्पताल भेजा। मृतक के पड़ोसी बादल कुमार ने कहा कि बच्चे के पिता प्रदेश रहते हैं। गांव में वर्षों से नहीं आए हैं। मां की मौत पिछले साल हो गई थी। बहन है जो गांव में घर-घर काम कर सिद्धार्थ का पालन-पोषण कर रही थी। सिद्धार्थ गांव के ही अरुण राम के बेटे अंकुश कुमार के साथ घर के पास प्राइमरी स्कूल के पीछे पोखर के पास खेलने गया था। इसी दौरान नहाने लगा। पानी की गहराई ज्यादा थी, इस कारण हादसा हो गया। काफी देर बाद अंकुश ने गांव में जाकर लोगों को बताया कि सिद्धार्थ पोखर में डूब गया है। जिसके बाद लोगों ने लाश को पानी से बाहर निकाला। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। ताजपुर थाना अध्यक्ष सन्नी कुमार मौसम ने कहा कि पोखर में स्नान करने के दौरान बच्चे की डूब कर मौत हुई है। बच्चे की मां नहीं है। गांव में वह अपनी बड़ी बहन के साथ रहता था। शव को जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

किशनगंज में सड़क की बदहाली पर भड़के लोग

■ टेढ़ागाछ से बहादुरगंज तक निकाली बाइक रैली

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के टेढ़ागाछ-बहादुरगंज मुख्य मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। खराब सड़क के विरोध में बुधवार को हजारों ग्रामीणों ने टेढ़ागाछ से बहादुरगंज तक बाइक रैली निकाली। इस दौरान %रोड नहीं तो वोट नहीं% जैसे नारों से सड़कें गूंज उठीं। रैली टेढ़ागाछ प्रखंड मुख्यालय से शुरू होकर मटियारी, बेनुगढ़, लोचा और झींगाकाटा होते हुए बहादुरगंज कॉलेज ग्राउंड तक पहुंची। वहां आयोजित सभा में ग्रामीणों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उदासीनता पर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह सड़क वर्षों से खराब हालत में है, लेकिन स्थानीय विधायक इस दिशा में गंभीर नहीं हैं। उनका आरोप था कि पूर्व विधायक 17 साल और वर्तमान विधायक 5 साल तक पद पर रहे, लेकिन दोनों ही जनप्रतिनिधियों ने सिर्फ आश्वासन दिए, विकास नहीं किया। वर्तमान में इस मार्ग पर मरम्मत का कार्य जारी है, लेकिन प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह कार्य अधूरी योजना और लचर गुणवत्ता के साथ हो रहा है। उनकी मांग है कि सड़क का निर्माण पुर्नगठनात्मक और दीर्घकालिक सोच के साथ किया जाए। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें जल्द नहीं मानी गईं, तो यह जन आक्रोश और बड़ा रूप ले सकता है। प्रदर्शनकारियों ने भविष्य में जिला मुख्यालय का घेराव कर आंदोलन तेज करने की भी बात कही।

रक्षाबंधन के बाद गौनाहा में श्रद्धा और भक्ति का संगम, 45 फीट के रावण का होगा दहन

बेतिया (पश्चिमी चंपारण), एजेंसी। बेतिया के गौनाहा प्रखंड का एक अनोखा गांव है जहां रावण दहन की विशेष परंपरा निभाई जाती है। यह आयोजन रक्षाबंधन की रात से शुरू होकर अगले दिन तक पूरे उत्साह और आस्था के साथ चलता है। इस वर्ष गांव में 45 फीट लंबा रावण का पुतला तैयार किया जा रहा है। इसका निर्माण लगभग एक माह से जारी है। रावण निर्माण में 60 से अधिक युवा प्रतिदिन काम कर रहे हैं। पुतले के निर्माण में 5 दर्जन से अधिक बांस, 10 किलो कांटी, 15 किलो तार और 25 किलो प्लास्टिक का उपयोग हो रहा है। साथ ही 65 पीस सुतली की बोरियां, 5 लीटर पेंट और 33 हजार रुपये के पटाखे भी लगाए जा रहे हैं। इस आयोजन की एक विशेषता यह है कि यहां हनुमान जी की मूर्तियों की पूजा की जाती है। इस साल गांव में 150 छोटे और 12 बड़े हनुमान जी की मूर्तियां बनाई गई हैं। करीब 100 मूर्तियां बाहर से पूजा स्थल पर आने की संभावना है। बैंगलोर, लुधियाना, झारखंड और नेपाल जैसे दूर-दराज के क्षेत्रों से भी लोग मन्नत पूरी होने पर हनुमान जी की प्रतिमा चढ़ाने आते हैं। गांव के रामयोध्या महतो ने बताया कि जिगना के प्रेम महतो, पुरैनिया के विवेक महतो और विजय महतो को रेलवे में नौकरी लगने पर वे हनुमान जी की मूर्ति चढ़ाते हैं। पहकौल की एक महिला की बिहार पुलिस में नौकरी लगने पर भी ऐसा ही किया गया। यह आयोजन गांव के करीब 110 घरों से एकत्र की गई सहयोग राशि से संचालित होता है। इसमें रामयोध्या महतो, विनय कुमार, जगत नारायण महतो, श्याम नारायण महतो और गुड्डू महतो जैसे ग्रामीण अग्रणी भूमिका निभाते हैं। पूजा के बाद हनुमान जी की सभी मूर्तियों का विसर्जन पिपरा स्थित दोन कैनाल नहर में किया जाता है।

ट्रैक्टर चलाकर दिव्यांग पति का बनी सहारा पत्नी

लोन पर खरीदकर यूट्यूब से सीखा चलाना, बच्चों को पढ़ाकर अधिकारी बनाना चाहती

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज के सदर प्रखंड के जगिरी टोला की प्रमिला देवी पूरे जिले में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। उन्होंने समाज की रूढ़िवादी सोच को तोड़ते हुए अपनी हिम्मत से एक नई मिसाल पेश की है। प्रमिला ने अपने दिव्यांग पति का सहारा बनकर लोन लेकर ट्रैक्टर खरीदा। उन्होंने यूट्यूब पर वीडियो देखकर ट्रैक्टर चलाना सीखा और अब खुद इसे चलाती हैं। एक ऐसे समाज में जहां महिलाएं अक्सर घर की चारदीवारी तक सीमित मानी जाती हैं, प्रमिला ने अपने हाथों में ट्रैक्टर का स्टीयरिंग थामकर साबित किया है कि आत्मविश्वास से कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। उनके पति की दिव्यांगता ने उनके सामने कई चुनौतियां खड़ी कीं। लेकिन प्रमिला ने हार नहीं मानी। उन्होंने परिवार की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली और ऐसा काम करने का फैसला किया जिसे आमतौर पर पुरुषों का क्षेत्र माना जाता है। प्रमिला के लिए यह सफर आसान नहीं था। जब उन्होंने ट्रैक्टर चलाने का फैसला किया, तो उनके पति समेत आसपास के लोगों ने उन्हें काफी मना किया। उन्हें ताने दिए गए और कहा गया कि एक महिला के लिए ट्रैक्टर चलाना संभव नहीं है। लेकिन प्रमिला ने किसी की बात पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने मोबाइल पर वीडियो देखकर ट्रैक्टर चलाना सीखा और जल्द ही इसमें माहिर हो गईं। आज वही लोग जो कभी उनका विरोध करते थे, अब उनकी तारीफ करते नहीं थकते।

लोन लेकर ट्रैक्टर खरीदा था ट्रैक्टर

प्रमिला देवी ने पति को लकवा होने के बाद परिवार की जिम्मेदारी खुद उठाई। आर्थिक तंगी में उन्होंने 6 लाख का बैंक लोन लेकर ट्रैक्टर खरीदा।

शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक चलाती ट्रैक्टर

प्रमिला देवी अब अपनी कमाई से अपने पांच बच्चों, पति और ससुर का पालन-पोषण करती हैं। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में भी काफी सुधार आया है। उनका ट्रैक्टर अब शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों की सड़कों पर दौड़ता है। प्रमिला देवी का यह साहस महिला सशक्तिकरण का एक जीता-जागता उदाहरण है। वह उन हजारों महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन गई हैं, जो परिस्थितियों के कारण अपने सपनों को त्याग देती हैं। उन्होंने यह दिखा दिया है कि जब एक महिला ठान लेती है, तो वह न केवल अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकती है, बल्कि समाज में भी अपनी एक अलग पहचान बना सकती है। लोग उनकी हिम्मत और लगन की तारीफ कर रहे हैं।

पहले ड्राइवर रखा, लेकिन खर्च ज्यादा था, इसलिए मोबाइल से वीडियो देखकर खुद ट्रैक्टर चलाना सीखा। आज खुद खेत जोतने और मिट्टी ढुलाई से अच्छी कमाई कर रही हैं। समाज की बातों को नजरअंदाज कर उन्होंने अपने आत्मबल से मिसाल कायम की। वे चाहती हैं कि उनके बच्चे पढ़-लिखकर अधिकारी बनें। पति दिव्यांग हैं और आठ परिवारों का खर्च प्रमिला अकेले उठाती हैं। समाज ने शुरुआत में विरोध किया, पर अब उनकी सराहना करता है। उनका कहना है कि सरकार को ऐसे मेहनती लोगों की ओर ध्यान देना चाहिए और सहयोग करना चाहिए।

गयाजी में हथियार के साथ 4 अपराधी गिरफ्तार:लूट की रच रहे थे साजिश

गया, एजेंसी। गयाजी के कोतवाली पुलिस ने बुधवार को 4 युवकों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 2 के पास 4 देसी कट्टा और 4 मैगजीन बरामद हुए हैं। साथ ही एक बाइक और एक स्कूटी भी जब्त की गई है। पुलिस का कहना है कि ये सभी लूट की साजिश रच रहे थे। एसपी सिटी रामानंद कौशल ने बताया कि 5 अगस्त की रात पुलिस को सूचना मिली थी कि वारिस नगर इलाके में फल्गु नदी किनारे कुछ संदिग्ध युवक जमा हैं। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने तत्काल छापेमारी की। पुलिस को देखते ही चारों युवक भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर सभी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस को शक, हथियार भी सप्लाई करते हैं : गिरफ्तार युवकों की पहचान तैयब, अरबाज, हैदर और विलाल के रूप में हुई है। सभी से पूछताछ जारी है। पुलिस को शक है कि ये युवक सिर्फ लूट ही नहीं, हथियार

सप्लाई के धंधे से भी जुड़े हो सकते हैं। एसपी सिटी ने बताया कि सभी के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। हथियार कहां से आए, किसे देने वाले थे, इसके पीछे कौन लोग हैं इन तमाम बिंदुओं पर पुलिस छानबीन कर रही है। फिलहाल चारों को कोतवाली थाने में रखकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का मानना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं होती, तो ये युवक किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते थे।

छपरा में पूर्व मेयर की विवादित पोस्टर कांड का खुलासा: प्रिंटिंग प्रेस संचालक गिरफ्तार

छपरा/ सारण, एजेंसी। छपरा शहर में पूर्व मेयर राखी गुप्ता का विवादित पोस्टर लगाए जाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने पोस्टर प्रिंट करने वाले प्रेस पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में प्रेस संचालक कुंदन राज को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी कुंदन वीर कुंवर सिंह कॉलोनी काशीबाजार, भगवानबाजार का रहने वाला है। पुलिस ने इस साजिश में शामिल अन्य लोगों की भी पहचान कर ली है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। कुछ दिन पहले छपरा शहर के प्रमुख स्थलों पर विवादित पोस्टर लगाए

गए थे। इन पोस्टरों में पूर्व मेयर राखी गुप्ता की फोटो को फोटोशॉप के जरिए राजद नेताओं और विधायक के साथ अशोभनीय ढंग से प्रस्तुत किया गया था। ये पोस्टर रात में लगाए गए और सुबह होते ही शहर में चर्चा का विषय बन गए। घटना के बाद राखी गुप्ता के पति वरुण प्रकाश ने नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

छवि खराब करने की नीयत से लगाया पोस्टर : वरुण प्रकाश ने अपनी शिकायत में बताया कि उनकी पत्नी की छवि खराब करने की नीयत से यह कृत्य किया गया है। पुलिस ने नगर थाना कांड संख्या 755/25 दर्ज कर जांच शुरू की। एसएसपी कुमार आशिष के नेतृत्व में गठित टीम ने वैज्ञानिक तरीके से जांच की। जांच में पता चला कि पोस्टर शहर के एक निजी प्रिंटिंग प्रेस में तैयार किए गए थे। पुलिस का मानना है कि इस घटना के पीछे आपसी राजनीतिक द्वेष और पूर्व मेयर की छवि खराब करने की साजिश है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

टीचर्स को मनचाहे जिलों में मिलेगी पोस्टिंग: सीएम नीतीश बोले- ट्रांसफर पोस्टिंग के लिए होंगे 3 ऑप्शन

पटना, एजेंसी। बिहार में शिक्षकों को अब उनके मनचाहे जिलों में पोस्टिंग मिलेगी। इसके लिए टीचर्स को अब 3 जिलों के ऑप्शन दिए जाएंगे। जिसके बाद उन्हीं जिलों में शिक्षकों की पोस्टिंग की जाएगी। ये जानकारी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स पर दी। सीएम ने लिखा- शिक्षा विभाग की ओर से हाल ही में शिक्षकों के ट्रांसफर के बारे में अलग-अलग स्रोतों से सुझाव प्राप्त हो रहे हैं। इसकी समीक्षा के क्रम में मैंने शिक्षा विभाग को स्पष्ट निदेश दिया है कि इंटर स्टेट ट्रांसफर संबंधी जिन शिक्षकों की भी समस्या है, उनसे 3 जिलों का विकल्प प्राप्त किया जाएगा, जिसके बाद उन्हीं जिलों में उनकी पोस्टिंग की जाएगी। सीएम ने लिखा, जिलों के अंदर पोस्टिंग का काम जिला पदाधिकारी की समिति की ओर से किया जाएगा ताकि जल्द से जल्द टीचर्स की इच्छा अनुसार उनकी पोस्टिंग की जा सके।

शिक्षकों की ट्रांसफर और पोस्टिंग 10 सितंबर तक होगी : शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग की समस्या का

समाधान डीएम करेंगे। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने गुरुवार को कहा, 31 अगस्त तक शिकायतों का निपटारा कर ट्रांसफर-पोस्टिंग का काम 10 सितंबर तक पूरा किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने सभी डीएम और डीईओ को पत्र लिखा है। लेटर के मुताबिक, जिले के अंदर ट्रांसफर की समस्या का समाधान जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्थापना समिति करेगी। अंतर जिला ट्रांसफर पोस्टिंग की समस्या का समाधान स्थापना समिति द्वारा करने के बाद इसकी जानकारी प्राथमिक शिक्षा निदेशक को दी जाएगी। उसके बाद नए सिरे से ट्रांसफर-पोस्टिंग की जाएगी।

बिहार में शिक्षा विभाग ने अब तक 10,322 महिला शिक्षकों की ट्रांसफर-पोस्टिंग कर दी है। विभाग के मुताबिक, 881 महिला शिक्षिकाएं जिन्हें जिले तो आवंटित किए गए थे, लेकिन स्कूल नहीं मिला था, उन्हें भी स्कूल आवंटित कर दिए गए हैं। साथ ही 1063 शिक्षिकाएं, जिन्हें स्कूल में टीचर की संख्या कम होने के कारण न तो जिला और ना ही स्कूल आवंटित हो सका था, उन्हें भी स्कूल में पोस्टिंग मिल गई। बाकी 6335 शिक्षिकाओं को जिला आवंटित किया गया। इन सभी को जिला आवंटन के बाद जिला स्थापना समिति स्कूल आवंटित करेगी। इस लिस्ट के अनुसार 2,043 शिक्षकों को जिला और स्कूल का आवंटन किया गया है, जबकि 6,335 शिक्षकों को केवल जिला आवंटित किया गया।

मुजफ्फरपुर में ड्राइवर से कैश और बाइक की लूट

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में रैपिडो ड्राइवर से बाइक और 15 हजार रुपए की लूट हुई है। विरोध करने अपराधियों ने गोली मार दी। बुलेट दाहिने जांघ में लगी है। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना करजा थाना क्षेत्र की है। घायल की पहचान

शिवहर थाना रोड निवासी मो. शाहनवाज हुसैन(29) के तौर पर हुई है। पीड़ित ने बताया कि देर रात 1 बजे के करीब बाइक से पटना से घर के लिए निकला था। करजा के चिकनौटा स्थित लालू राबड़ी मोड़ के पास बाइक सवार 3 अपराधियों ने गन पॉइंट पर रोक लिया। बाइक और पैसा देने को कहा। मना करने पर गोली चला दिया। बुलेट लगते ही जमीन पर गिर पड़ा। इस बीच गाड़ी और 15 हजार कैश लूटकर सभी फरार हो गए। इसके बाद अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिवार के सदस्यों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। बैरिया स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट कराया। अपराधियों का फेस ओपन था।

पेसा कानून 6 सितंबर तक लागू करें या सचिव कोर्ट में पेश होकर स्पष्टीकरण दें : हाईकोर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड में पेसा कानून लागू न किए जाने को लेकर दाखिल अवमानना याचिका पर मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव कोर्ट में मौजूद थे। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने सचिव से पूछा कि कोर्ट के आदेश का अब तक पालन क्यों नहीं किया गया। इसमें इतनी देरी क्यों हो रही है। छह सितंबर को अगली सुनवाई तक इसे लागू करें वरना कोर्ट में पेश होकर स्पष्टीकरण दें।

हाईकोर्ट ने जुलाई 2024 में पेसा कानून को लेकर दाखिल जनहित याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की थी। सरकार को दो माह में नियमावली बनाने का निर्देश दिया था। लेकिन अब तक इसका पालन नहीं हुआ। इसके बाद आदिवासी बुद्धिजीवी मंच ने अवमानना याचिका दाखिल की। याचिकाकर्ता के वकील अजीत कुमार ने कोर्ट को बताया कि आदिवासियों के हितों और उत्थान के लिए 25 साल पहले झारखंड गठन किया गया था। लेकिन अब तक सरकार पेसा नियमावली नहीं बना सकी। जबकि पेसा एक्ट 1996 में ही बना था। वहीं सरकार की ओर से बताया गया कि नियमावली लागू करने की प्रक्रिया जारी है। इस पर काम हो रहा है। राज्य में पंचायती राज अधिनियम और दूसरे एक्ट के माध्यम से पेसा कानून के प्रावधानों को लागू किया गया है।

डिस्चार्ज से पहले ही माताओं को दिया जा रहा नवजात का जन्म प्रमाण पत्र

जमशेदपुर, एजेंसी। बच्चे के जन्म के पहले ही अब उसका नाम माता-पिता को तय कर लेना होगा. क्योंकि जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (शहरी और ग्रामीण) तथा सदर अस्पताल, जमशेदपुर में नवजात शिशुओं के जन्म के बाद डिस्चार्ज से पहले ही जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने की व्यवस्था प्रारंभ कर दी गयी है. एक बार जन्म प्रमाण पत्र बन जाने के बाद उसमें किसी तरह की छेड़छाड़ लंबी प्रक्रिया होगी. इस व्यवस्था का उद्देश्य जन्म पंजीकरण प्रक्रिया को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाना है, ताकि सभी नवजातों का समय पर पंजीकरण सुनिश्चित हो सके. उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि यह पहल न केवल बच्चों के अधिकारों की रक्षा, सरकारी योजनाओं से जोड़ने और प्रमाणिक पहचान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है, बल्कि प्रमाण पत्र बनाने में होने वाले विलंब को भी दूर करने का प्रयास है. जन्म के तुरंत बाद संबंधित कर्मियों द्वारा जन्म प्रमाण पत्र तैयार कर माताओं को डिस्चार्ज से पहले ही सौंपा जा रहा है. अस्पताल प्रबंधन और नगर निगम, नगर परिषद के बीच समन्वय स्थापित कर प्रक्रिया को सहज बनाया गया है. जिन प्रसूताओं के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं होते, उनके लिए ऑन स्पॉट सहयोग की व्यवस्था भी की गयी है.

गोलमुरी में शिबू सोरेन को चाय पर चर्चा ग्रुप ने दी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर, एजेंसी। गोलमुरी में सुधीर चाय दुकान के समीप जननेता शिबू सोरेन की तस्वीर पर सैकड़ों लोगों ने पुष्प अर्पित कर उनको श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन रख कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. कार्यक्रम की अध्यक्षता चाय पर चर्चा ग्रुप के अध्यक्ष नौशाद खान ने की. उन्होंने कहा कि गुरुजी सिर्फ एक दल के नेता नहीं थे, बल्कि वो जननेता थे, उनका सहज स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और प्रभावशाली नेतृत्व उनको जनप्रिय बनाता था, उनका जाना राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है. श्रद्धांजलि सभा में विशेष रूप से दिनेश कुमार, प्रोबीर चटर्जी राणा, हरे राम यादव, अभिषेक कुमार, वसीम खान, कुमार आशुतोष, सुरा बिरुली, उपेंद्र बानरा, मनीष बानरा, रवि स्वाइयां, राम मिश्रा, सूरज कुमार, सुरेंद्र सिंह शिंदे, काजू शांडिल्य, साकेत कुमार, पंकज शर्मा, दीपक कुमार सिंह, नरेंद्र सिंह पिंटू, ऋषभ सिंह, निर्मल गोप, अनिकेत कुमार, सुधीर मंडल, मुमताज, दीपक मुखर्जी, संदीप सेनगुप्ता, शंकर सामड़ आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे.

झारसेवा पोर्टल का होगा विस्तार, जिले के सभी पैक्सों को मिलेगी आइडी : डीसी

धनबाद, एजेंसी। जिला इ-गवर्नेंस सोसाइटी (डीइजीएस) की कार्यकारिणी की बुधवार को समाहरणालय में उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिले में झारसेवा पोर्टल की सुविधाओं के विस्तार को लेकर कई अहम निर्णय लिये गये. डीसी ने निर्देश दिया कि जिले के सभी 46 पैक्स (प्राथमिक कृषि साख समिति) को झारसेवा आइडी उपलब्ध करायी जाये, ताकि ग्रामीण स्तर पर ही लोगों को जाति, निवास, आय, ओबीसी, इडब्ल्यूएस और विवाह प्रमाण-पत्र जैसी सुविधाएं मिल सकें. जिले के 1723 कॉमन सर्विस सेंटर को झारसेवा से जोड़ने से पहले संबंधित बीडीओ और सीओ से जांच करायी जायेगी. डीसी श्री रंजन ने जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी के खातों की ऑडिट कराने का निर्देश दिया, ताकि वित्तीय कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे।

जमशेदपुर में क्रिकेट का सूखा जल्द होगा खत्म पटमदा में बनेगा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी की उम्मीदें तेज हो गई हैं। शहर का ऐतिहासिक कीनन स्टेडियम लगभग दो दशकों से अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी के लिए अनुपयुक्त बना हुआ है, जिसकी वजह से यहां क्रिकेट का बड़ा आयोजन नहीं हो सका है।

इस लंबे इंतजार को खत्म करने के लिए झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने पटमदा अंचल के गेंगाड़ा गांव में एक नया अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

बुधवार को जेएससीए सचिव सौरभ तिवारी ने अधिकारियों के साथ प्रस्तावित 49.5 एकड़ भूमि का निरीक्षण किया और पहुंच मार्ग को निर्माण की सबसे बड़ी बाधा बताया।

एक समय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का एक प्रमुख केंद्र रहा जमशेदपुर का कीनन स्टेडियम आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। इस मैदान पर आखिरी अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय मैच 2006 में भारत और इंग्लैंड के बीच खेला गया था।

उसके बाद से स्टेडियम की स्थिति लगातार खराब होती गई। स्टेडियम के कई स्टैंड्स की

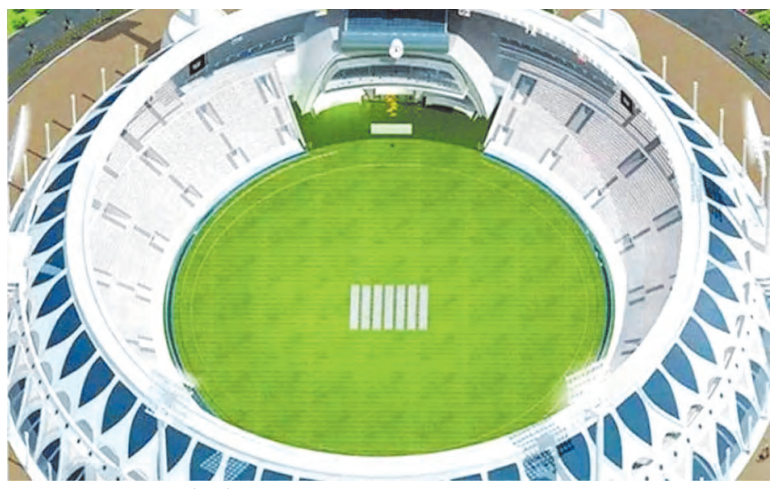

हालत जर्जर हो चुकी है और उन्हें दर्शकों के लिए असुरक्षित मानकर बंद कर दिया गया है।

टाटा स्टील के स्वामित्व वाले इस स्टेडियम में अब केवल घरेलू रणजी ट्रॉफी और अन्य छोटे मैच ही होते हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा न उतर पाने के कारण यह शहर क्रिकेट के वैश्विक नक्शे से लगभग गायब हो गया है, जिससे स्थानीय खेल प्रेमियों में भारी निराशा है।

शहर के इसी क्रिकेट सूखे को समाप्त करने के लिए जेएससीए ने अब पूरी ताकत झोंक दी है। बुधवार को जेएससीए के सचिव सौरभ तिवारी ने पटमदा अंचल के गेंगाड़ा गांव का दौरा किया, जहां नए स्टेडियम के लिए जमीन की पहचान की गई है।

उन्होंने पटमदा के अंचलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र कुमार दास और अन्य स्थानीय अधिकारियों की टीम के साथ 49.5 एकड़ की इस सरकारी भूमि का गहनता से निरीक्षण किया। इस दौरान जमीन की भौगोलिक स्थिति, स्टेडियम तक पहुंचने के रास्ते और संभावित अड़चनों का आकलन किया गया।

अधिकारियों की मौजूदगी में इस स्थल पर स्टेडियम के लिए प्रस्तावित भूमि का बोर्ड भी लगा दिया गया। अंचलाधिकारी ने पुष्टि की कि यह भूमि खाता संख्या 416 और प्लाट संख्या 1624 के तहत झारखंड सरकार की है, जिसे स्टेडियम निर्माण के लिए प्रस्तावित किया गया है। निरीक्षण के बाद जेएससीए सचिव सौरभ तिवारी ने जिला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी और अपर उपायुक्त भगीरथ प्रसाद से मुलाकात की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि स्टेडियम के निर्माण और भविष्य में इसके सफल संचालन के लिए सबसे बड़ी चुनौती गेंगाड़ा तक पहुंचने वाली सड़क है।

उन्होंने बताया कि कटिन चौक से गोपालपुर होते हुए गेंगाड़ा जाने वाली सड़क वर्तमान में केवल 15 फीट चौड़ी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों और भारी वाहनों के आवागमन के लिए यह चौड़ाई बिल्कुल अपर्याप्त है। तिवारी ने प्रशासन से अनुरोध किया कि स्टेडियम निर्माण को व्यावहारिक बनाने के लिए इस सड़क को तत्काल चौड़ा किया जाए।

सरकार से मिला सकारात्मक संकेत

सौरभ तिवारी ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध पहले ही किया जा चुका है और सरकार की ओर से इस पर सकारात्मक रुख दिखाया जा रहा है।

उन्होंने स्थानीय लोगों को यह विश्वास दिलाया कि स्टेडियम निर्माण का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ होगा और इसमें स्थानीय लोगों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

इस पहल का स्वागत करते हुए समाजसेवी विश्वनाथ महतो ने कहा कि यह स्टेडियम इस क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा और स्थानीय युवाओं को खेल की दुनिया में आगे बढ़ने के अनगिनत अवसर प्रदान करेगा।

कबाड़ से कला : रांची नगर निगम ने टायरों में उकेरी हरियाली, मंत्रमुग्ध हुए लोग

रांची, एजेंसी। एक शहर को हाइटेक टेक्नोलॉजी ही स्मार्ट नहीं बनाती है। बल्कि सोच में रचनात्मकता का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। रांची नगर निगम, शहर को खूबसूरत बनाने के लिए अलग ही राह अपना चुका है। निगम ने पहल करते हुए डोरंडा पोस्ट ऑफिस के ठीक सामने कबाड़ के टायरों से खूबसूरती को उकेरा है। यहां टायर रंग-बिरंगे बागीचों में बदल चुके हैं।

यह बदलाव सिर्फ सजावट नहीं है। बल्कि पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, संसाधनों के दोबारा इस्तेमाल और समाज को नई सोच देने की पहल है। पुराने टायरों को पहले धोया गया, फिर उनमें रंग भरा गया और अब ये टायर छोटे-छोटे ग्रीन जोन में तब्दील हो चुके हैं।

जिसे बेकार समझा वही बना रांची का श्रृंगार

सड़क किनारे जंग खा रहे टायर अब वहां खड़े हैं जैसे किसी कलाकार की मूर्तियां हो। इन टायरों में फूल और पौधे लगे हैं और चारों ओर एक सौंदर्य का अहसास फैल गया है। इस पहल के पीछेएक सोच है, जो चीजें अनुपयोगी लगती हैं, उन्हीं से शहर को संवारा जा सकता है, बशर्ते नजरिया रचनात्मक हो। यह काम नगर निगम की उस टीम का है जो अब पारंपरिक साफ-सफाई और निर्माण की सोच से आगे बढ़कर कला, पुनः उपयोग और नवाचार की राह पर आगे बढ़ रही है।

कबाड़ से कला

यह पूरी पहल रीथिंक रांची जैसी लगती है, एक ऐसा प्रयोग जिसमें हम रोजमर्रा की बेकार चीजों को एक नया आकार और उद्देश्य दे रहे हैं। निगम की इस टीम का नेतृत्व कर रहे सिटी मैनेजर संदीप कुमार, जिनके सुझाव पर यह अभिनव प्रयोग शुरू किया गया, उनका मानना है कि शहर को सजाने के लिए सिर्फ बजट नहीं, आइडिया और कमिटमेंट चाहिए। हमारे शहर में कबाड़ बहुत है। लेकिन अगर सही दिशा दी जाए तो वही कबाड़ शहरी सुंदरता में योगदान दे सकता है। यह परियोजना इसी सोच की शुरुआत है। कला और हरियाली का मेल-संदीप कुमार, सिटी मैनेजर

स्क्रैप मेटेरियल से बनी है एक से बढ़कर एक कलाकृतियां

इस प्रोजेक्ट में कला और पर्यावरण का ऐसा संगम है जो न केवल सुंदर दिखता है, बल्कि समाज को संदेश भी देता है। जहां एक ओर पुराने टायर अब सजावटी घेराबंदी का काम कर रहे हैं, वहीं उनमें पौधे शहरी हरियाली बढ़ाने का काम भी कर रहे हैं। ऐसा ही प्रयोग पहले एयरपोर्ट रोड पर किया गया था, जहां स्क्रैप मेटेरियल से तैयार की गई कलाकृतियों ने राहगीरों का ध्यान खींचा था। वहां की दीवारों पर स्थानीय संस्कृति और जनजातीय जीवन से जुड़ी आकृतियां उकेरी गई थी। अब उसी सोच को शहर के दूसरे हिस्सों तक फैलाया जा रहा है।

थ्री आर पर आधारित सोच

रांची नगर निगम की टीम इस परियोजना को थ्री आर सिद्धांत पर आगे बढ़ा रही है। यानी संसाधनों का कम से कम इस्तेमाल, पुराने सामानों को फिर से उपयोग में लाना और जितना हो सके उतना रिसाइक्लिंग करना। यह न सिर्फ पर्यावरण के लिए बेहतर है, बल्कि इसके जरिए शहर को एक स्थायी और टिकाऊ मॉडल पर विकसित किया जा रहा है। खास बात यह है कि इससे नागरिकों के मन में भी यह सोच पैदा हो रही है कि घरों में पड़ा बेकार सामान भी खूबसूरत बन सकता है।

स्क्रैप से बनाया गया था बिरसा मुंडा का पुतला

इस पूरी पहल को लेकर नगर निगम अब इसे जनभागीदारी का रूप देना चाहता है। यानी निगम अब शहर के लोगों को भी जोड़ना चाहता है कि वे भी अपने मोहल्लों, गलियों, चौक-चौराहों को अपने स्तर पर सजा-संवार सकें। जल्द ही एक अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें लोगों को सिखाया जाएगा कि कैसे टूटी बाल्टी, पुरानी बाइक की टंकी, स्कूटर के मिरर या कबाड़ में पड़े टायरों से सुंदर बगीचे, शोपीस या सीटिंग स्पेस तैयार किए जा सकते हैं।

यह कोई पहला मौका नहीं है जब रांची नगर निगम ने स्क्रैप से कुछ रचनात्मक करने की कोशिश की हो। ऐसे ही कुछ साल पहले, नगर निगम कार्यालय के मुख्य द्वार पर स्थापित की गई बिरसा मुंडा की कलाकृति भी स्क्रैप से ही तैयार की गई थी-गौतम कुमार, अधिकारी, रांची नगर निगम

इतिहास और तकनीक का मेल

आयरन वेस्ट मेटेरियल, बाइक की चेन, गियर, पुराने वाहन के पुर्जे और मेटल स्क्रैप से बनी इस प्रतिमा ने न सिर्फ लोगों का ध्यान खींचा था, बल्कि यह भी बताया था कि इतिहास और तकनीक का मेल कैसे प्रेरणादायी हो सकता है। अब निगम की योजना है कि इस प्रयोग को शहर के अन्य हिस्सों तक पहुंचाया जाए। कांटा टोली, अल्बर्ट एक्का चौक, बिरसा चौक और अन्य प्रमुख स्थलों पर कबाड़ से बनी कलाकृतियां लगाने की योजना तैयार की जा रही है।

शहर के स्मार्ट बनने में संवेदना और सृजन की भागीदारी

इस प्रयोग से रांची न केवल एक अलग पहचान बना रही है, बल्कि यह उदाहरण भी पेश कर रही है कि छोटे शहर भी पर्यावरण और कला के क्षेत्र में नई सोच से आगे बढ़ सकते हैं। शहर का स्मार्ट बनना सिर्फ टेक्नोलॉजी नहीं, संवेदना और सृजन से भी होता है। रांची नगर निगम का यह प्रयोग यह बताता है कि स्मार्टनेस का मतलब सिर्फ हाई-फाई इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं, बल्कि ऐसी सोच जो बेकार चीजों को उपयोगी बना सके।

आईआईएम रांची में अब नहीं होगा मिड-टर्म परीक्षा

रांची, एजेंसी। आइआइएम रांची ने प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल की है। संस्थान ने पारंपरिक परीक्षा हाल आधारित मिड-टर्म परीक्षाओं को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इसकी जगह (एआइ) आधारित व्यवसायिक समस्या-समाधान प्रोजेक्ट्स को लागू किया है। इस पहल को वाई यानी वर्किंग विद एआइ प्रोजेक्ट का नाम दिया गया है।

यह पूर्व के मूल्यांकन पद्धति से पूरी तरह अलग है। वाई के अंतर्गत वर्तमान समय की व्यावसायिक चुनौतियों और शिक्षण दर्शन का समावेश किया गया है।

आइआइएम रांची ने बीते अकादमिक वर्ष से ही अपने पाठ्यक्रम को बदलना शुरू कर दिया था और व्यावहारिक व्यवसायिक समस्या, चुनौतियों और उनके समाधान को केंद्र में रखकर पाठ्यक्रम तैयार करने की पहल शुरू की है।

इस संबंध में निदेशक प्रो. दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि पारंपरिक व्यावसायिक पद्धति की तुलना में आधुनिक व्यवसाय, व्यापार और प्रबंधक की जिम्मेदारियों में परिवर्तन आया है। इसके लिए केवल किताबी ज्ञान काफी नहीं है बल्कि बाजार की मांग के अनुरूप तकनीकी व्यवस्थाओं को अपनाने की आवश्यकता है। वर्तमान समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। इसके सहयोग से तकनीक आधारित जटिल समस्याओं का समाधान और कार्य क्षमता को विकसित किया जा सकता है। स्टूडेंट एंगेजमेंट एंड डेवलपमेंट कमेटी (एसइडीसी) के चेयरपर्सन प्रो. गौरव मनोहर मराठे ने कहा संस्थान ने केवल मिड-टर्म परीक्षा पद्धति में बदलाव किया है। हालांकि मिड-टर्म परीक्षा पारंपरिक हाल रूम व पेन एंड पेपर मोड पर ही होगी। शिक्षण पद्धति में हाइब्रिड माडल को शामिल करने से विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, रचनात्मक लेखन और सैद्धांतिक स्पष्टता के साथ-साथ तकनीकी दक्षता को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल प्रबंधन शिक्षा में भविष्य की दिशा तय करेगी।

सीएम 14 अगस्त तक नेमरा में रहेंगे, 'तीन कर्मा' की तैयारी

रांची, एजेंसी। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की अंत्येष्टि के बाद होने वाले पारंपरिक अनुष्ठानों की तैयारियां तेज हो गई हैं। गुरुजी का श्राद्धकर्म 10 दिन तक चलेगा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 14 अगस्त तक नेमरा में ही रुकेंगे।

इधर, बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पैतृक गांव नेमरा में ग्रामीणों के साथ पारंपरिक 'तीन कर्मा' (तीन नहान, दस कर्म और श्राद्ध) से जुड़े कार्यक्रमों पर चर्चा की। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के साथ स्थानीय परंपरा से संबंधित अनुभवों को साझा किया। कई सुझाव दिए। इसके बाद हेमंत सोरेन ने बारिश के बीच गांव में दशकर्म के आयोजन को लेकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, टेंट, भोजन स्थल और साफ-सफाई की स्थिति का निरीक्षण किया। साफ-सफाई की जानकारी ली। अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

कई मंत्री-नेता नेमरा पहुंचे, अखिलेश 10 को आएंगे इस बीच, शोक संवेदना जताने वालों का सिलसिला भी जारी है। इधर, बुधवार सुबह सांसद जोबा मांझी और वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने नेमरा पहुंचकर गुरुजी को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री को सांत्वना दी। वहीं, मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने नेमरा ने श्राद्धकर्म की तैयारियों का जायजा लिया। उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी 10 अगस्त को नेमरा पहुंचेंगे।

प्रदेश के 6 जिलों में आंधी के साथ भारी वर्षा-वज्रपात का येलो अलर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड के 6 जिलों में 8 अगस्त 2025 (शुक्रवार) को भारी वर्षा की चेतावनी दी गयी है. मौसम विभाग ने कहा है कि संताल परगना के 6 जिलों में आंधी के साथ वर्षा-वज्रपात होने की संभावना है. इसलिए लोगों को सावधान और सतर्क रहने की जरूरत है.

मौसम केंद्र रांची के प्रमुख अभिषेक आनंद ने कहा है कि संताल परगना के देवघर, जामताड़ा, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ जिले में कुछ जगहों पर शुक्रवार को 7 से 11 सेंटीमीटर यानी 70 से 110 मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है.

मौसम विभाग ने कहा है कि मानसून ट्रफ इस वक्त फिरोजपुर, चंडीगढ़ से होते हुए हिमालय और अरुणाचल प्रदेश की ओर बढ़ रहा है. बांग्लादेश में जो चक्रवातीय परिसंचरण बना हुआ है, वह दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है. इसका असर झारखंड के मौसम पर देखने को मिलेगा. उन्होंने बताया कि झारखंड में पिछले 24 घंटे के दौरान मानसून

सामान्य रहा. लगभग सभी जगहों पर गरज के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई. कहीं-कहीं भारी वर्षा भी हुई. सबसे अधिक 75.2 मिलीमीटर वर्षा पश्चिमी सिंहभूम के डुमुरिया में हुई. इस दौरान सबसे अधिक उच्चतम तापमान सारयकेला में और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार जिले में दर्ज किया गया. सरायकेला का उच्चतम तापमान 35.4 डिग्री और लातेहार का न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस रहा. अगले 3 दिन में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आने की संभावना है।

कड़िया मुंडा से मिलने पहुंचे पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, टूटे पुल और डायवर्सन को लेकर सरकार पर उठाए सवाल

खूंटी, एजेंसी। 19 जून को भारी बारिश के बीच खूंटी की बनई नदी में पुल ढहे दो महीने हो गए हैं। अभी तक वैकल्पिक डायवर्सन का निर्माण नहीं हो सका है। पथ निर्माण विभाग की कार्यशैली और जनप्रतिनिधियों के उदासीन रवैये को लेकर जिले में राजनीतिक बयानबाजी जारी है। पूर्व सीएम और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने बाईपास और टूटे पुल से हो रही परेशानियों को लेकर सरकार की जमकर आलोचना की है।

बुधवार को अर्जुन मुंडा पद्मभूषण से सम्मानित कड़िया मुंडा से मिलने उनके आवास गए। उन्होंने बीमार कड़िया मुंडा से मुलाकात की और उनका हाल जाना। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने झारखंड सरकार और क्षेत्र के विधायकों समेत सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए।

अर्जुन मुंडा ने कहा कि खूंटी बाईपास के मुद्दे पर राज्य सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौन और निष्क्रिय हैं। जब तक किसानों को मुआवजा देकर जमीन का अधिग्रहण नहीं हो जाता, तब तक निर्माण शुरू नहीं हो सकता। सड़कें जमीन पर बनती हैं, आसमान में नहीं। उन्होंने कहा कि बिना जमीन अधिग्रहण के केंद्र सरकार टेंडर जारी नहीं कर सकती। टेंडर प्रक्रिया की अपनी लागत होती है। जब तक 80 प्रतिशत जमीन का अधिग्रहण नहीं हो जाता, टेंडर जारी नहीं किया जाएगा।

खूंटी में बनई नदी पर बने पुल के ढहने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कई जगहों पर पुल-पुलिया टूटे हुए हैं। सरकार और विभाग को इस ओर ध्यान देना चाहिए। जहां मजबूत डायवर्सन की जरूरत है, वहां तुरंत डायवर्सन बनाया जाना चाहिए।

अर्जुन मुंडा ने कहा कि वे कर्रा होते हुए खूंटी आए। रास्ते में उन्होंने देखा कि ग्रामीण सड़कों पर बड़े और भारी वाहन दौड़ रहे हैं। सवाल यह है कि क्या ये सड़कें भारी वाहनों के लिए उपयुक्त हैं। प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए। इससे गांव की सड़कें खराब होंगी और ग्रामीणों को परेशानी होगी। इन सड़कों को भारी वाहनों के लिए उपयुक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि एक तरफ गांव की सड़कें जर्जर हैं, दूसरी तरफ़ पुल-पुलिया टूटे हुए हैं।

बता दें कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और पद्म भूषण कड़िया मुंडा पिछले एक महीने से बीमार हैं और कुछ दिन पहले ही इलाज के बाद अस्पताल से लौटे हैं। आम्रेश्वर धाम में पूजा-अर्चना के बाद पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा सीधे अनिगड़ा स्थित पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा के आवास पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच सब ठीक नहीं?

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में सीएम देवेंद्र फडणवीस ने एकनाथ शिंदे के आदेश को पलट दिया है जिसके बाद उनके बीच मतभेदों को और हवा मिल गई है। यहां मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक ही पद पर नियुक्ति को लेकर अलग-अलग आदेश जारी कर दिए। इसके बाद एक ही पद पर दो अलग-अलग उम्मीदवारों की नियुक्ति को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई। जानकारी के मुताबिक शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शहरी विकास विभाग ने अश्विनी जोशी को बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन प्रशासन के महाप्रबंधक का अतिरिक्त प्रभार सौंपने का आदेश जारी किया था। हालांकि इसके ठीक बाद मुख्यमंत्री फडणवीस के ऑफिस ने भी एक आदेश जारी कर शिंदे के आदेश को पलट दिया और उस पद पर आशीष शर्मा को नियुक्त कर दिया। इससे पहले हाल ही में इस पद को संभाल रहे महाप्रबंधक एसवीआर श्रीनिवास रिटायर हो गए थे। राज्य सरकार को अगले जनरल मैनेजर के पद के लिए अधिकारी की नियुक्ति करनी थी, जिसके बाद शिंदे और फडणवीस ने दो-दो अधिकारियों को एक ही पद दे दिया। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साधने से नहीं चुकी। एनसीपी (शरद पवार) के विधायक रोहित पवार ने सोशल मीडिया पर कहा, महायुति सरकार का 'सर्वश्रेष्ठ समन्वय'। इस बीच इंडिया टुडे ने बताया कि इस मामले पर फडणवीस से प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई तो उन्होंने जवाब दिया है कि उन्हें इस विषय की कोई जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि देवेंद्र फडणवीस के सीएम पद की शपथ लेने के बाद से ही उनके और एकनाथ शिंदे के बीच अनबन की अफवाहें चल रही हैं। इससे पहले बीते फरवरी में भी फडणवीस ने शिंदे के कुछ फैसलों को पलट दिया था जिसके बाद अफवाहों को और बल मिला था।

छत्तीसगढ़ में जमीन के नीचे मिला बड़ा खजाना

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में जमीन के नीचे भारी मात्रा में खजाना की खोज हुई है। 'मेसर्स डेक्कन गोल्ड माइनिंग लिमिटेड' ने हाल ही में राज्य के ज्वाइंट लाइसेंस एरिया में तीन कीमती खनिजों की खोज की है। इन खनिजों के नाम निकल, क्रोमियम और प्लेटिनम हैं। अधिकारियों के मुताबिक ये खोज महासमुंद जिले के भालुकोना-जामनीडीह निकल, क्रोमियम और पीजीई ब्लॉक में हुई है। ये इलाका लगभग तीन हजार हेक्टेयर में फैला हुआ है। इस इलाके की शुरूआती खोजबीन भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा जी 4 स्तर पर की गई थी। इसके बाद ये संभावना दिखाई पड़ी थी कि यहां इन खनिजों की मौजूदगी हो सकती है। इस आधार पर, छत्तीसगढ़ शासन के खनिज साधन विभाग के तहत आने वाले भूविज्ञान एवं खनिकर्म संचालनालय (डीजीएम) ने आगे का काम किया। डीजीएम ने बड़े पैमाने पर भू-वैज्ञानिक आंकड़ों को जुटाया और फिर ब्लॉक की ई-नीलामी प्रक्रिया पूरी कराई। अधिकारियों ने बताया कि छह मार्च 2023 को ब्लॉक की सफलतापूर्वक नीलामी हो गई। इसमें डीजीएमएल ने 21 फीसदी सबसे ऊंची बोली लगाकर इसे हासिल किया। इसके बाद डीजीएम छत्तीसगढ़ द्वारा खोजबीन कार्यों को तेजी से करने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग प्रदान किया गया। खनिज तत्वों की खोज की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रसन्नता जाहिर की है। उन्होंने खुश होते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक खोज राज्य और देश के लिए बेहद जरूरी खनिज संसाधनों को सुरक्षित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा, यह 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन की भावना को सशक्त करती है और रणनीतिक क्षेत्रों में सतत एवं आत्मनिर्भर विकास को प्रोत्साहित करती है। छत्तीसगढ़ शासन वैज्ञानिक एवं विस्तृत खनिज अन्वेषण तथा विकास को पूर्ण समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजस्थान में एक बंदूकधारी ने खुलेआम घूम-घूमकर 25 कुत्तों को मारी गोली

झुंझुनू, एजेंसी।
राजस्थान के झुंझुनूं जिले से एक ऐसी खौफनाक वारदात सामने आई है जिसने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया है। नवलगढ़ क्षेत्र के कुमावास गांव में एक बंदूकधारी दरिंदा पिछले दो दिन से खुलेआम घूम-घूमकर कुत्तों को गोली मार रहा है। 2 और 3 अगस्त की रातें इस गांव के लिए किसी काले साए से कम नहीं थीं। गांव की गलियों में खून बहता रहा और जानवर एक-एक कर दम तोड़ते रहे।

ये कोई एक-दो जानवरों की हत्या नहीं है–पूरा मामला 25 से ज्यादा बेजुबानों की निर्मम हत्या से जुड़ा है। जैसे ही कुत्ता नजर आया, बदमाश ने बिना कुछ सोचे फायरिंग शुरू कर दी। सनसनी तब फैली जब इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे एक व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहा है और कुत्तों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर रहा है।

वीडियो के वायरल होते ही पुलिस हरकत में आई और हेड कॉन्स्टेबल शुभकरण को तत्काल जांच के लिए मौके पर भेजा गया। गांव पहुंचने पर दृश्य और भी भयानक निकले। जगह-जगह खून से सने कुत्तों के शव पड़े मिले। कुछ अभी भी तड़प रहे थे। पुलिस जांच में सामने आया कि इस खूनी खेल का मास्टरमाइंड कोई और नहीं, बल्कि डुमरा गांव का रहने वाला श्योचंद बावरिया है। उसने ही अपनी बंदूक से कुत्तों की जान ली। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर

लिया गया है और गिरफ्तारी की तैयारी चल रही है। इधर गांव में तनाव है, आक्रोश है और डर भी। लोगों का कहना है कि इस तरह की बेरहमी उन्होंने पहले कभी नहीं देखी। बच्चों और बुजुर्गों में डर का माहौल है–आज कुत्ते मरे हैं, कल किसी इंसान को गोली मार दी गई तो?

गांव की पूर्व सरपंच सरोज झांझड़िया ने इस पर मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने एसपी से मुलाकात कर पूरे मामले की शिकायत की और बताया कि आरोपी श्योचंद ने जानबूझकर ये हत्याएं की हैं। उसका दावा कि कुत्तों ने उसकी बकरियों को मारा था–बिलकुल झूठा है। न तो किसी की बकरी मरी और न ही किसी पर कुत्तों ने हमला किया।

पूर्व सरपंच का यह भी कहना है कि आरोपी और उसके कुछ साथी एक साजिश के तहत यह सब कर रहे हैं। उन्होंने शक जताया कि यह गैंग करीब 5 महीने पहले भी गांव में आया था और अब दोबारा आकर खौफ फैलाने की कोशिश कर रहा है। उनका मकसद है–पहले जानवरों को मारो, फिर झूठा बहाना बनाकर मुआवजा मांगो।

इस पूरी वारदात ने न सिर्फ झुंझुनूं बल्कि पूरे राजस्थान को हिला कर रख दिया है। जानवरों की इतनी निर्मम हत्या, वह भी खुलेआम–कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही है। लोग पूछ रहे हैं–अगर अब भी गिरफ्तारी नहीं हुई, तो अगला निशाना कौन होगा?

पुलिस कह रही है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा, लेकिन गांव वालों की बेचैनी बढ़ती जा रही है। जब तक श्योचंद सलाखों के पीछे नहीं पहुंचता, कुमावास की रातें चैन से नहीं कटेंगी। अब देखना ये है कि क्या प्रशासन इस खूनी शिकारी को पकड़ पाएगा या फिर एक और वीडियो का इंतजार किया जाएगा?

बेटी ने देख लिया मम्मी का गंदा वीडियो तो हो गया पापा का मर्डर, सोनी बड़ी शातिर निकली

गुरुग्राम, एजेंसी।
10 साल की बेटी मां के फोन में कुछ देख रही थी कि अचानक उसने गैलरी को टच कर दिया और नजर इसमें पड़े कुछ गंदे वीडियो पर पड़ गई। इसके बाद जो कुछ हुआ उसे जानकर आप उतने ही चौंक जाएंगे जितनी हैरान गुरुग्राम की पुलिस हुई। फोन की गैलरी से खुले राज को दबाने के लिए उस बच्ची की मां ने पहले अपने पति को मरवा डाला और फिर उस प्रेमी की गर्दन फंसवाने की कोशिश की जिसके हाथों उसने अपने सुहाग को खत्म करा दिया था। लेकिन कुछ गलतियों की वजह से वह पकड़ी गई और अब सलाखों के पीछे है।

हरियाणा के गुरुग्राम में पुलिस ने महिला समेत पांच लोगों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक पत्नी की साजिश का शिकार होकर मारे गए शख्स का नाम विक्रम है जिसकी उम्र 37 साल थी और वह मूल रूप से बिहार के नवादा का रहने वाला था। विक्रम अपनी पत्नी सोनी (35) और दो बच्चों के साथ गुरुग्राम के उद्योग विहार में रहता था।

28 जुलाई को सोनी देवी गुरुग्राम पुलिस के पास पहुंची और पति के

गुमशुदा होने की जानकारी दी। तीन दिन बाद 31 जुलाई को वह दोबारा थाने पहुंची और रविंद्र (34) नाम के एक पड़ोसी के खिलाफ शिकायत देते हुए रेप का आरोप लगाया। सोनी ने पुलिस को बताया कि मार्च 2024 में जब उसके पति काम से बाहर गए थे तो रविंद्र ने उसके साथ रेप किया और पति को मारने की धमकी भी देता था। सोनी ने दावा किया कि रविंद्र ने वीडियो बना लिया था और धमकी दिया करता था कि किसी को बताया तो सार्वजनिक कर देगा। रविंद्र की गिरफ्तारी के बाद घूमी कहानी इसके बाद पुलिस ने रविंद्र को गिरफ्तार कर लिया तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि दीपक की वह हत्या कर चुका है। इस दौरान उसने यह भी खुलासा किया कि सोनी ने ही उसे वारदात को अंजाम देने को कहा था। उसने बताया कि सोनी के साथ उसका लंबे समय से संबंध था। अब उसकी बेटी ने फोन में वीडियो और तस्वीरें देख लीं और पिता को बताया तो सोनी ने विक्रम की हत्या की साजिश रची। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोनी देवी और रविंद्र के बीच करीब एक साल से अफेयर था। विक्रम जब ऑफिस जाता था।

हाईवे की हालत खराब, फिर किस बात का 'टोल टैक्स'?

केरल हाईकोर्ट ने एनएचएआई को फटकारा

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी।
केरल हाईकोर्ट ने बुधवार को नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) को कड़ी फटकार लगाते हुए एक नेशनल हाईवे पर चार हफ्तों के लिए टोल टैक्स वसूलने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने एडापल्ली से मन्नुथी जाने वाले नेशनल हाईवे-544 की खराब हालत के बाद भी वसूले जा रहे टोल टैक्स को लेकर दायर याचिकाओं की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। कोर्ट के मुताबिक जब पूरे रोड की हालत खराब है और व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है तो फिर वह जनता से किस बात का टोल वसूल कर रहे हैं।

जस्टिस ए. मुहम्मद मुस्ताक और जस्टिस हरिशंकर वी. मेनन की बेंच ने इस मामले में एनएचएआई को भी जमकर लताड़ लगाई। कोर्ट ने कहा कि एनएचएआई और उसके एजेंट्स की यह जिम्मेदारी है कि वह जनता के लिए सुरक्षित और आसान जगह बनाएँ। अगर किसी कारण से यह संभव नहीं है, तो फिर टोल

टैक्स वसूलना कानूनी रूप से गलत है। कोर्ट ने कहा कि जनता और सरकार के बीच में एक भरोसे का रिश्ता होता है, जब सरकार उस भरोसे पर खरा नहीं उतर पा रही है तो वह जनता के ऊपर जबरदस्ती टैक्स नहीं थोप सकती।

इतना ही नहीं कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि कोई भी कॉन्ट्रैक्ट या समझौता आम जनता के हितों से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं हो सकता है। अगर सड़कें इस्तेमाल लायक नहीं है, तो केवल समझौते या कॉन्ट्रेक्ट का बहाना देकर टोल वसूल करना पूरी तरह से गलत है। इसके साथ ही कोर्ट ने चार हफ्तों के लिए टोल वसूलने पर पाबंदी लगा दी और केंद्र सरकार को निर्देश देते हुए कहा कि उन्हें जनता की शिकायतों को सुनते हुए इसका समाधान निकालना होगा। गौरतलब है कि यह स्थानीय लोगों ने काफी पहले से कोर्ट में इस हाईवे की खराब हालत और यहां वसूले जाने वाले टोल के ऊपर याचिका दर्ज की थी। कोर्ट ने शुरुआती तौर पर इस मामले में सुनवाई करते हुए एनएचएआई को सलाह दी थी।

पत्नी ने कान में जहर देकर पति को मार डाला, हत्या का तरीका यूट्यूब से सीखा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के करिमनगर में एक दिल दहला देने वाला हत्याकांड सामने आया है। एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके दोस्त के साथ मिलकर अपने पति की निर्मम हत्या कर दी। इस हत्या की साजिश इतनी ठंडे दिमाग से रची गई थी कि महिला ने इसे अंजाम देने के लिए यूट्यूब का सहारा लिया। मृतक की पहचान संपथ के रूप में हुई है, जो एक पुस्तकालय में सफाईकर्मी था। वह शराब पीने का आदी था और अक्सर नशे की हालत में पत्नी रामादेवी से झगड़ा करता था। परिवार में दो बच्चे हैं, जिनका भरण-पोषण रामादेवी अपने नाश्ते की दुकान से करती थी। नाश्ते की दुकान पर ही रामादेवी की मुलाकात 50 साल के करें राजय्या से हुई। बाद में दोनों के अवैध संबंध बन गए। पुलिस जांच में सामने आया कि रामादेवी ने अपने पति से छुटकारा पाने की ठान ली थी। इसके लिए उसने यूट्यूब पर खोजबीन कर एक वीडियो देखा जिसमें कीटनाशक को किसी के कान में डालकर हत्या करने का तरीका बताया गया था। रामादेवी ने यह खौफनाक योजना अपने प्रेमी राजय्या को बताई। इसके बाद दोनों ने मर्डर की योजना बनाई। हत्या वाली रात राजय्या और उसके दोस्त श्रीनिवास ने संपथ को बॉम्माकल फ्लाईओवर के पास शराब पीने के बहाने बुलाया। शराब पीने के बाद जैसे ही संपथ नशे की हालत में जमीन पर गिरा, राजय्या ने उसके कान में कीटनाशक डाल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद, राजय्या ने रामादेवी को कॉल कर सूचित किया कि काम हो गया है। अगले दिन रामादेवी ने पुलिस थाने जाकर संपथ की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई, जैसे वह कुछ नहीं जानती हो। लेकिन पुलिस को शक तब हुआ जब 1 अगस्त को संपथ का शव मिलने के बाद, रामादेवी और राजय्या दोनों ने एक सुर में कहा कि पोस्टमार्टम न कराया जाए। इस मांग ने पुलिस को और सतर्क कर दिया। मृतक के बेटे ने भी मौत को संदिग्ध बताते हुए पुलिस से जांच की मांग की। पुलिस ने जब फोन कॉल डेटा, लोकेशन ट्रैकिंग और सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो साजिश की परतें खुलने लगीं। तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई,

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, 24 लाख के छह इनामी समेत नौ नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों को उस वक्त बड़ी कामयाबी मिली, जब 24 लाख रुपए के छह इनामी नक्सलियों समेत कुल नौ नक्सलियों ने उनके सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इस बारे में जानकारी देते हुए बुधवार को पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को छत्तीसगढ़ सरकार की संबंधित नीति के तहत पुनर्वास के लिए 50-50 हजार रुपए के चेक दिए गए हैं।

पुलिस के अनुसार आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की पहचान बक्सू ओयाम (27), बुधराम पोटाम (36), हिड़मा ऊर्फ हिरिया (26), मंगू उईका ऊर्फ टोग?गी (38), रोशन कारम ऊर्फ सोनू (24), मंगलों पोड़ियाम (23), कमलू हेमला ऊर्फ कुम्मा (28), बुधराम हेमला (47) और पण्डरू पूनेम (38) के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि नक्सली बक्सू ओयाम माड़ डिवीजन के अंतर्गत कंपनी नंबर एक में पार्टी सदस्य था और उस पर 8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। जबकि एरिया कमेटी सदस्य बुधराम पोटाम और हिड़मा ऊर्फ हिरिया पर पांच–पांच लाख रुपए का इनाम घोषित था। अधिकारियों ने बताया कि मंगू उईका के अलावा

चिन्नापल्ली एरिया कमेटी पार्टी के सदस्य रोशन कारम और भैरमगढ एरिया कमेटी पार्टी सदस्य मंगलों पोड़ियाम पर दो-दो लाख रुपए का इनाम रखा गया था।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों का ग्रामीणों के साथ हो रहा सकारात्मक संवाद, सामुदायिक पुलिसिंग के तहत दी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और छत्तीसगढ़ सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के व्यापक प्रचार प्रसार से नक्सलियों का माओवादी संगठन से मोहभंग हुआ है। साथ ही संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद और समाज की मुख्यधारा से जुड़कर पारिवारिक जीवन जीने की चाह के कारण नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिले में इस साल एक जनवरी से अब तक 310 नक्सलियों को गिरफ्तार किया जा चुका है तथा 277 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। जिले में अलग-अलग मुठभेड़ में कुल 131 माओवादी मारे गए हैं।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में ट्रक की चपेट में आने से चार नाबालिग लड़कों की मौत, दो घायल

गढ़चिरौली , एजेंसी। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में बृहस्पतिवार सुबह एक ट्रक के टक्कर मारने से चार नाबालिग लड़कों की मौत हो गई और दो अन्य लड़के घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब पांच बजे आरमोरी-गढ़चिरौली राजमार्ग पर हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार 12 से 16 वर्ष की आयु के छह नाबालिग लड़के जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर कटली गांव में सड़क किनारे बैठे थे तभी एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इन लड़कों में से चार की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस दुर्घटना पर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

कबूतरों को दाना डालने पर मुंबई में नया बवाल, सड़क पर उतरा गुजराती-जैन समुदाय

मुंबई, एजेंसी।
मुंबई में मराठी-गैर मराठी विवाद के बाद अब एक नया विवाद उठ खड़ा हुआ है। बीएमसी चुनावों से पहले उठा यह विवाद अब सियासी रंग लेने लगा है और धीरे-धीरे स्थानीय बनाम बाहरी की लड़ाई का मुद्दा बनता जा रहा है। दरअसल, कबूतरों को दाना डालने की वजह से स्थानीय और बाहरी यानी जैन और गुजराती समुदाय के बीच तनातनी बढ़ गई है। स्थानीय लोग इस बात का विरोध कर रहे हैं कि जैन और गुजराती समुदाय के सदस्यों ने कथित तौर पर दादर कबूतरखाने के ऊपर से तिरपाल फाड़कर कबूतरों को दाना क्यों डाला?

बॉम्बे हाई कोर्ट ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद कबूतरखाने के ऊपर तिरपाल डाल दिया गया था। जैन समुदाय और पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने इस प्रतिबंध का विरोध किया है और कहा है कि कबूतरों को दाना डालने की कोई वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए, अन्यथा पक्षी भूखे मर जाएँगे। इसी कड़ी में सड़कों पर उतरे जैन और गुजराती समुदाय के लोगों ने दादर कबूतरखाने के ऊपर से तिरपाल फाड़कर कबूतरों को दाना डाल दिया। इसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया है।

तिरपाल फाड़कर दाना डालने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अब ये मामला सियासी तुल पकड़ने लगा है। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना ने भी इस घटना की निंदा की है। शिवसेना की विधान पार्षद और पार्टी प्रवक्ता मनीषा कायंदे ने कहा है कि दादर कबूतरखाना के बाहर जैन समुदाय का विरोध प्रदर्शन अतिशयोक्तिपूर्ण है। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसा करना किस कानून के तहत उचित है? कायंदे ने कहा, जब गुजरात में पतंग उत्सव होता है, तो नुकीले धागों के कारण कई पक्षी मारे जाते हैं या घायल हो जाते हैं। क्या तब कोई धार्मिक मुद्दा नहीं उठता? यह

वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुका है कि कबूतर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ पैदा करते हैं। इसका धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। कई संगठन सत्तारूढ़ शिवसेना-भाजपा गठबंधन पर आरोप लगा रहे हैं कि वोट की खातिर एक छोटे से अल्पसंख्यक समुदाय के आगे बेवस हो गए हैं। इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए एक बैठक की और कहा कि नगर निगम ही कबूतरों को दाना देगा। हालाँकि, बुधवार को कबूतरखाने पर अभी भी तिरपाल की चादरें लगी होने के कारण, गुस्साए जैन समुदाय के सदस्यों ने कथित तौर पर तिरपाल फाड़कर कबूतरों को दाना डाल दिया। बहरहाल, मुंबई नगर निगम ने दाना डालने से रोकने के लिए वहां फिर से तिरपाल लगा दिया है।

इस बीच, भाजपा कोटे से मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने घटनास्थल का दौरा किया और प्रदर्शनकारियों को धैर्य रखने की सलाह दी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों द्वारा कानून अपने हाथ में लेने और कबूतरों को दाना डालने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। दूसरी तरफ, राज ठाकरे की अगुवाई वाली पार्टी एमएनएस ने फिलहाल इस विवाद पर अपनी पैनी नजर गड़ा रखी है और कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबंध लगाने के कदम का समर्थन किया है। स्व्हस ठाणे में भी कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रही है।

कमजोर प्रधानमंत्री साबित हो रहे हैं मोदी: अशोक गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह कमजोर प्रधानमंत्री साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी के शासन में भारत चौतरफा घिर रहा है। गहलोत ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में भारत चौतरफा घिर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत के खिलाफ अनर्गल बोल रहे हैं। ट्रंप अब तक 30 बार भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाने का दावा कर चुके हैं। अब वह भारत के व्यापारिक हितों के खिलाफ फैसले कर रहे हैं। एक बार भी उनका नाम लेकर बयान नहीं दे सके हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, चीन और पाकिस्तान अब खुलकर भारत के खिलाफ हो गए हैं। हमारी सेनाओं ने मजबूती से उनको मुंहतोड़ जवाब दिया परन्तु राजनीतिक एवं राजनयिक मोर्चे पर भारत अकेला पड़ गया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

राष्ट्रहित से किसी तरह का समझौता नहीं करेगा भारत

अमेरिका की ओर से भारत पर 50 फीसद शुल्क लगाने की घोषणा ने न केवल भारतीय निर्यातकों की चिंता बढ़ा दी है, बल्कि इससे भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर भी अनिश्चितताएं पैदा हो गई हैं। स्वाभाविक है कि इससे दोनों देशों को होने वाले नफा-नुकसान को लेकर विभिन्न स्तर पर आकलन भी शुरू हो गया है। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका के इस फैसले के पीछे भू-राजनीतिक परिदृश्य से भारत पर दबाव बनाने की रणनीति भी शामिल है, लेकिन इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इसका कुछ असर अमेरिका को खुद भी झेलना पड़ सकता है। सवाल यह है कि भारत इस स्थिति से किस तरह निपटेगा? भारतीय निर्यातकों की चिंता भी वाजिब है, क्योंकि अमेरिकी शुल्क से भारत के निर्यात पर असर पड़ सकता है और अगर ऐसा हुआ तो उनका कारोबार प्रभावित होगा। यही वजह है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के साथ बैठक में निर्यातकों ने सरकार से वित्तीय सहायता और किफायती ऋण की मांग की है। बैठक में निर्यातकों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में ऋण पर ब्याज दरें आठ से बारह फीसद या उससे भी अधिक होती हैं। जबकि प्रतिस्पर्धी देशों में ब्याज दर बहुत कम है। जैसे, चीन में केंद्रीय बैंक की दर 3.1 फीसद, मलेशिया में तीन, थाईलैंड में दो और वियतनाम में 4.5 फीसद है। साथ ही कहा गया कि अमेरिकी खरीदारों ने मांग को रद्द करना या रोककर रखना शुरू कर दिया है। ऐसे में अगर आने वाले दिनों में भारत के निर्यात कारोबार में बड़े स्तर पर गिरावट आई तो इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर कम होने लगेंगे। यों तो सरकार ने अमेरिकी शुल्क से पैदा होने वाली संभावित दिक्कतों से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के साथ निर्यातकों की बैठक इन्हीं तैयारियों का हिस्सा है। कहा जा रहा है कि सरकार ने निर्यातकों से सुझाव मांगे हैं, जिन पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। इसके अलावा केंद्र सरकार निर्यातकों को समर्थन देने के लिए राज्यों के साथ बातचीत करने पर भी विचार कर रही है। माना जा रहा है कि अमेरिकी शुल्क का ज्यादा असर वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा एवं जूते-चप्पल, रसायन और विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी उद्योग पर पड़ सकता है। भारत के चमड़ा और परिधान निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी तीस फीसद से अधिक है। व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि अगर शुल्क की वजह से अमेरिका में भारतीय वस्तुओं की मांग घटती है, तो निर्यात कारोबारियों को ब्रिटेन और जापान जैसे नए बाजार तलाशने होंगे। ऐसी स्थिति में ब्रिटेन के साथ हुआ भारत का मुक्त व्यापार समझौता फायदेमंद साबित हो सकता है। वहीं, अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का दूसरा पहलू यह है कि भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर भी अनिश्चितता का माहौल पैदा हो गया है। अमेरिका पहले से ही इस समझौते के तहत भारतीय कृषि एवं डेयरी बाजार को खोलने की मांग पर अड़ा हुआ है। हालांकि, भारत स्पष्ट कर चुका है कि राष्ट्रहित से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। इसे लेकर पांच दौर की वार्ता हो चुकी है और देखना होगा कि 25 अगस्त से भारत में छठे दौर की संभावित वार्ता में भारत का क्या रुख रहेगा। जहां तक अमेरिकी शुल्क की बात है तो भारत के पास जवाबी शुल्क लगाने का विकल्प भी सुरक्षित है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य एवं भारत की उभरती अर्थव्यवस्था में अमेरिका की 'ट्रंपीय' दादागिरी, एवं टैरिफ का तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रभाव कितना क्या असर दिखायेगी, यह भविष्य के गर्भ में हैं। लेकिन इस सन्दर्भ में भारत सरकार की दृढ़ता सराहनीय है। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, दोनों का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। ट्रंप और मोदी ने इस आंकड़े को दोगुना से भी ज्यादा 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उस लक्ष्य पर सवालिया निशान लग गए हैं। ऐसे में, भारतीय कंपनियों को बहुत संभलकर अपने लिए नए बाजार खोजने व बढ़ाने चाहिए।

टैरिफ आर्थिक युद्ध नहीं, आत्मनिर्भर शांति का रास्ता बने

(ललित गर्ग)

डोनाल्ड ट्रंप की नीति अक्सर 'दबाव डालो और झुकावो' पर आधारित रही है। चीन, यूरोप, मैक्सिको के साथ भी ट्रंप की व्यापार नीति टकरावपूर्ण रही है। लेकिन भारत, ऐतिहासिक रूप से संतुलन साधने वाली कूटनीति में विश्वास करता रहा है।

जब किसी वैश्विक ताक़त के शिखर पर बैठा नेता 'व्यापार' को भी 'सौदेबाज़ी' और 'दबाव नीति' का औज़ार बना ले, तब यह न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों के आधारभूत सिद्धांतों को भी चुनौती देता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाकर ऐसा ही एक आर्थिक आघात पहुँचाया है। इस टैरिफ का लक्ष्य स्पष्ट है, भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा को बाधित करना और अमेरिकी वर्चस्व की पुनः स्थापना करना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य एवं भारत की उभरती अर्थव्यवस्था में अमेरिका की 'ट्रंपीय' दादागिरी, एवं टैरिफ का तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रभाव कितना क्या असर दिखायेगी, यह भविष्य के गर्भ में हैं। लेकिन इस सन्दर्भ में भारत सरकार की दृढ़ता सराहनीय है। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, दोनों का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। ट्रंप और मोदी ने इस आंकड़े को दोगुना से भी ज्यादा 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उस लक्ष्य पर सवालिया निशान लग गए हैं। ऐसे में, भारतीय कंपनियों को बहुत संभलकर अपने लिए नए बाजार खोजने व बढ़ाने चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की सबसे तेज़ गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने भारत को उत्पादन और नवाचार का नया केंद्र बनाया है। भारत का टेक्सटाइल, स्टील, ऑटो पार्ट्स और आईटी सेवा क्षेत्र वैश्विक बाज़ार में निरंतर अपनी पकड़ मज़बूत कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिका द्वारा टैरिफ थोपना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा से उपजे भय का संकेत है। लेकिन यह निर्णय केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। ट्रंप प्रशासन हमेशा से ही व्यापार संतुलन के मुद्दे को राष्ट्रीय गौरव से जोड़कर देखता रहा है। 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति का मुख्य हथियार रहा है, दूसरों को पीछे धकेलकर अमेरिका को आगे लाना। यह एकतरफा सोच व्यापार के मूल्यों और साझेदारी की भावना को कमजोर करती है। व्यापार समझौते पर 1 अगस्त की समय सीमा तक दोनों देशों के बीच जारी बातचीत किसी नतीजे पर न पहुंचने का बड़ा कारण भारत का अमेरिका की शर्तों पर समझौता करने के लिए तैयार नहीं होना रहा है। उसे आगे भी तैयार नहीं होना चाहिए। इसका कोई मतलब नहीं कि भारत अमेरिका से ऐसा व्यापार समझौता कर ले, जो केवल उसके हित में हो। इस तरह के समझौते तो तभी हो पाते हैं, जब दोनों पक्षों के हित सधते हैं। भारत को अपने हितों की रक्षा के लिए अडिग रहना चाहिए और यह स्पष्ट करने में संकोच भी नहीं करना चाहिए कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुचित दबाव के आगे झुकने वाला नहीं। भारत को ट्रंप के मनमाने फैसलों से डरने की आवश्यकता इसलिए भी नहीं, क्योंकि वे अपने फैसलों से पीछे हटने और उन्हें पलटने के लिए जाने जाते हैं। उनके इस रवैये के कारण उनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फजीहत भी हो रही है। उन्हें यह समझ आ जाए तो अच्छा कि आज का भारत पहले वाला भारत नहीं है और अमेरिका का भी प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा।

डोनाल्ड ट्रंप की नीति अक्सर 'दबाव डालो और झुकावो' पर आधारित रही है। चीन, यूरोप, मैक्सिको के साथ भी ट्रंप की व्यापार नीति टकरावपूर्ण रही है। लेकिन भारत, ऐतिहासिक रूप से संतुलन साधने वाली कूटनीति में विश्वास करता रहा है। भारत ने कई बार वार्ता के माध्यम से समझौते की दिशा में पहल की, लेकिन ट्रंप की आक्रामक नीति और 'डीलमेकिंग' की व्यक्तिगत शैली ने किसी संतुलन को बनने नहीं दिया। भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत टैरिफ न केवल आर्थिक रूप से अनुचित है, बल्कि यह उभरते राष्ट्रों के आत्मनिर्भर बनने के अधिकार का भी हनन है। यह नव-उपनिवेशवाद का नया रूप है, जहँ आर्थिक हथियारों से शक्तिशाली राष्ट्र, विकासशील देशों को नियंत्रित करना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने भारत पर टैरिफ बढ़ाने और जुर्माना लगाने की जो घोषणा की, वह उनकी दबाव की राजनीति का ही हिस्सा है। इस राजनीति की पोल खुल चुकी है। अच्छा होगा कि इसे देश के विपक्षी दल भी समझें। इसलिए और भी समझें कि संसद में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने साफ तौर पर कहा कि सैन्य कार्रवाई को स्थगित किए जाने के सिलसिले में विश्व के किसी भी नेता की कहीं कोई भूमिका नहीं। स्पष्ट है कि भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को कथित तौर पर रोकने का ट्रंप का दावा फर्जी है। वास्तव में इसी कारण वे अपने इस थोथे दावे को बार-बार दोहरा रहे हैं।

आज का भारत न केवल एक विशाल बाज़ार है, बल्कि एक नवाचारशील शक्ति भी है।

ध्वस्त हुआ एक और झूठा नैरेटिव

(सुरेश हिंदुस्तानी)

मालेगाँव विस्फोट मामले में भी ऐसा ही प्रयास किया गया। इसका एक कारण कांग्रेस की वह मानसिकता है, जिसके तहत कांग्रेस को नेतृत्व देने वाले राजनेता केवल यही सोचते हैं कि हम तो सरकार चलाने के लिए ही बने हैं। आज भी कांग्रेस के नेता इसी भावना के साथ विचार रखते हैं।

भारत में स्वार्थी राजनीति का खेल यूँ तो बहुत पुराना है, लेकिन ऐसी राजनीति जनमानस को केवल भ्रमित करने का काम ही करती है। यह भी सत्य है कि इसका प्रभाव लम्बे समय तक नहीं रहता। राजनीति सच की होना चाहिए, न कि झूंठ की। लेकिन आज विसंगति यह है कि राजनीतिक दल केवल अपने लिए ही राजनीति करते हैं, देश के लिए नहीं। आज राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करने तक सीमित हो गया है। ऐसी ही राजनीति के माध्यम से हिन्दू आतंकवाद की थ्योरी स्थापित करने का खेल खेला गया। अब इस षड्यंत्र की परतें भी उधड़ने लगी हैं। जिसके फलस्वरूप फेक नैरेटिव का पर्दाफास हो गया।

भारत क्या है और उसकी विरासत क्या है? इसके मूल में जो प्रमाण मिलते वे उसका एक दर्शन है। यह दर्शन मात्र कुछ वर्षों का कार्य नहीं, बल्कि एक लम्बी साधना के बाद निकला है। जो भारतीय समाज के लिए एक प्रेरणीय पाथेय है। लेकिन लम्बे समय से इस आदर्श विरासत को मिटाने का कुचक्र भी चल रहा है। हम यह भली भांति जानते हैं कि जब जब भारतीय समाज विघटित हुआ है, तब भारत को कमजोर करने के सुनियोजित प्रयास भी किए। देश विघातक शक्तियों ने भारत के समाज में फूट डालकर अपने मंसूबों को सफल किया। ऐसे प्रयास आज भी हो रहे हैं। मूल समस्या पर किसी प्रकार का कोई चिंतन नहीं हो रहा है, और न ही उस दिशा में कोई प्रयास ही हो रहा है।

अभी अभी न्यायालय ने मालेगाँव विस्फोट मामले में एक ऐतिहासिक निर्णय दिया है। जिसमें हिन्दू आतंकवाद के नैरेटिव को ध्वस्त किया गया। इस नैरेटिव की भूमिका पूरी तरह से आधारहीन ही थी। न्यायालय के निर्णय से यह ज्ञात हुआ कि इसमें जिनको आरोपी बनाया गया, उनके विरोध में पर्याप्त प्रमाण नहीं थे, ज़ब प्रमाण ही नहीं थे, तब इस मामले में गिरफ्तार करने की जल्दबाजी किसके संकेत पर की गई। यह बहुत बड़ा षड़यंत्र ही था, जिसकी कलई धीरे धीरे खुलने लगी हैं। एक पूर्व अधिकारी का बयान इसकी पुष्टि करने के लिए पर्याप्त माना जा सकता है। हिन्दू समाज को बदनाम करने का यह षड्यंत्र केवल एक वर्ग को खुश करने प्रयास मात्र ही था। राजनीतिक दलों को हमेशा अपने स्वार्थ के लिए ही राजनीति नहीं करना चाहिए। राजनीति मात्र देश को शक्तिशाली और समाज को संगठित करने के लिए होना चाहिए। यहां एक सवाल खड़ा करना मुझे बहुत आवश्यक लग रहा है। क्या देश के लिए काम करने की जिम्मेदारी केवल सरकार की ही होती है? विपक्ष और समाज की भी होती है। अगर सभी एक भाव से समाज को एक करने का कार्य करें तो भारत का सूर्य केवल भारत को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को आलोकित करेगा, यह तय है।

मालेगाँव विस्फोट मामले में षड्यंत्र की बुनियाद किसने की, इस सवाल का उत्तर पहले से वातावरण में तैर रहा था। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने हिन्दू आतंकवाद की झूठी कहानी की पटकथा तैयार की।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5816

		7				8		6
		3	8		2			
6					4	9	5	
3	6			1				
4			3		5			7
				2			3	9
	9	1	5					4
			2		1	7		
8		4				2		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5815

4	7	8	6	3	9	5	1	2
1	3	9	5	8	2	7	6	4
6	2	5	4	1	7	3	8	9
7	9	2	8	6	3	4	5	1
5	6	1	9	7	4	8	2	3
8	4	3	2	5	1	9	7	6
9	8	7	3	2	6	1	4	5
3	5	6	1	4	8	2	9	7
2	1	4	7	9	5	6	3	8

आज का राशिफल

मेष
आज समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और आपका मन प्रसन्न रेहगा। साथ ही, भौतिक सुखों में भी वृद्धि होने की संभावना है। शाम के वक्त चंद्रमा के मीन राशि में प्रवेश करने से आपको किसी अच्छे कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त हो सकता है। आपके अच्छे कर्मों और खर्चों से समाज में प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। और जीवनसाथी का भी पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

वृष
आज किसी तीर्थ स्थल की यात्रा करने से आपके मन को सुकून प्राप्त होगा और कानूनी मामलों में भी सफलता प्राप्त होगी। साथ ही, कहीं स्थान परिवर्तन की योजना भी सफल हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आप कुछ कामकाज में उलझ सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में खुशनुमा माहौल बना रहेगा। वहीं, कार्यालय में भी आपको अनुकूल वातावरण देखने को मिलेगा।

मिथुन
आज कार्यक्षेत्र में किसी रचनात्मक और बड़े काम को पूरा करने में आपका ज्यादा समय बीत सकता है। आपको जो काम करना अधिक प्रिय है वैसा ही काम भी आपको प्राप्त होगा। इससे आप सुकून महसूस करेंगे और शांति से हर कार्य पूरा करेंगे। व्यापार को लेकर आपके मन में नई योजनाएं आ सकती हैं।

तुला
आज कामकाज में ज्यादा व्यस्त रहेंगे। लेकिन आपको धर्म से जुड़े कार्यों के लिए भी थोड़ा समय निकालना जरूरी होगा। ऐसा करने से मानसिक शांति मिलेगी। कार्यस्थल पर कुछ वरिष्ठ अधिकारी आपके जरूरी कार्यों में रुकावटें डालने की कोशिश कर सकते हैं। शाम के समय आप कुछ मंगलमय कार्यों में अपना समय व्यतीत कर सकते हैं।

वृश्चिक
दिन आज शुभ रहने वाला है। आर्थिक मामले में भी समय बेहद मजबूत है और आपको दिनभर लाभ के कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं। ऐसे में आपको कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों में लगे रहना होगा। परिवार में सुख-शांति और स्थिरता बनी रहेगी। नौकरी या व्यापार में कुछ नई योजना या कार्य शुरू हो सकते हैं, जिनसे भविष्य में लाभ होगा। इससे काम नए सिरे से शुरू होगा।

धनु
आज आपका दिन सुखद व्यतीत होगा। लाभ कमाने के कई नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन आपको जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचना होगा, अन्यथा कोई बड़ी गलती हो सकती है। ऐसे में कोई भी फैसला सोच-विचार करके लेना ही बेहतर होगा। अपने स्वास्थ्य पर भी आज खास ध्यान दें। मौसम बदलने के चलते सर्दी, जुकाम या बुखार हो सकता है। ऐसे में खानपान का भी ख्याल रखें।

कर्क
आज काफी रचनात्मक रहने वाला है। आप कार्यक्षेत्र में जो भी काम पूरी मेहनत से करेंगे उसका फल तुरंत प्राप्त होगा। अगर कुछ जरूरी कार्य अधूरे पड़े थे तो वह भी पूर्ण हो सकते हैं और इस बारे में जरूरी चर्चाएं होना भी संभव है। ऑफिस में आपको अपने मन के मुताबिक माहौल देखने को मिलेगा और साथी का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। रात में आप किसी शादी में जा सकते हैं।

कन्या
आज कार्यक्षेत्र में कामकाज से जुड़े कोई विवाद चल रहे थे तो वे अब सुलझ सकते हैं। व्यापार को लेकर किसी नए प्रोजेक्ट पर भी नया काम शुरू हो सकता है। धन-संपत्ति के मामले में परिवार और आसपास के कुछ लोग बाधाएं पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं।

मकर
आज आपको सावधान और सतर्क रहना होगा। अगर आप बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठा लेते हैं, तो इससे बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। आपको रोजमर्रा के कामों से अलग कुछ नए कार्यों पर भी ध्यान देना होगा। इससे लाभ मिलने की संभावना है। किसी अपने खास व्यक्ति के लिए आपको पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है। व्यापार के मामले में कोई नया मौका प्राप्त हो सकता है।

कुंभ
आज व्यापार के मामले में पार्टनरशिप में काम करने से लाभ प्राप्त हो सकता है। कार्यस्थल पर आपको काम पूरे करने के लिए नियमों और समय का ख्याल रखना होगा। आपको कई काम एक साथ भी करने पड़ सकते हैं। ऐसे में धैर्य और संयम की जरूरत होगी। आज आपको रोजमर्रा के घरेलू कामों को पूरा करने का भी मौका मिल सकता है। साथ ही, पारिवारिक जीवन में अपनी संतान के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है।

मीन
आज व्यापार में जोखिम उठाने से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अगर आप कुछ परेशानियों का सामना कर रहे हैं तो धैर्य और मधुर वाणी से आप उन्हें आसानी से दूर कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आप अपनी बुद्धि का प्रयोग करने से सब कुछ प्राप्त कर सकते हैं। आज किसी जरूरतमंद या मुसीबत में फंसे व्यक्ति की सहायता करने से लाभ मिलेगा।

वर्ग पहेली 5816

1	2	3	4	■	5	6	7
8				■	9		
	■			■		■	
10	11	■	12	■	13	14	
15		16	■	17	■	18	
■	19		20		■	■	
21		■		■	22		23
	■	24			■	25	

संकेत: बाएं से दाएं
1. 13 सितंबर को इस भारतीय फिल्म गीतकार का निधन हुआ था.इस गीतकार ने 300 से अधिक फिल्मों के लिए 1500 से अधिक गीत लिखे (4)
5. शोभा से युक्त, श्रीमान (3)
8. किसी कार्य के लिए किसी का नाम नय किया जाना (4)
9. आसमान, अंबर, नभ, व्योम (3)
10. गीत-संगीत का सामंजस्य (2)
12. सादृश्य, संबंध सूचक अव्यय शास्त्रीय संगीत का एक मुख्य स्वर (1)
13. कीड़ों द्वारा निर्मित एकमात्र पदार्थ जो इंसानों द्वारा खाया जाता है (3)
15. जुड़वां, अश्विनी कुमार (3)
18. गाड़ी, बुनाई कर्म, चैन (2)
19. जो दूर हो गया (3)
21. किसी संख्या को उसी संख्या से गुणा करने कर प्राप्त होने वाला गुणनफल धोखे में रखकर की जाने वाल बुराई (2)
22. घायल, जख्मी (2)
24. समझौता, संधि (2)
25. रदपट, अधर, ओष्ठ (2)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. वह स्थान जहां पर बिना मां-बाप कि बच्चे रखे जाते है (5)
2. हल्का गीला, आंशिक आर्द (2)
3. फर्श आदि पर बिछाई जाने वाली छपी हुई चादर (3)
4. नदी का पुल्लिंगवाची शब्द (2)
5. कार्य का आरंभ, गौरी सुत, पार्वती नंदन (4)
6. काल गणना के अनुसार कल्प के चार उप-विभागों में से एक (2)
7. यह गोविंदा अभिनीत की पहली फिल्म थी (5)
11. यमराज के संदेश वाहक (4)
14. विविध भारती से नाटकों पर आधारित प्रसारण होने वाला एक दैनिक कार्यक्रम (5)
16. सोने के तार जिनसे कपड़े पर बेल-बूटे आदि बनाए जाते है (2)
17. पुत्र, बेटा (2)
20. पृथ्वी की ऊपरी सतह (2)
21. पश्चिमी अफ्रीका का देश जिसकी राजधानी अकरा है (2)
23. उस समय, उस वक्त (2)

वर्ग पहेली 5815 का हल

फि	रो	ज	गां	धी	■	जा	■
रा	ज	■	धी	र	ज	वा	ला
क	■	य	■	ज	■	■	ग
गो	म	ती	■	कु	द	र	त
र	■	म	ल	मा	स	■	■
ख	ता	■	व	र	क	■	प
पु	र	खा	■	■	रो	च	ना
री	ना	रा	य	■	ड़	■	ह

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

श्रेयस अय्यर को मिलने वाली है खुशखबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर आईपीएल के बाद से क्रिकेट के मैदान पर काफी कम दिखाई दिए हैं, अब खबरे हैं कि ये खिलाड़ी एशिया कप में नजर आएगा. रिपोर्ट्स हैं कि टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और चयनकर्ता श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया में मौका दे सकते हैं.

रिपोर्ट्स के मुताबिक अगस्त के तीसरे या चौथे हफ्ते में एशिया कप के लिए टीम इंडिया का चयन होगा, इसके साथ-साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम चुनी जाएगी और इन दोनों ही टीमों में श्रेयस अय्यर को मौका मिलने वाला है. श्रेयस अय्यर इसलिए एशिया कप और टेस्ट फॉर्मेट में वापसी के बड़े दावेदार हैं क्योंकि टीम को अनुभव की जरूरत है. अय्यर हैं तो तीस साल के लेकिन उन्होंने काफी ज्यादा क्रिकेट खेला है. उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट के प्रेशर का भी अनुभव है. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक अय्यर एशिया कप में मिडिल ऑर्डर में खेलते दिख सकते हैं. स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ उनकी अच्छी बल्लेबाजी भी उनकी वापसी का दावा ठोक रही है. यही वजह है कि भारत में वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में भी उनका सेलेक्शन तय माना जा रहा है. फिलहाल श्रेयस अय्यर का सेलेक्शन वेस्ट जोन टीम में हुआ है. वो दिलीप ट्रॉफी में 28 अगस्त से नजर आएंगे.

श्रेयस अय्यर ने रन भी खूब बनाए हैं

श्रेयस अय्यर ने अपनी बैटिंग से भी सेलेक्टर्स को उन्हें चुनने के लिए मजबूर सा कर दिया है. इस खिलाड़ी ने आईपीएल 2025 में कमाल ही कर दिखाया. टूर्नामेंट में पंजाब किंग्स की कप्तानी करते हुए उन्होंने 175 के स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए. अय्यर की बैटिंग एवरेज भी 50 से ज्यादा की रही. उनकी कप्तानी में पंजाब किंग्स आईपीएल फाइनल तक पहुंची लेकिन खिताबी जंग में उसे आरसीबी से हार का सामना करना पड़ा.

क्या भारत की टी-20 टीम में राहुल की होगी वापसी?

493 विकेट वाले पूर्व खिलाड़ी ने चयनकर्ताओं को लेकर कही बात

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम को अब टी20 क्रिकेट पर फोकस करना है। सितंबर में एशिया कप होना है। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति जल्द ही इस टूर्नामेंट के लिए टीम का ऐलान करेगी। चयनकर्ताओं के लिए टीम का चयन आसान नहीं होने वाला है। भारत की टी20 टीम की बात करें तो बीते कुछ समय में शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी भी टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं। अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों ने मौके को दोनों हाथों से लपका है। एशिया कप से पहले शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर की वापसी की मांग तेज हो गई है। इस बीच भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डोडा गणेश ने गिल और श्रेयस के अलावा केएल राहुल की टी20 टीम में वापसी की मांग कर दी है। 493 विकेट वाले कर्नाटक के पूर्व खिलाड़ी ने कहा है कि भारत की टी20 टीम चुनने में चयनकर्ताओं को सिरदर्दी होने वाली है।

3 साल से भारत की टी20 टीम से बाहर

डोडा गणेश ने एक्स पर कहा, चयनकर्ताओं को श्रेयस अय्यर, गिल और केएल राहुल को टी20 टीम में शामिल करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। राहुल की बात करें तो वह लगभग 3 साल से भारत की टी20 टीम से बाहर हैं। वह टी20 वर्ल्ड कप 2022 के बाद से इस फॉर्मेट में भारत के लिए नहीं खेले हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में वह आखिरी बार खेले थे।

राहुल की वापसी मुश्किल

केएल राहुल के बगैर भारतीय टीम 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीत चुकी है। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और इशान किशन जैसे खिलाड़ी भी टीम से बाहर हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने मौके का भरपूर फायदा उठाया है। ऐसे में राहुल की टी20 टीम वापसी काफी मुश्किल है। भारतीय टीम जिस टैम्पलेट पर टी20 क्रिकेट खेल रही है उसमें दाएं हाथ का बल्लेबाज शायद ही फिट हो।

धोनी ने सीएसके के साथ भविष्य पर दिया बयान, यह चेन्नई के लिए अच्छा है

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य को लेकर काफी चर्चा हो रही है। आईपीएल 2025 के दौरान रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद धोनी ने एक बार फिर ष्टस्च की कप्तानी संभाली, लेकिन पूरा सीजन धोनी के संन्यास की अफवाहों से भरा रहा। हालांकि खुद धोनी या फ्रैंचाइजी ने इस पर कुछ नहीं कहा। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान इस अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज से एक बार फिर उनके सीएसके में भविष्य के बारे में पूछा गया और उन्होंने इसका स्पष्ट जवाब दिया। धोनी ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मेरे पास फैसला करने के लिए बहुत समय है, लेकिन अगर आप पीली जर्सी में वापसी के बारे में पूछ रहे हैं, तो मैं हमेशा पीली जर्सी में ही रहूंगा, चाहे मैं खेलूं या नहीं, यह अलग बात है। मैं और ष्टस्च हम साथ हैं। आप जानते हैं, अगले 15-20 सालों तक भी। मुझे उम्मीद है कि उन्हें नहीं लगता कि मैं अगले 15-20 साल और खेलूंगा। धोनी 2008 में पहले आईपीएल सीजन से ही सीएसके का हिस्सा रहे हैं और उनकी कप्तानी में उन्होंने रिकॉर्ड 5 बार खिताब जीता है। धोनी ने टीम के साथ अपने रिश्ते और टीम व शहर के साथ अपने संबंधों के विकास के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में यह रिश्ता और मजबूत हुआ है। इसने मुझे एक व्यक्ति के रूप में बेहतर बनाने में मदद की। इसने मुझे एक क्रिकेटर के रूप में बेहतर बनाने में मदद की। सीएसके बस यूं ही बन गया। मुझे लगता है कि यह चेन्नई के लिए अच्छा है। इसलिए, आज यह मेरे लिए भी अच्छा है।

अंडर 22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप:

नीरज, ईशान, यात्री और प्रिया फाइनल में पहुंचे

बैंकॉक, एजेंसी। नीरज (पुरुष, 75 किलोग्राम) और ईशान कटारिया (पुरुष, 90+ किलोग्राम), यात्री पटेल (महिला, 57 किलोग्राम), प्रिया (महिला, 60 किलोग्राम) ने बुधवार को बैंकॉक में अंडर-22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में अपने-अपने भार वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। नीरज ने अपनी स्पीड और काउंटर अटैक का फायदा उठाते हुए दक्षिण कोरिया के क्योंघो बैंग को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद ईशान कटारिया भी फाइनल में पहुंचे, जहां उन्होंने अपने लंबे कद और दमदार मुक्कों के साथ चीन के चेन चेन पर दबदबा बनाया। आलम यह रहा कि चीनी मुक्केबाज को बुरी तरह पिटता देखकर रेफरी को तीसरे राउंड में मुकाबला रोकना पड़ा।

यात्री पटेल फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनीं। उन्होंने लेफ्ट-राइट पंच के कॉम्बिनेशन का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए वियतनाम की थी नुंग क्वांड को 57 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। कुछ मिनट बाद, प्रिया ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान की ओडिनाखोन इस्मोइलोवा को शिकस्त देकर महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।

अंडर-19 और अंडर-22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन एक साथ हो रहा है। भारत ने इन दोनों आयु वर्गों में कुल 40 मुक्केबाजों को उतारा है, जिसमें घरेलू स्तर पर प्रभावित करने वाली युवा प्रतिभाओं और अनुभवी चैंपियंस का बेहतरीन संयोजन देखने को मिल रहा है। सेमीफाइनल में पहुंचे चार अन्य भारतीय मुक्केबाजों में रॉकी चौधरी दुर्भाग्यशाली रहे। उन्हें ईरान के सैम एस्ताकी के खिलाफ बाउट में दोनों भौहों पर कट लगा। इसके चलते रेफरी ने उन्हें दूसरे राउंड में मुकाबला जारी रखने की अनुमति नहीं दी। वहीं, हर्ष (60 किलोग्राम) और मयूर (90 किलोग्राम) ने अपने-अपने मुकाबलों में पूरा दमखम दिखाया, लेकिन जजों के विभाजित फैसले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। हर्ष को उज्बेकिस्तान के शोहरूह अब्दुमालिकोव से 1-4 से हार मिली, जबकि मयूर को उसी देश के शखजोद पोल्वोनोव के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

अन्य भारतीय मुक्केबाज अंकुश को कजाकिस्तान के सानझर-अली बेगालियेव के खिलाफ 0-5 से हार झेलनी पड़ी। हालांकि, यह चारों मुक्केबाज कांस्य पदक के साथ देश लौटेंगे। भावना शर्मा अपनी क्वार्टरफाइनल की फॉर्म को दोहरा नहीं सकीं। उन्हें महिलाओं के 48 किलोग्राम भारवर्ग में उज्बेकिस्तान की रोबियाखोन बख्तियोरोवा से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

लुइस सुआरेज और डी पॉल ने इंटर मियामी को लीग्स कप क्वार्टरफाइनल में पहुंचाया

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी। इंटर मियामी सीएफ ने टीम के तीसरे और अंतिम लीग कप 2025 चरण के एक मुकाबले में लीगा एमएक्स पुमास उनम पर 3-1 की जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। दिग्गज स्ट्राइकर लुइस सुआरेज की टीम की जीत में अहम भूमिका रही। सुआरेज ने एक गोल और दो असिस्ट के साथ शानदार प्रदर्शन किया। मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने क्लब के लिए अपना पहला गोल किया और तादेओ अलेंदे ने गोल किया। उनम की तरफ से 34वें मिनट में जॉर्ज रुवाल्काबा ने एकमात्र गोल किया।

यह मैच का पहला गोल था। इंटर मियामी की तरफ से पहला गोल 45वें मिनट में लगा। ये गोल डी पॉल ने लगाया। डी पॉल ने लुइस सुआरेज की लेफ्ट विंग से आई गेंद को सीने से रोका, फिर नीचे-दाएं कोने में एक बेहतरीन आउटसाइड-ऑफ-द-फुट फिनिश के साथ गोल किया। यह असिस्ट सुआरेज का टूर्नामेंट में पहला और 2025 में सभी प्रतियोगिताओं में कुल मिलाकर 14वां था। सुआरेज ने 59वें मिनट में पेनेंका के पेनल्टी स्पॉट पर किए गए गोल के साथ इंटर मियामी के लिए स्कोरलाइन पलट दी। इस गोल के साथ ही इस सीजन में की प्रतियोगिताओं में उनके गोलों की संख्या 10 हो गई। अलेंदे ने 69वें मिनट में इंटर मियामी के लिए तीसरा और निर्णायक गोल दागकर टीम की जीत पर मुहर लगा दी। इस गोल के लिए भी सुआरेज ने असिस्ट किया था। यह सीजन में अलेंदे का 11वां गोल था।

शुभमन गिल आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नॉमिनेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामित किए गए हैं। इसमें जुलाई 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाले तीन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

नॉमिनेट किए गए खिलाड़ियों में गिल के अलावा, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर शामिल हैं। शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 75.40 की औसत के साथ 754 रन बनाए। बर्मिंघम में खेले गए मैच में उन्होंने 269 और 161 रन की पारी खेली थी। शुभमन गिल ने इस टेस्ट सीरीज 147, 8, 269, 161, 16, 6, 12, 103, 21 और 11 रन की पारी खेली। कप्तान के रूप में अपनी पहली सीरीज खेलते हुए गिल ने स्थिरता और आक्रामक स्वभाव का मिश्रण दिखाया। फैंस उन्हें विराट कोहली का उत्तराधिकारी मान रहे हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने पांच मुकाबलों की सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की।

वहीं, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने चार मुकाबलों की सात पारियों में 43.43 की औसत के साथ 304 रन बनाए। इसमें शतकीय पारी भी शामिल है। इसके साथ ही स्टोक्स ने पूरी सीरीज में 17 विकेट भी हासिल किए। बेन स्टोक्स ने लगातार दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। लॉर्ड्स में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन ने इंग्लैंड को 22 रनों से रोमांचक जीत दिलाई। दूसरी ओर, मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में 265.5 की औसत से 531 रन बनाए। उन्होंने पहले टेस्ट की दूसरी इनिंग में 147 रनों की संयमित पारी खेली। मुल्डर ने बुलावायो में अपने करियर की सबसे बड़ी नाबाद 367 रनों की पारी खेली।

यह दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट इतिहास में किसी बल्लेबाज का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। मुल्डर ने गेंदबाजी में भी योगदान देते हुए 15.28 की औसत से सात विकेट लिए। ऑलराउंड प्रदर्शन के चलते उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

लगा कंधा उखड़ जाएगा...

क्रिस वोक्स ने बताई ओवल टेस्ट की पीड़ा बोले- शुभमन गिल की बात ने दिल जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के पेसर क्रिस वोक्स ने भारत के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने कंधे की गंभीर चोट के बावजूद बल्लेबाजी की थी. द गार्जियन से बातचीत में वोक्स ने उस पल में हुई तकलीफ और भावनाओं को साझा किया. उन्होंने बताया कि भारत के कप्तान शुभमन गिल ने उनकी हिम्मत की तारीफ की थी. वोक्स ने बताया- पहला शॉट सबसे दर्दनाक था. मैंने सिर्फ कोडीन ली थी और कंधा बहुत दुख रहा था.

फिर भी जब रन लेने की कोशिश की तो आदतन दौड़ पड़ा, जबकि हाथ बंधा हुआ था. उस वक्त सच में लगा कि कहीं कंधा फिर से बाहर न निकल गया हो. इसलिए आपने मुझे हेलमेट फेंकते, दांतों से ग्लव्स उतारते और कंधा चेक करते हुए देखा होगा. आखिरी में एटकिन्सन बोल्ड हो गए और वोक्स को खेलने का मौका नहीं मिला. लेकिन फिर भी दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाईं, भारतीय टीम ने भी सम्मान दिखाया. मैच के बाद शुभमन गिल खुद वोक्स के पास आए. शुभमन गिल ने क्रिस वोक्स की बल्लेबाजी के बारे में क्या कहा? वोक्स ने कहा- शुभमन ने मुझसे कहा- ये बहुत बहादुरी भरा था. मैंने उसे जवाब दिया- तुम्हारी सीरीज शानदार रही, बहुत अच्छा खेला, और तुम्हारी टीम को भी क्रेडिट. वोक्स ने ये भी कहा कि अब भी बहुत निराश हूं कि वो फिनिश नहीं मिला जिसकी उम्मीद थी. लेकिन मैदान पर ना जाना कभी सोचा भी नहीं, चाहे जीत के लिए 100 रन भी बाकी होते. दर्शकों की तालियों ने अच्छा महसूस कराया और कुछ भारतीय खिलाड़ी भी सम्मान देने के लिए पास आए, लेकिन कोई और होता तो वो भी ऐसा ही करता. आप नौ विकेट पर मैच छोड़ नहीं सकते.

वोक्स को ओवल टेस्ट में कैसे चोट लगी थी?

क्रिस वोक्स को पहले दिन फील्डिंग करते समय कंधे में चोट लगी थी और इसके बाद उन्होंने मैच में हिस्सा नहीं लिया. लेकिन जब इंग्लैंड के नौ विकेट गिर गए और जीत के लिए 17 रन चाहिए थे, तब वोक्स पट्टी बंधे कंधे के साथ मैदान पर उतरे. ओवल के दर्शकों ने तालियों बजाकर उनका स्वागत किया. वो गस एटकिंसन का साथ देने उतरे थे.

ओलिंपिक मेडलिस्ट बॉक्सर लवलीना बोलीं-

बीएफआई अधिकारी ने मिसबिहेव किया-जूम पर मुझसे कहा- अपना सिर नीचे करो और जैसा हम कहते हैं वैसा करो

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलिंपिक गेम्स में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वाली मुक्केबाज लवलीना बोरगोहन ने इंडियन बॉक्सिंग एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक रिटायर्ड कर्नल अरुण मलिक पर मिसबिहेव के आरोप लगाए हैं।

लवलीना ने अपमानजनक और लैंगिक भेदभावपूर्ण व्यवहार करने का आरोप लगाया है। 27 साल की मुक्केबाज ने 2 पेज की लिखित शिकायत की है। वहीं, कर्नल मलिक ने लवलीना के आरोपों को गलत बताया है। इंडियन ओलिंपिक संघ ने इन आरोपों की जांच शुरू कर दी है। आईओए ने तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई है, जिसमें टॉप्स के सीईओ नछत्तर सिंह जोहल, टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल और एक महिला वकील शामिल हैं। कमेटी को 2 हफ्तों में रिपोर्ट देनी है।

न्यूज बाइट्स

पुलिस ने नामजद आरोपी को किया गिरफ्तार

गोह (औरंगाबाद) (नि.सं.)। गोह थाना की पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर देवहरा गांव में छापेमारी कर एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान वीरेंद्र चौधरी, पिता घनश्याम चौधरी के रूप में की गई है। गोह थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में दर्ज एक मामले में न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। उसी के आलोक में कार्रवाई करते हुए उसे उसके गांव से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को थाना लाकर आवश्यक पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से फरार आरोपियों में हड़कंप मच गया है। थाना क्षेत्र में विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पुलिस की ओर से लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

जम्होर में 16 अगस्त से भव्य श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव, तैयारियां शुरू

जम्होर (औरंगाबाद) (नि.सं.)। सदर प्रखंड के ग्राम जम्होर स्थित पुनपुन रोड राधा कृष्ण ठाकुरवाड़ी मंदिर प्रांगण में आगामी 16 अगस्त से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन भव्य एवं दिव्य माहौल में किया जाएगा। इसे लेकर राधा कृष्ण मंदिर विकास समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक मंदिर परिसर में संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष कमलेश कुमार ने की। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने आपसी विचार-विमर्श कर यह निर्णय लिया कि इस वर्ष जन्माष्टमी महोत्सव को और भी अधिक आकर्षक, ऐतिहासिक और अद्वितीय रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर 16 अगस्त की संध्या को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसमें जिले और राज्य के प्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। कलाकारों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, लीलाओं एवं उनके विभिन्न अवतारों पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। आयोजन स्थल को भव्य रूप से सजाया जाएगा और श्रद्धालुओं के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं की जाएंगी।

कृषि आधारित उद्योग को मिलेगा बढ़ावा, किसानों को मिलेगा लाभ

सहकारिता मंत्री ने 25 करोड़ की लागत से निर्मित सीता एग्रो फूड प्रोडक्ट राइस मिल का किया उद्घाटन

- इस मिल से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा और गांवों में उद्यमिता को प्रोत्साहन मिलेगा।
- मंत्री ने इसे औरंगाबाद और पूरे बिहार के लिए एक मील का पत्थर बताया।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण औद्योगिक पहल के तहत 'सीता एग्रो फूड प्रोडक्ट' नामक अत्याधुनिक राइस मिल का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस मिल का उद्घाटन बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, किसान, व्यापार मंडल के सदस्य, पैक्स पदाधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे। डॉ. प्रेम कुमार ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि दो एकड़ भूमि में फैली यह अत्याधुनिक राइस मिल करीब 25 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित की गई है और इसकी उत्पादन क्षमता प्रति घंटे 8 टन है। उन्होंने कहा कि इस मिल की स्थापना से औरंगाबाद जिले के किसानों को न सिर्फ लाभ मिलेगा, बल्कि उनकी उपज का उचित मूल्य भी समय पर मिलेगा। अब उन्हें अपनी फसल को बाहर के मंडियों में ले जाने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने आगे बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषि और उद्योग के समन्वित विकास की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। खासकर सहकारिता विभाग के माध्यम से राज्यभर में पैक्स समितियों को सशक्त कर उन्हें बहुउद्देश्यीय सेवा केंद्रों में बदला जा रहा है। इन केंद्रों के माध्यम से अब केवल अनाज का भंडारण और वितरण ही नहीं बल्कि प्रसंस्करण, पैकिंग, मार्केटिंग और निर्यात जैसे कार्यों को भी गति दी जा रही है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि 'सीता एग्रो फूड प्रोडक्ट' जैसी इकाइयां ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएंगी और गांव-गांव में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराएंगी। इस राइस मिल के माध्यम से स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण एवं रोजगार मिलेगा और किसानों को कृषि कार्यों में अधिक आत्मनिर्भरता प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए बिहार सरकार की उद्योग नीति के तहत कई तरह की रियायतें और सब्सिडी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से इच्छुक उद्यमियों को अनुदान, कर छूट और तकनीकी सहयोग भी दिया जा रहा है। इस अवसर पर मंत्री ने 'सीता एग्रो फूड प्रोडक्ट' के प्रोपराइटर एवं उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह इकाई भविष्य में औरंगाबाद ही नहीं बल्कि पूरे बिहार के कृषि विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी।

इस मौके पर प्रो. सीता कुमारी, संयुक्त निबंधक सहकारिता समिति मगध – विद्याभूषण मिश्रा, जिला सहकारिता पदाधिकारी औरंगाबाद – मनोज चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष विजेंद्र चंद्रवंशी, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंह, नीकेश कुमार, अनिल कुमार, सतेंद्र कुमार, अनिल सिंह, रंजीत चंद्रवंशी सहित अन्य विशिष्टजन उपस्थित रहे। समापन पर मंत्री ने कहा, "अगर किसानों और उद्यमियों के बीच ऐसा तालमेल बना रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब औरंगाबाद जैसे जिले बिहार के औद्योगिक मानचित्र पर अग्रणी स्थान प्राप्त करेंगे।"

मध्यस्थता विशेष अभियान व राष्ट्रीय लोक अदालत में वादों के निस्तारण में थानाध्यक्षों की अहम भूमिका : सीजेएम

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मध्यस्थता विशेष अभियान और राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) लाल बिहारी पासवान ने की। उनके साथ मंच पर प्राधिकार की सचिव तान्या पटेल और अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संदीप सिंह भी उपस्थित थे। बैठक में जिले भर के सभी थानाध्यक्षों को आमंत्रित किया गया था, जिनकी इस अभियान में निर्णायक भूमिका बताई गई। सीजेएम ने कहा कि मध्यस्थता विवाद निपटारे की सबसे सरल, सुलभ और भरोसेमंद प्रणाली है। यह एक ऐसा मंच है जहां दबाव रहित माहौल में दोनों पक्ष अपने विवाद को आपसी सहमति से सुलझा सकते हैं। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक चलने वाले इस विशेष अभियान में न्यायालयों में लंबित मामलों का तेजी से और खर्च रहित समाधान निकालने की कोशिश की जाएगी।

बैठक में सीजेएम ने थानाध्यक्षों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि थानाध्यक्षों के माध्यम से पीड़ित पक्षों तक सूचना पहुंचाना और मध्यस्थता के लिए प्रोत्साहित करना बेहद जरूरी है, जिससे अधिक से अधिक विवाद कोर्ट से बाहर सुलझ सकें।

बैठक में 13 सितम्बर को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। सचिव तान्या पटेल ने बताया कि वैवाहिक विवाद, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, दुर्घटना दावे, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, जमीन विवाद जैसे कई मामलों को इस अभियान में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि थानाध्यक्षों को चाहिए कि वे ऐसे मामलों को चिह्नित कर जागरूकता अभियान चलाएं। अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संदीप सिंह ने बताया कि प्राधिकार की ओर से थानावार सुलह योग्य वादों की सूची सभी थानों को भेजी गई है। थानाध्यक्षों से अपेक्षा की गई कि वे पक्षकारों से संपर्क स्थापित कर जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रमुखों और समाजसेवियों की मदद से अधिकतम विवादों का समाधान कराएं।

सचिव तान्या पटेल के निर्देश

सचिव ने थानाध्यक्षों से कहा कि अगर किसी मामले में काउंसिलिंग की आवश्यकता हो तो उसे जिला विधिक सेवा प्राधिकार या न्यायालय में भेजा जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि लोक3 अदालत से संबंधित नोटिस की तामिला सही तरीके से कराई जाए, ताकि संबंधित पक्षकारों को सूचना समय पर मिले। सभी थानाध्यक्षों से अनुरोध किया गया कि अगर किसी पक्षकार का पता दूसरे थाना क्षेत्र में हो तो वहां के थानाध्यक्ष से संपर्क कर सूचना भेजी जाए। इसके अलावा, जनप्रतिनिधियों की मदद से गांव-गांव में लोक अदालत की जानकारी पहुंचाई जाए। अधिकारियों ने कहा कि मध्यस्थता और लोक अदालत के माध्यम से केवल विवादों का निपटारा ही नहीं होगा, बल्कि यह समाज में आपसी भाईचारा और सद्भाव को भी मजबूती देगा।

जिले में बीएलए और बीएलओ की संयुक्त बैठकें, सभी योग्य मतदाताओं को सूची में शामिल करने का लक्ष्य

- नए मतदाता आवेदन देकर अपने नाम सूची में जुड़वा सकते हैं।
- बीएलओ घर-घर जाकर दस्तावेज लेकर सूची में सुधार का कार्य कर रहे हैं।
- युवा, महिलाएं और पहली बार वोट देने वाले मतदाता इस अभियान का विशेष फोकस हैं।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) और बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) की संयुक्त बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 1 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक दावे और आपत्तियां दाखिल करने की प्रक्रिया चलेगी, जिसके बाद 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

प्रशासन की ओर से लोगों से अपील की जा रही है कि वे समय रहते अपने नाम की जांच करें और अगर किसी प्रकार की त्रुटि हो तो उसका सुधार कराएं। साथ ही जिन नए मतदाताओं का नाम सूची में नहीं है, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर नाम जुड़वाएं। जिले में चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और समावेशी बनाने के लिए यह अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। चुनाव अधिकारियों का कहना है कि हर पंचायत स्तर पर बीएलओ सक्रिय रूप से मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और घर-घर जाकर आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर सूची में सुधार का कार्य कर रहे हैं। इस अभियान के तहत युवा मतदाताओं, महिलाओं और पहली बार वोट देने वालों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि लोकतंत्र की प्रक्रिया में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। जिला प्रशासन ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इस अभियान में भाग लें और यह सुनिश्चित करें कि उनका नाम मतदाता सूची में सही ढंग से दर्ज है। सशक्त लोकतंत्र के लिए जागरूक और जिम्मेदार मतदाता की भूमिका सबसे अहम मानी जा रही है।

एड्स जागरूकता के लिए सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज में हुआ रेड रन का आयोजन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वावधान में बुधवार को औरंगाबाद के प्रतिष्ठित सच्चिदानंद सिंहा कॉलेज के खेल मैदान में रेड रन 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं में एचआईवी/एड्स एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी विषयों को लेकर जागरूकता फैलाना था। दौड़ में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए और जोश के साथ मैदान में दौड़ लगाई।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा ने जानकारी दी कि यह दौड़ कुल 5 किलोमीटर की रही, जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार स्वरूप सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से छात्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और साथ ही सामाजिक सरोकारों से जुड़ने का अवसर भी मिलेगा। रेड रिबन क्लब, औरंगाबाद के जिला नोडल पदाधिकारी बहादुर भीम कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) की ओर से पूरे देश में चलाए जा रहे रेड रन अभियान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को एचआईवी संक्रमण, इसके बचाव, और जागरूकता से जोड़ना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है।

उन्होंने बताया कि पूरे आयोजन को तीन चरणों में संपन्न कराया जाएगा – महाविद्यालय स्तर, जिला स्तर और फिर राज्य स्तर। कॉलेज स्तर पर लक्ष्य रन नामक दौड़ आयोजित की जा रही है, जो जिले में होने वाली बड़ी प्रतियोगिता की तैयारी का हिस्सा है। जिला स्तरीय दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन 5 अगस्त से 29 अगस्त 2025 तक किया जाएगा, जिसमें चयनित प्रतिभागी राज्य स्तरीय रेड रन में हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम में डॉ. रवि रंजन कुमार, दिव्या शर्मा (एमवाईसी), एनसीसी के सूबेदार मेजर समेत कई अन्य अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियों से युवा पीढ़ी में न केवल शारीरिक रूप से फिट रहने की प्रेरणा मिलती है, बल्कि सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक बनने का भी संदेश मिलता है।

रक्षा बंधन को लेकर बाजार में सजी राखी की दुकाने

हसपुरा (औरंगाबाद) (नि.सं.)। रक्षाबंधन का त्योहार कल यानि 9 अगस्त को है। त्योहार को लेकर हसपुरा बाजार, पचरुखिया, पीरू, सिहाड़ी सहित अन्य गांव में राखी की दुकान सज गई है। गुरुवार को क्षेत्र की महिलाएं एवं लड़कियां अपने भाइयों के लिए तरह-तरह की राखियां पसंद कर खरीदी। साथ हीं मिठाई दुकान पर भी भीड़ देखी जा रही है। कुछ लड़कियां ज्वेलर्स दुकान पर अपने भाइयों के लिए चांदी की राखी भी खरीदते देखी गई। हसपुरा बाजार के खुदरा एवं थोक राखी विक्रेता सुनील राज, सौरभ कुमार, केदार प्रसाद ने बताया की इस बार सिल्वर वर्क, ओम आकृति, स्वास्तिक, डिजाइनिंग स्टोन वाली राखियां बाजार में आई है, जिसकी क्रीमत 20 रूपये से लेकर 150 रूपये तक है । साधारण राखी की कीमत 5 व 10 रूपये है। एक दुकानदार ने बताया कि अब फोम वाली राखी की डिमांड नहीं होती। इसलिए नहीं मंगाते हैं।

अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई, महिला गिरफ्तार, 12 लीटर शराब बरामद

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के अभियान के तहत गोह थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। हसनपुर गांव में छापेमारी कर पुलिस ने एक महिला को 12.25 लीटर देशी महुआ चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान हसनपुर गांव निवासी स्व. निर्मल यादव की पत्नी रीता कुंवर के रूप में की गई है। गोह थानाध्यक्ष मो. इरसाद ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि रीता कुंवर के घर पर अवैध शराब रखी गई है। सूचना के सत्यापन के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने उक्त स्थल पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान कुल 12.25 लीटर महुआ चुलाई शराब बरामद की गई, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार महिला के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। गोह थाना क्षेत्र में लगातार चल रहे मद्य निषेध अभियान को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है और आने वाले दिनों में और भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि ऐसे कदमों से क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार बंद होगा और सामाजिक माहौल सुधरेगा।

पुलिस ने दो देसी कट्टा के साथ नक्सली को किया गिरफ्तार

निज सं. | मदनपुर (औरंगाबाद)

मदनपुर थाना के पुलिस व एसटीएफ जवानों ने मिल कर कार्रवाई की है। इसमें एक हार्डकोर नक्सली पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने उसके पास से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। जबकि, उसकी निशानदेही पर थाना क्षेत्र के भीतरढोकड़ी के पास बंडा पहाड़ पर छिपा कर रखा गया एक देसी कार्बाइन व एक देसी कट्टा भी बरामद किया गया है। पकड़ा गया नक्सली पुकार भुइयां गयाजी जिला का आमस थाना क्षेत्र अंतर्गत शिव टहल बिगहा गांव का रहने वाला है।

गुरुवार को समाहरणालय परिसर स्थित पुलिस अधीक्षक सभा कक्ष में प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी सदर एसडीपीओ चंदन कुमार ने दी है। उन्होंने बताया कि मदनपुर थानाध्यक्ष राजेश कुमार को खुफिया इनपुट मिली थी कि नक्सली कांड का अप्राथमिकी अभियुक्त पुकार भुइयां थाना क्षेत्र के अजनवा स्थित नहर रास्ते होते हुए पैदल गुजरने वाला है। वरीय अधिकारियों को सूचना की जानकारी दी गई। थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एसटीएफ जवानों के सहयोग से छापेमारी की गई। इस दौरान पुलिस की वाहन को देखते ही एक व्यक्ति भागने लगा। पहले से मुस्तैद जवानों ने उसे खदेड़ कर पकड़ लिया।

डीएम ने किया 'हर खेत को सिंचाई का पानी' योजना का निरीक्षण, किसानों को हो रहा सीधा लाभ

- यह परियोजना 2.86 करोड़ की लागत से लघु सिंचाई विभाग द्वारा पूरी की गई है।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के देव प्रखंड अंतर्गत बसरी पईन/चेक डैम का निरीक्षण जिलाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री द्वारा किया गया। यह योजना लघु सिंचाई विभाग की 'हर खेत को सिंचाई का पानी' कार्यक्रम के तहत 2.86 करोड़ की लागत से पूर्ण की गई है। इस परियोजना से ढिबरा, तेतराइन, बसरी, डोमन बिगहा, पचोखर एवं बसर जैसे गांवों के किसानों को सिंचाई की सुविधा मिल रही है। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार की मंशा है कि हर किसान तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से और समय पर पहुंचे।

उन्होंने यह भी कहा कि यह योजना क्षेत्रीय कृषि विकास में एक नई ऊर्जा का संचार कर रही है और इससे उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। निरीक्षण के पश्चात जिलाधिकारी ने मध्य विद्यालय ढिबरा का भी दौरा किया, जहां उन्होंने विद्यालय के संचालन, छात्रों की उपस्थिति, शिक्षण गुणवत्ता, मध्यान्ह भोजन योजना एवं भवन की स्थिति की गहन समीक्षा की। शिक्षा विभाग को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर कार्यपालक अभियंता अशोक कुमार, सहायक अभियंता, तथा अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे। यह योजना न केवल कृषि उत्पादन को बल दे रही है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में विकास की नई परिभाषा भी गढ़ रही है।

अनुग्रह मिडिल स्कूल की सेवानिवृत शिक्षिका का निधन

औरंगाबाद (एसवीवी सं.)। शहर के अनुग्रह मध्य विद्यालय की सेवानिवृत शिक्षिका शांति ओझा का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलने पर विद्यालय परिवार ने चेतना सत्र में विशेष श्रद्धांजलि सभा आहूत कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत शिक्षिका की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस मौके पर हेडमास्टर उदय कुमार सिंह ने कहा कि शांति ओझा 80 के दशक में एक आदर्श शिक्षिका के रूप में इस विद्यालय में कार्यरत रहीं।उन्हें भी उनसे आरंभिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हुआ था। वह कुशल अध्यापिका के साथ ही जिले की एक लीडिंग सिटीजन रही। उनके पति स्व. जगदीश ओझा भी एक सच्चे शिक्षाविद एवं धर्मवेता के रूप में ख्यातिलब्ध रहे है।